
विज्ञान दर्पण
स्वतंत्र मत
रविवार 05 नवंबर 2026
3
रोबोटिक्स : स्वर्णिम भविष्य की नई क्रांति
प्रौद्योगिकी, आधुनिक समाज की प्रगति का आधार
यागी सांस्था फ्लॉन, यागि का होश मालम में संक्रमण
विज्ञान के प्रयोग

जबलपुर गुरुवार 5 नवम्बर 2026 > कार्तिक कृष्ण पक्ष, एकादशी

वर्ष 32 अंक 128 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

अब हर रोज दर्पण
▶▶ 3

स्वतंत्र मत

मौसम
अधिकतम तापमान
31.4°C
न्यूनतम तापमान
17.0 °C

सूर्योदय - 6.18 | सूर्यास्त - 5.30

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।



स्वर्णकार समाज ने स्वर्ण बोर्ड के गठन और.. ▶▶ 4



सलमान की आवाज में रिलीज हुआ... ▶▶ 7



भारत ने न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराया ... ▶▶ 10



महाशक्ति का मान-मर्दन: दोनों सदनों में मिडटर्म इलेक्शन हारे ट्रम्प

अमेरिका के पहले मुस्लिम सीनेटर बनेंगे अब्दुल अल-सैयद

वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका के राष्ट्रपतियों को एक श्राप मिला हुआ है। नाम है- मिडटर्म कर्स। पिछले 20 में से 18 बार, यानी 90 प्रतिशत मिडटर्म चुनाव मौजूदा राष्ट्रपति की पार्टी हारी है। डोनाल्ड ट्रम्प भी इससे बच नहीं सके। ईरान को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले, नॉर्वे को गाली देने वाले और अपने लिए नोबल पीस प्राइज मांगने वाले ट्रम्प अमेरिकी मिडटर्म चुनाव हार गए। ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में बहुमत गंवा दिया। विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट्स को अमेरिका की जनता खासकर महिलाओं ने भर-भर के वोट दिए। ट्रम्प की हार के साथ मिशिगन से डेमोक्रेट्स उम्मीदवार अब्दुल अल सैयद की चर्चा भी दुनिया भर में हो रही है। ट्रम्प ने अब्दुल को खुले मंच से 'जिहादी' कहा था। अब वे अमेरिकी इतिहास में सीनेटर चुने जाने वाले पहले मुस्लिम बन गए हैं। 25 अक्टूबर को मिशिगन में एक चुनावी रैली के दौरान ट्रम्प ने कहा था- मैं यहां एक जिहादी और मुस्लिम ब्रदरहुड के सदस्य को अमेरिकी सीनेटर बनने से रोकने आया हूं। ट्रम्प ने माना है कि ईरान के साथ युद्ध का असर मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के प्रदर्शन पर पड़ा। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों से लोग नाराज थे। उन्हें ईंधन के लिए ज्यादा पैसे खर्च करना पसंद नहीं आया। ट्रम्प ने ईरान पर संभावित हमले को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि अमेरिका को कुछ बड़ा करना होगा। इसमें ईरान पर जोरदार हमला भी शामिल हो सकता है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान को कभी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाएगा। वहीं, व्हाइट हाउस ने सोशल मीडिया पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की एक तस्वीर पोस्ट की है। इसमें ट्रम्प अपने ऑफिस में नजर आ रहे हैं। तस्वीर पर लिखा है- याद दिला दें, ट्रम्प अब भी आपके राष्ट्रपति हैं। अमेरिकी चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी को मिली बड़ी बढ़त के बाद व्हाइट हाउस की यह पहली प्रतिक्रिया है। इससे पहले ट्रम्प ने रिपब्लिकन पार्टी की हार पर कहा था कि डेमोक्रेट्स ने अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने यह भी कहा था कि अगर वे खुद चुनाव लड़ रहे होते तो रिपब्लिकन उम्मीदवार बेहतर प्रदर्शन करते।

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स

हाउस में कुल 435 सीटें हैं और सभी सीटों पर चुनाव हुए हैं। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 228 सीटें जबकि ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने 139 सीटें जीती हैं।

सीनेट

सीनेट की 100 सीटों में से 35 पर चुनाव हुए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 33 सीटों के नतीजे सामने आ चुके हैं। इनमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने 20 और रिपब्लिकन पार्टी ने 13 सीटें जीती हैं। बाकी 2 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। इन नतीजों को मिलाकर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 54 और रिपब्लिकन पार्टी के पास 44 सीटें हैं।

गवर्नर

कुल 36 सीटों में से 34 राज्यों के नतीजे आ चुके हैं। 22 डेमोक्रेट्स और 12 रिपब्लिकन ने सीटें जीती हैं। 2 राज्यों में वोटों की गिनती जारी है।

अग्निवीरों को दो साल का सेवा विस्तार

अब 4 साल के निर्धारित कार्यकाल के बजाय 6 साल तक सेवा देने का मिलेगा अवसर

नई दिल्ली

भारतीय सशस्त्र बलों में अग्निवीर के रूप में सेवा दे रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर सामने आई है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने अग्निवीरों के सेवा कार्यकाल में दो साल की बढ़ोतरी की घोषणा की है। इस बदलाव के तहत अग्निवीरों को चार साल के निर्धारित कार्यकाल के बजाय कुल छह साल तक सेवा देने का अवसर मिलेगा।



सीडीएस एनएस राजा सुब्रमणि ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि 14 जून 2022 में यह योजना आई थी। तब अग्निवीरों के प्रदर्शन के सतत आकलन की बात कही गई थी। अग्निवीरों के पहले बैच के चार वर्ष पूर्ण होने वाले हैं। अग्निवीरों के बारे में सकारात्मक फीडबैक मिला है। 25 फीसदी अग्निवीरों को नियमित सशस्त्र बलों में शामिल किया जाएगा। इस योजना के तहत शेष 75 फीसदी अग्निवीरों को दो साल की अवधि और दी जाएगी। इस दो साल की अवधि के बाद जो अग्निवीर इच्छुक होंगे और चयन मापदंडों पर खरे उतरेंगे, उन्हें नियमित सशस्त्र बलों में शामिल किया जाएगा। यह फैसला ऐसे समय में सामने आया है, जब सेना के तीनों अंग नवंबर 2026 के मध्य से अग्निपथ योजना के पहले बैच के लगभग 75 प्रतिशत अग्निवीरों को चरणबद्ध तरीके से सेवा से मुक्त करने की तैयारी कर रहे थे। सीडीएस ने कहा कि कैबिनेट ने दो साल की इस अवधि को मंजूरी दी है। चयन का दायरा बढ़ चुका है। सभी जिलों से अग्निवीर आ रहे हैं। पारदर्शिता के लिए अब पहले लिखित परीक्षा ली जा रही है, फिर फिजिकल टेस्ट ले रहे हैं। चार वर्षों की अवधि में अग्निवीरों की फिजिकल फिटनेस, हौसला और अनुशासन उच्च स्तर का रहा है। उनकी दक्षता को बढ़ाने के लिए प्रयास किए गए हैं। 10वीं पास अग्निवीरों को आगे की पढ़ाई कराई गई है। फीडबैक और समीक्षा के बाद निर्णय लिया गया कि 75 फीसदी अग्निवीरों को दो साल की अवधि और दी जाएगी। इसके तहत उन्हें ज्यादा पारितोषिक और विस्तारित सेवा निधि मिलेगी। इसी के साथ कैबिनेट ने सभी अग्निवीरों के लिए यह मार्ग प्रशस्त कर दिया है कि वे सशस्त्र बलों में समाहित हो सकें।

भारतीय सेनाओं में कितने अग्निवीर?



सेना	संख्या
थल सेना	लगभग 2.70 लाख
नौसेना	लगभग 21 हजार
वायु सेना	लगभग 27 हजार
कुल	लगभग 3.18 लाख

मुख्य बातें एक नजर में

- कैबिनेट ने अग्निवीरों के लिए नया रास्ता बनाया है।
- 25 प्रतिशत को मेरिट के आधार पर नियमित सेवा में लिया जाएगा।
- बाकी 75 प्रतिशत को 2 साल की अतिरिक्त सेवा का ऑफर मिलेगा।
- उस 2 साल के बाद जो इच्छुक होंगे और चयन मानदंड पूरे करेंगे, उन्हें सशस्त्र बलों में नियमित रूप से शामिल किया जाएगा।

मामले पर राजनीतिक हलचल शुरू

सरकार के इस फैसले पर राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गई है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवेसी ने कहा कि 75 प्रतिशत अग्निवीरों को, जिन्हें पहले 4 साल बाद सेवा से बाहर होना था, अब 2 साल का अतिरिक्त कार्यकाल मिलेगा। इसके बाद, वे चयन मानदंडों के आधार पर सशस्त्र बलों में भर्ती के लिए आवेदन कर सकेंगे। ओवेसी ने सवाल किया, ...क्या उन्हें स्वास्थ्य बीमा मिलेगा? क्या उन्हें वैसी ही सुविधाएं मिलेंगी जैसी सेना, नौसेना और वायु सेना के जवानों को दी जाती हैं? जो लोग गांवों में इसके लिए ट्रेनिंग लेते हैं, उन्हें क्या मिलेगा? हमारे देश के चारों ओर खतरे हैं। हमने शुरू से ही इसका विरोध किया था और आज भी हम इसका विरोध करते हैं।

14 जून 2022 को शुरू हुई थी योजना

अग्निपथ योजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 14 जून 2022 को मंजूरी दी थी। इसके तहत सशस्त्र बलों में युवाओं की भर्ती के लिए एक नई व्यवस्था लागू की गई। इस योजना के अंतर्गत चयनित युवाओं को अग्निवीर नाम दिया गया। इस योजना का उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों को युवा, फिट और तकनीकी रूप से सक्षम बनाना था। आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर 2026 तक पहले बैच में भर्ती हुए करीब 18,300 अग्निवीरों का चार साल का कार्यकाल पूरा हो रहा है। ये पहले बैच में भर्ती हुए 24,400 अग्निवीरों का करीब 75 प्रतिशत हैं। भारतीय वायुसेना ने पिछले महीने ही पहले अग्निवीर वायु बैच के 2,850 अग्निवीरों में से 712 को नियमित सेवा में बनाए रखने का निर्णय लिया था।

हर शाम नशा करने वाला सीएम जनता को नशे से कैसे बचाएगा



संगरूर। संगरूर के गांव फगुवाला में कांग्रेस की इंसाफ रैली में राहुल गांधी ने मान सरकार और आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सबसे पहले मंच पर मौजूद दिवंगत गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता का जिक्र किया। इसके बाद उन्होंने कहा कि आज पंजाब में नशा और गैंग्सटरिज़्म सबसे बड़ा संकट बन चुका है। राहुल गांधी ने मूसेवाला के अपनी पुरानी मुलाकात को याद करते हुए कहा कि सिद्धू मूसेवाला बेहद टैलेंटेड और ऊर्जावान युवा थे। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि जिस सोच ने मूसेवाला को दिन-दहाड़े और बिना डरे गोलियों से भून दिया, वह दुखद है। राहुल ने कहा कि जिस पिता को अपने जवान बेटे की अर्थी देखनी पड़े, उससे बड़ा दर्द इस दुनिया में और कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि मूसेवाला की सिक्योरिटी हटाए जाने के बाद सरेआम उनकी हत्या कर दी गई। पंजाब में नशे के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए राहुल गांधी ने कहा कि जब वह पहले पंजाब आए थे और उन्होंने नशे की बात कही थी, तब विपक्ष के तमाम दलों बीजेपी और अकाली दल ने उनकी बात को नकारा था। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब तक प्रदेश में उद्योग, फैक्ट्रियां और खेती-किसानी मजबूत नहीं होगी, तब तक नशा और गैंग्सटरिज़्म का खात्मा नहीं हो सकता। आप सरकार पर निशाना साधते हुए राहुल ने कहा कि चुनाव के समय उन्होंने वादा किया था कि वे पंजाब से नशा पूरी तरह मिटा देंगे। जनता ने उन पर भरोसा भी किया, लेकिन आज सवाल यह है कि सरकार ने प्रदेश के किस कोने से नशा खत्म किया है? मुख्यमंत्री भगवंत मान पर सीधा प्रहार करते हुए राहुल गांधी ने लोकसभा के दिनों का एक संस्मरण साझा किया। उन्होंने कहा कि जो मुख्यमंत्री खुद हर शाम नशे की गिरफ्त में रहता हो, वह जनता को नशे से कैसे बचा सकता है। राहुल ने कहा कि नशा रोकने के लिए एक ऐसे नेता और मुख्यमंत्री की जरूरत है जिसके दिल में पंजाब का असली दर्द हो।

मुश्किलों में घिरे सीईसी ज्ञानेश कुमार

20 साल पुराने केस में जांच को मंजूरी

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। केरलम में उनके खिलाफ करीब 20 साल पुराने कथित रिश्वत मामले की जांच का रास्ता खुल गया है। राज्य सरकार ने पूर्व लोक निर्माण विभाग सचिव रहे ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों की जांच के लिए विजिलेंस एंड एंटी-करप्शन ब्यूरो को मंजूरी दे दी है। आरोप है कि साल 2006 में केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के तहत सड़क निर्माण का काम पूरा होने के बाद भुगतान जारी करने के बदले 2 करोड़ रुपए की रिश्वत मांगी गई थी। दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान मंत्री रमेश चेन्निथला ने कहा कि उन्होंने एक दिन पहले ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जांच की अनुमति दी है। उनके अनुसार, पूर्व पीडबल्यूडी सचिव के खिलाफ कई तरह के आरोप लगाए गए थे, जिन्हें लेकर विजिलेंस विभाग जांच करना चाहता था। चेन्निथला ने बताया कि जब विजिलेंस ने सरकार से औपचारिक मंजूरी मांगी, तब इस मामले में कानूनी राय ली गई। कानूनी सलाह में स्पष्ट किया गया कि शिकायतकर्ता की ओर से लगाए गए आरोपों और कथित कदाचार की जांच विजिलेंस विभाग कर सकता है। इसी कानूनी राय के आधार पर उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत जांच की मंजूरी प्रदान की। इस पूरे विवाद की जड़ केरलम में सड़क निर्माण से जुड़ी एक परियोजना है। उस समय ज्ञानेश कुमार राज्य के लोक निर्माण विभाग के सचिव थे।



दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव से रोकना गलत: सुको

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। कोर्ट ने बताया कि भारत की कुल प्रजनन दर 2003 में 3 थी, जो अब घटकर 1.9 रह गई है। 2.1 की प्रजनन दर को रिप्लेसमेंट रेट माना जाता है। इससे कम प्रजनन दर का मतलब है कि एक पीढ़ी अपनी जगह अगली पीढ़ी को पूरी तरह नहीं ले पाएगी। कोर्ट ने कहा कि प्रजनन दर में गिरावट से बुजुर्गों की आबादी बढ़ सकती है और कामकाजी लोगों की संख्या घट सकती है। इन बदलावों को नजरअंदाज करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

खाद की किल्लत हुई तो कलेक्टर जिम्मेदार: मुख्यमंत्री



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को प्रदेश के सभी कलेक्टर्स और पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। उन्होंने दीपावली और किसानों की जरूरतों को देखते हुए पूरे प्रशासनिक अमले को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि किसानों को खाद या अन्य किसी तरह की परेशानी हुई तो इसके लिए कलेक्टर जिम्मेदार होंगे। मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन से हुई इस बैठक में उन्होंने अवैध पटाखों के इस्तेमाल पर रोक लगाने, अवैध शराब और मादक पदार्थों के कारोबार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

निर्मला सप्रे के दलबदल मामले में विधानसभा अध्यक्ष दो महीने में लें फैसला : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के सागर जिले की बीना विधानसभा सीट से विधायक निर्मला सप्रे के खिलाफ लंबित दलबदल मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को इस मामले में दो महीने के भीतर फैसला सुनाने का आदेश दिया है। यह याचिका विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने दायर की थी। उनका आरोप है कि निर्मला सप्रे वर्ष 2023 के विधानसभा



चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर जीतने के बाद भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गईं। अब सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद विधानसभा अध्यक्ष को तय समयसीमा में इस मामले पर निर्णय लेना होगा। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने पक्ष रखा। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के बाद विधानसभा अध्यक्ष को दो महीने के भीतर मामले का निपटारा करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि संविधान की दसवीं अनुसूची से जुड़े मामलों का शीघ्र निपटारा किया जाना चाहिए। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि ऐसे मामलों में समय पर निर्णय लेना बेहद जरूरी है।

मप्र कांग्रेस सेवादल की नई कार्यकारिणी घोषित

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवादल की बुधवार को नई प्रदेश कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। जिसमें प्रदेश उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव, संयुक्त सचिव, प्रशिक्षक और अन्य पदों पर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही 18 जिलों के मुख्य संगठकों की नियुक्ति भी की गई है। प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव ने बताया कि नई कार्यकारिणी में सेवादल के निष्ठावान, जुझारू और समर्पित कार्यकर्ताओं को प्रमुखता से स्थान दिया है। अच्छा कार्य करने वाले जिला मुख्य संगठकों को पदोन्नत कर प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल किया है। अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास ने राष्ट्रीय सचिव एवं मध्यप्रदेश प्रभारी प्रतापनारायण मिश्रा और प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव की सहमति से नई नियुक्तियां की हैं। प्रदेश में इन्हें कार्यकारिणी में जिम्मेदारियां मिलीं हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष- अरुण रोचवानी, राजा चौकसे, हरिशंकर राय और भोला कांति। कोषाध्यक्ष- रवि गोयल। प्रदेश महासचिव- ओम सिलावट, विजय साहू, पूरन कुशवाहा, गोविंद व्यास, झल्लेलाल जैन और अजय नागेश्वर। प्रदेश ध्वज प्रभारी- मोइनुद्दीन सिद्दीकी। प्रदेश मुख्य प्रशिक्षक- जगदीश ललावत। प्रदेश प्रशिक्षक- परमपुरी गोस्वामी, हमीद उस्मानी, केएल गोसर, विश्वनाथ मेवाड़ा, दिनेश झाड़, राकेश चक्रवर्ती, पुष्पेंद्र तोमर और आयूब लाला। प्रदेश सचिवों में अशोक बर्मन, अनिल शर्मा उत्साही, रामप्रताप कुशवाहा, महमूद पठान, रामअवतार जोशी, प्रवीण खरे, दीप सिंह सिसोदिया, राजेश लस्करी, जसपाल यादव, नीरज दंडोतिया, देवशरण चोबे, प्रमोद प्रजापति, लक्ष्मीनारायण पाठक, हरिश खटीक, बीके नामदेव, डॉ. दिलीप शुक्ला, रामसुमिरन सेन, सूरज पयासी, रामसंजीवन गौतम, शिवकुमार नीखरा, पूनमचंद्र सोनकर, अब्दुल वाहिद खान बाबलू, राकेश मरकाम, दिलीप तिवारी, वीरेंद्र मिश्रा, संजय शर्मा, देवेंद्र कुमार सोनी, गोविंद भार्गव, रघुनाथ चोरे, देवेंद्र पराशर, श्याम सिंह रघुवंशी, राधाकिशन सोलंकी, विमल बाथम, मंगललाल भाटी, रमेशचंद्र विश्वकर्मा, कमालुद्दीन, जितेंद्र यादव, आदित्य कौल, राजनिकांत व्यास, अविनाश गुप्ता, मनोज पंवार, पुनीत शर्मा, विजय कुमार मेहरा, सत्यनारायण यादव, नरेंद्र सिंह भंवर, सुधीर उपाध्याय, अमित राय, कमलेश चौहान, सतीश तिवारी, द्वारका चौधरी, राजीव देवड़ा, इपिन ठाकरे, शिवदीप देहरिया, प्रहलाद महावर, सुरेंद्र जैन सिंघई, दीपक जैन, गिराज शर्मा, निर्भय सिंह सोलंकी, राजलक्ष्न सिंह, ज्ञान सिंह घोशी और मुकेश खत्री को शामिल किया गया है। वहीं, सुधीर दुबे सोनू को जबलपुर शहर का मुख्य संगठक नियुक्त किया गया है।

देश में 850 फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनेंगी

बिजली स्टोरेज क्षमता बढ़ाने के लिए 14,500 करोड़ रुपए मंजूर

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने बुधवार को कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए हैं। इनमें यौन शोषण-रेप केसों के जल्द निपटारे के लिए 850 फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने को मंजूरी दी गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि बिजली स्टोर करने के लिए कैबिनेट ने 92 गीगावाट-घंटे क्षमता वाली ग्रिड स्केल एनर्जी स्टोरेज कैपेसिटी योजना के लिए 14,500 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी है। इसके अलावा डेटा कलेक्शन सिस्टम को अपग्रेड करने के लिए 4,371 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी गई है। साथ ही क्रिटिकल खनिजों की प्रोसेसिंग के लिए भी एक योजना स्वीकृत की गई है। इसके अतिरिक्त, लिथियम और निकल जैसे महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने हेतु 2,814 करोड़ रुपये की



योजना को भी हरी झंडी मिली। इन दोनों योजनाओं के लिए कुल 17,314 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। ये निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल बैठक में लिए गए। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को इन फैसलों की जानकारी दी। ऊर्जा भंडारण योजना वित्तीय वर्ष 2027 से वित्तीय वर्ष 2031 के बीच लागू होगी। यह भारत के 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होगी। यह विकास भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य तीन प्रौद्योगिकियों में 92 गीगावाट-हावर भंडारण क्षमता का विकास करना है। इनमें बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली शामिल है। पंप भंडारण परियोजनाएं भी इस योजना का हिस्सा हैं। उभरती भंडारण प्रौद्योगिकियां भी विकसित की जाएंगी। यह योजना पांच वर्षों तक यानी 2030-31 तक कार्यान्वित की जाएगी। व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण से इन परियोजनाओं को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने में मदद मिलेगी। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को भारत के ऑफिशियल स्टैटिस्टिकल इकोसिस्टम को बदलने के लिए एक स्कीम को मंजूरी दी, जिसमें 4,371.1 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। स्टैटिस्टिकल ट्रांसफॉर्मेशन, एनालिटिक्स और रिसर्च के लिए विकसित भारत इनिशिएटिव स्कीम 2030-31 तक पांच साल के लिए है।

घर की परछी में सो रही किशोरी को उठा ले गया तेंदुआ 300 मीटर दूर झाड़ियों में मिला क्षत-विक्षत शव

घर के अंदर भी सुरक्षित नहीं जिंदगी, 15 वर्षीय बालिका की दर्दनाक मौत से दहला ब्यौहारी

ब्यौहारी (स्वतंत्रमत)



जंगल में घूमने वाले खूंखार तेंदुए का आतंक अब गांवों के घरों तक पहुंच गया है। ब्यौहारी थाना क्षेत्र के ग्राम तगावर के बिजाहरा टोला में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां घर की परछी में अपनी बहन के साथ सो रही 15 वर्षीय किशोरी सरस्वती सिंह गोंड को तेंदुआ अचानक उठाकर ले गया। सुबह घर से करीब 300 मीटर दूर झाड़ियों में किशोरी का क्षत-विक्षत शव मिलने से पूरे गांव में मातम और दहशत फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सरस्वती सिंह गोंड रात में अपनी बहन के साथ घर की परछी में सो रही थी। इसी दौरान तेंदुआ घर में घुस आया और किशोरी को अपने जबड़े में दबाकर उठा ले गया। परिजनों को घटना की जानकारी सुबह हुई। तलाश के दौरान घर से लगभग 300 मीटर दूर झाड़ियों में किशोरी का क्षत-विक्षत शव मिला। यह मंजर देखकर परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। डीएफओ तरुणा वर्मा ने बताया कि घर में दरवाजा नहीं होने के कारण तेंदुआ अंदर घुसा और किशोरी को उठा ले गया। घटना के बाद वन विभाग की टीमें तेंदुए की तलाश में जुट गई हैं। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे बिजाहरा टोला में भय का माहौल है। ग्रामीणों के मन में अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब घर की परछी में सो रही किशोरी भी सुरक्षित नहीं है, तो आखिर ग्रामीण अपने परिवार और बच्चों की सुरक्षा कैसे करें? तेंदुए की मौजूदगी ने ग्रामीणों की रातों की नींद उड़ा दी है।

इनका कहना है

अब वन विभाग के सामने सबसे बड़ी चुनौती तेंदुए की तलाश कर ग्रामीणों को सुरक्षा का भरोसा दिलाने की है।

तरुणा वर्मा डी,एफ.ओ.
जिला शहडोल

नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन

जयसिंहनगर (स्वतंत्रमत)



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खंड जयसिंहनगर द्वारा नगर में पथ संचलन निकाला गया। रविवार 01 नवंबर को मध्यप्रदेश की स्थापना दिवस भी मनायी गयी वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा नगर में पथ संचलन निकाला गया। कार्यक्रम का आयोजन शासकीय सांदीपनि विद्यालय मैदान जयसिंहनगर में किया गया। जहां लगभग 100 स्वयंसेवकों ने पथ संचलन में हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में बृजेन्द्र कुमार पाण्डेय जिला सामाजिक समरसता प्रमुख शहडोल ने उपस्थित स्वयंसेवकों एवं नगर से आये हुए गणमान्य नागरिकों, मातृशक्ति एवं जनसमूह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक हिंदू राष्ट्रवादी संगठन है जिसका विस्तार देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी है। इसकी स्थापना 27 सितंबर सन् 1925 में हुई थी। भारत के महाराष्ट्र क्षेत्र के एक चिकित्सक केशव बलिराम हेडगेवार (1889-1940) ने औपनिवेशिक भारत में सांप्रदायिक तनाव के समय हिंदुओं के बीच अनुशासन, एकता और पहचान की भावना को बढ़ावा देने के लिए इस संगठन की स्थापना की थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना विजयादशमी को हुई थी इसलिए प्रतिवर्ष इस दिन को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का देश की रक्षा और हितों में योगदान को भी विस्तार से बताया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश में एकता, सामाजिक समरसता, देशभक्ति और सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा हेतु हरसंभव प्रयास करता आ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश भर में लोगों को एक सूत्र में पिरोने का काम कर रहा है, इसलिए हमें जात-पात से ऊपर उठकर हिंदुत्व की रक्षा के लिए आगे आना होगा। तत्पश्चात नगर में पथ संचलन निकाला गया जो विभिन्न मार्गों से होकर सांदीपनि विद्यालय मैदान में ही संपन्न हुआ। पथ संचलन के दौरान नगरवासियों ने पुष्प वर्षा करते हुए विभिन्न स्थानों पर स्वयंसेवकों का स्वागत किया।

अमेरा घाट में अनियंत्रित होकर पलटा ट्रांसपोर्ट ट्रक, चालक बाल-बाल बचा



डिंडौरी (स्वतंत्रमत)

जिले के शहपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत अमेरा घाट में बुधवार सुबह करीब 10 बजे एक ट्रांसपोर्ट ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रक चालक को मामूली चोटें आई हैं। दुर्घटना की भयावहता को देखते हुए राहत की बात यह रही कि चालक की जान बच गई और कोई जनहानि नहीं हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रांसपोर्ट का माल लेकर ट्रक शहपुरा की ओर से डिंडौरी जा रहा था। इसी दौरान अमेरा घाट पर अचानक चलते वाहन का सॉफ्ट टूट गया। वाहन का संतुलन बिगड़ने के कारण चालक ट्रक पर नियंत्रण नहीं रख सका और देखते ही देखते ट्रक घाट में पलट गया। अचानक हुए हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा.तफरी का माहौल बन गया। ट्रक पलटने की खबर मिलते ही राहगीर और आसपास के स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। दुर्घटना में चालक को मामूली चोटें आने की जानकारी सामने आई है। अमेरा घाट पर जिस तरह ट्रक अनियंत्रित होकर पलटाए उससे बड़ी दुर्घटना की आशंका थी। हालांकि किस्मत अच्छी रही कि हादसे में चालक सुरक्षित बच गया और किसी अन्य व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है।

शहडोल में अब हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का इलाज होगा नि:शुल्क, आयुष्मान योजना से आदित्य सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में शुरू हुई कॉर्डियोलॉजी और न्यूरोसर्जरी सेवाएं

शहडोल (स्वतंत्रमत)

विंध्य और संभाग के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आदित्य सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, शहडोल में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत कॉर्डियोलॉजी एवं न्यूरोसर्जरी विभाग की सेवाएं प्रारंभ की गई हैं। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, इन सेवाओं के तहत योजना के पात्र हितग्राहियों को हृदय रोग, मस्तिष्क एवं रीढ़ की हड्डी से संबंधित गंभीर बीमारियों का उपचार निर्धारित पैकेज और योजना की स्वीकृति के अनुसार नि:शुल्क एवं कैशलेस उपलब्ध कराया जाएगा। इस सुविधा के शुरू होने से शहडोल, उमरिया, अनूपपुर सहित सीधी, मंडला और आसपास के ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों के मरीजों को स्थानीय स्तर पर विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं मिलने का रास्ता खुलेगा। अब तक हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, ब्रेन हेमरेज, गंभीर सिर की चोट और रीढ़ की हड्डी से जुड़ी जटिल बीमारियों के उपचार के लिए मरीजों को जबलपुर, भोपाल, नागपुर और रायपुर जैसे बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था। इससे मरीजों और उनके परिजनों को आर्थिक परेशानी के साथ लंबी दूरी की यात्रा भी करनी पड़ती थी।

गंभीर मरीजों के लिए समय पर इलाज की सुविधा

हृदयाघात (हार्ट अटैक), ब्रेन स्ट्रोक और सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर चोट के मामलों में शुरुआती समय को गोल्डन ऑवर माना जाता है। इस दौरान मरीज को उचित चिकित्सा सुविधा मिलना बेहद महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर कॉर्डियोलॉजी और न्यूरोसर्जरी की सुविधा उपलब्ध होना क्षेत्र के मरीजों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक, यहां 24 घंटे कैथ लैब, आईसीयू, आधुनिक न्यूरो मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर और विशेषज्ञ चिकित्सकों की व्यवस्था की गई है। कॉर्डियोलॉजी विभाग में ईसीजी, इकोकार्डियोग्राफी, होल्टर मॉनिटरिंग, टीएमटी, कोरोनरी एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। वहीं न्यूरोसर्जरी विभाग में ब्रेन हेमरेज, सिर की गंभीर चोट, ब्रेन स्ट्रोक और रीढ़ की हड्डी से संबंधित जटिल मामलों के उपचार एवं ऑपरेशन की सुविधा दी जाएगी।



आयुष्मान कार्डधारकों को मिलेगा कैशलेस उपचार

आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र परिवारों को निर्धारित पात्रता और नियमों के अनुसार प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच मिलता है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, योजना के अंतर्गत स्वीकृत उपचार पैकेज में भर्ती, आईसीयू, आवश्यक जांच, ऑपरेशन, दवाइयां और संबंधित चिकित्सा सामग्री का खर्च शामिल हो सकता है। मरीजों को उपचार के लिए अस्पताल के आयुष्मान हेल्पडेस्क पर आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। इसके बाद पात्रता सत्यापन एवं संबंधित उपचार की सरकारी स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। अब तक गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए दूसरे शहरों में जाने पर मरीजों के परिजनों को यात्रा, ठहरने, भोजन और कामकाज छूटने के कारण अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ता था। स्थानीय स्तर पर सुपरस्पेशलिटी चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध होने से इन परेशानियों में कमी आने की उम्मीद है। विशेषकर ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को इसका लाभ मिल सकता है।

अस्पताल प्रबंधन ने बताया जनसेवा का संकल्प

आदित्य सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. आदित्य द्विवेदी ने कहा कि अस्पताल का उद्देश्य है कि विंध्य और शहडोल संभाग का कोई भी नागरिक पैसों की कमी अथवा महानगरों की दूरी के कारण बेहतर इलाज से वंचित न रहे। कॉर्डियोलॉजी और न्यूरोसर्जरी जैसी जटिल चिकित्सा सेवाओं को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। स्थानीय स्तर पर इन विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं की शुरुआत से शहडोल संभाग के स्वास्थ्य ढांचे को विस्तार मिलने की उम्मीद है। अब इन सुविधाओं का वास्तविक लाभ पात्र मरीजों तक कितनी सुगमता और समय पर पहुंचता है, यह आने वाले समय में महत्वपूर्ण रहेगा।

ग्राम उरदना में भालुओं की दस्तक



उमरिया । मानपुर से सटे ग्राम उरदना में मंगलवार देर रात भालुओं की दस्तक से ग्रामीणों में दहशत फैल गई,इस मामले से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।बताया जा रहा है कि जंगल से निकलकर एक-दो नहीं, बल्कि दो से तीन भालू सीधे बस्ती के भीतर दाखिल हो गए हैं।अचानक आबादी के बीच भालुओं की मौजूदगी से ग्रामीण सहमे हुए हैं।घटना की सूचना वन विभाग को दी गई है,लेकिन भालुओं की मौजूदगी के बीच ग्रामीणों को अब अपनी सुरक्षा की चिंता सता रही है।

एनएच-43 पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं को लेकर मानवाधिकार एसोसिएशन ने कलेक्टर, एसपी को सौंपा ज्ञापन

उमरिया (स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-43 पर लगातार हो रही गंभीर सड़क दुर्घटनाओं एवं जनहानि को रोकने की मांग को लेकर मानवाधिकार एसोसिएशन, जिला उमरिया द्वारा सोमवार 2 नवम्बर को कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर संभाग अध्यक्ष कीर्ति कुमार सोनी ने बताया कि एनएच-43 पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिनमें कई निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है। आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दुर्घटना संभावित स्थानों पर तत्काल सुरक्षा इंतजाम करना आवश्यक है। वहीं जिला अध्यक्ष राहुल अग्निहोत्री ने बताया कि घंगरी नाका, व्यापार बिहार, त्रिवेणी फर्नीचर शोरूम, खलेसर नाका, चपहा कॉलरी एवं पिपरिया कॉलरी के सामने पुलिस बैरिकेडिंग एवं पुलिस बल की नियमित तैनाती की जानी चाहिए। साथ ही तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण एवं यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए। ज्ञापन में घंगरी नाका से पिपरिया तक शहर के बाहर वैकल्पिक बाईपास मार्ग विकसित करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई, ताकि भारी वाहन शहर के घनी आबादी वाले क्षेत्रों से होकर न गुजरें और आम नागरिकों को दुर्घटनाओं से राहत मिल सके। इस अवसर पर कीर्ति कुमार सोनी, राहुल अग्निहोत्री, विष्णु द्विवेदी, अभिषेक अग्रवाल, हरीश बिशनदशानी, नरेश लालवानी, चिम्मन लाल सचदेव, सुशील नामदेव,श्रीवास्तव जी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। एसोसिएशन ने जिला प्रशासन से जनहित एवं नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शीघ्र प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की।

मामला उजागर होते ही हरकत में आया प्रशासन, जांच के आदेश जारी

उमरिया (स्वतंत्र मत)। जिले के जनपद पंचायत करकेली अंतर्गत ग्राम पंचायत धनवाही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 14 अक्टूबर को गुरुवाही दौरे के दौरान ग्रामीणों को कार्यक्रम स्थल तक लाने-ले जाने के नाम पर वाहन भुगतान में कथित अनियमितता का मामला स्वतंत्र मत अखबार में प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद प्रशासन हरकत में आया है। विदित हो कि दैनिक समाचार पत्र स्वतंत्र मत में अंधेरगदी... पिकअप और बोलेरो के नाम पर मोटरसाइकिलों का हुआ भुगतान..! नामक हेडिंग के साथ तीन नवंबर के अंक में समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद जनपद पंचायत करकेली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने खबर को संज्ञान में लेकर 03 नवंबर 2026 को संबंधित पंचायत समन्वयक अधिकारी को जांच के निर्देश जारी किए। पत्र में तीन दिवस के भीतर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश जारी कर समाचार पत्र में प्रकाशित खबर का हवाला देते हुए ग्राम पंचायत धनवाही द्वारा वाहनों के भुगतान में अनियमितता के आरोपों की जांच करने के निर्देश दिए हैं। पत्र में एमपी-17-जेडए-1482 एवं एमपी-54-जेडीसी-1817 नंबर के दो पहिया वाहनों का उल्लेख करते हुए उनके किराये के



भुगतान से संबंधित मूल अभिलेखों की जानकारी लेने तथा सरपंच एवं सचिव के कथन सहित जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का उल्लेख है। हालांकि इस पूरे मामले में नियुक्त किए गए जांचकर्ता पंचायत समन्वयक अधिकारी बाल्मीक सिंगरहा का कहना है कि उन्हें अभी तक पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। वही अखबार में मामला उजागर होने के बाद जांच के निर्देश जारी होना निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक कदम है।

नगर परिषद के नलों से निकल रहा पीला और गंदा पानी क्या इंदौर जैसी घटना का इंतजार कर रहा प्रशासन

डिंडौरी ;स्वतंत्र मत। नगर परिषद डिंडौरी की पेयजल व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। शहर के कई नलों से पीले रंग का गंदा पानी निकलने की शिकायत सामने आ रही है। जिस पानी का उपयोग नगरवासी पीने और घरेलू जरूरतों के लिए करते हैंए उसकी गुणवत्ता ही सवालों के घेरे में है। नलों से निकलता पीला पानी देखकर लोगों में चिंता और आक्रोश है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या को लेकर गंभीर क्यों नहीं हैंघ् क्या पेयजल की नियमित जांच नहीं की जा रही हैघ् क्या फिल्टर प्लांट में पानी का शुद्धिकरण निर्धारित मानकों के अनुसार हो रहा हैघ् यदि पानी की सप्लाई से पहले उसका उचित शोधन और परीक्षण किया जा रहा हैए तो फिर नलों तक पीले रंग का गंदा पानी कैसे पहुंच रहा हैघ् इंदौर में दूषित पेयजल से जुड़ी घटना के बाद भी यदि स्थानीय निकाय सबक नहीं लेते हैंए तो यह चिंता का विषय है। क्या नगर परिषद डिंडौरी के जिम्मेदार अधिकारी भी किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रहे हैंघ् आखिर लोगों की सेहत से जुड़ी इस गंभीर समस्या पर समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा में लापरवाही सीधे आम नागरिकों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। दूषित पानी के सेवन से जलजनित बीमारियों का खतरा रहता है। ऐसे में नगर परिषद को तत्काल पानी के नमूने लेकर उनकी प्रयोगशाला में जांच करानी चाहिए।



जिला युवा उत्सव का हुआ आयोजन, नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत रही थीम

उमरिया। बुधवार 4 नवम्बर को खेल एवं युवा कल्याण विभाग उमरिया द्वारा रानी दुर्गावती भवन उमरिया में 30वें जिला युवा उत्सव का आयोजन किया गया। इस वर्ष युवा उत्सव की थीम नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारतष् रखी गई। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक, लोक नृत्य, लोकगीत, कविता लेखन एवं चित्रकला सहित अन्य विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों एवं टीमों ने प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से नशामुक्ति का संदेश देते हुए युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में मां विरासनी देवी लोकमंच पाली की टीम ने लोकगीत विधा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कविता लेखन में हंसवाहिनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमरिया की सुश्री माही बर्मन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में आदर्श कॉलेज की छात्रा सुश्री पुष्पांजलि प्रजापति ने प्रथम स्थान अर्जित किया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता की प्रत्येक विधा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करने के लिए भेजा जाएगा। कार्यक्रम में युवा उत्सव के संयोजक एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रभारी तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा, जिला युवा अधिकारी उमाशंकर त्रिवेदी, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता मनीष तिवारी, आर.पी. राय, शंभू सोनी, हाई स्कूल गुलगुली के प्राचार्य राजकुमार महोबिया सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।



सरकारी नौकरी के साथ निजी स्कूल संचालन का आरोप महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक हटाई गई

समनापुर में दिशा पैसेफिक स्कूल की मान्यता और समिति में पदाधिकारी की भूमिका पर उठे सवाल

डिंडौरी ;स्वतंत्र मत

महिला एवं बाल विकास विभाग की समनापुर परियोजना के अंतर्गत गौरा कन्हारी सेक्टर में पदस्थ पर्यवेक्षक श्रीमती स्वप्निल पुरी एक बार फिर विवादों के केंद्र में हैं। सरकारी सेवा में रहते हुए निजी विद्यालय के संचालन से जुड़ी भूमिका को लेकर उन पर सवाल उठाए जा रहे हैं। मामला समनापुर में संचालित दिशा पैसेफिक स्कूल की मान्यताए विद्यालय प्रबंधन समिति में उनकी कथित भूमिका और ड्यूटी के दौरान विद्यालय में गतिविधियां संचालित किए जाने के आरोपों से जुड़ा है। मामला सामने आने और शिकायतें उच्च स्तर तक पहुंचने के बाद कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में उन्हें सेक्टर से पृथक कर जिला कार्यक्रम अधिकारीए महिला एवं बाल विकास कार्यालय डिंडौरी में पदस्थ किया गया है। हालांकिए प्रशासनिक स्तर पर कार्यस्थल में बदलाव के बाद अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या मामला केवल सेक्टर से हटाने तक सीमित रहेगा या सरकारी सेवा नियमोंए निजी विद्यालय संचालन में भूमिका और पद के कथित दुरुपयोग से जुड़े आरोपों की विस्तृत जांच भी कराई जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसारए समनापुर में संचालित दिशा पैसेफिक स्कूल की मान्यता के लिए श्रीमती स्वप्निल पुरी द्वारा स्वयं आवेदन किए जाने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि रजिस्ट्रार फर्म्स एवं सोसायटीए जबलपुर के समक्ष समिति के वर्तमान पदाधिकारियों की सूची प्रस्तुत करते समय उन्होंने समिति की अध्यक्ष के रूप में स्वयं को शिक्षिका दर्शाया है। यदि दस्तावेजों में दर्ज विवरण और विद्यालय संचालन में उनकी भूमिका की पुष्टि होती हैए तो यह मामला सरकारी सेवा में रहते हुए निजी शैक्षणिक संस्था से जुड़ाव तथा संबंधित सेवा नियमों की प्रयोज्यता की जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण हो सकता है।





सरकारी कर्मचारी द्वारा निजी विद्यालय के संचालन या प्रबंधन में भागीदारी की वैधानिक स्थिति का निर्धारण संबंधित सेवा नियमोंए संस्था की वास्तविक संरचना और कर्मचारी की भूमिका के आधार पर किया जाना आवश्यक है। ऐसे में विद्यालय की मान्यता के लिए प्रस्तुत आवेदनए समिति के पंजीयन संबंधी दस्तावेजए पदाधिकारियों की सूची और विद्यालय के वास्तविक संचालन की जांच महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सूत्रों के अनुसारए गौरा कन्हारी सेक्टर में पदस्थ रहने के दौरान पर्यवेक्षक की कार्यप्रणाली को लेकर भी शिकायतें सामने आई थीं। आरोप है कि शासकीय ड्यूटी के समय निजी विद्यालय में पालक.शिक्षक बैठक आयोजित की गई। यदि इस आरोप की पुष्टि होती हैए तो यह सरकारी दायित्वों के निर्वहन और कार्यालयीन समय के उपयोग से जुड़ा गंभीर विषय हो सकता है। इस संबंध में विद्यालय में बैठक आयोजित किए जाने की तारीखए समयए उपलब्ध अभिलेखों और संबंधित अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर तथ्यात्मक जांच किए जाने की आवश्यकता है। फिलहाल इन आरोपों पर संबंधित पक्ष का आधिकारिक जवाब सामने आना भी महत्वपूर्ण होगा।

स्वतंत्रता दिवस पर वायरल वीडियो को लेकर भी जारी हुआ था नोटिस-श्रीमती स्वप्निल पुरी इससे पहले स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर फिल्मी गाने पर नृत्य करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भी चर्चा में आई थीं। उपलब्ध जानकारी के अनुसारए वीडियो को लेकर जिला प्रशासन ने उन्हें नोटिस जारी कर जवाब तलब किया था। अब निजी विद्यालय से जुड़े नए आरोप सामने आने के बाद उनकी कार्यप्रणाली और सरकारी सेवा में रहते हुए कथित निजी व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकिए पूर्व में जारी नोटिस और वर्तमान मामले के बीच किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले संबंधित अभिलेखों तथा जवाबों का परीक्षण आवश्यक है।

रोबोटिक्स : स्वर्णिम भविष्य की नई क्रांति

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के इस आधुनिक युग में रोबोटिक्स एक ऐसी तकनीक बनकर उभरी है, जो मानव जीवन को तेज़, सरल और अधिक सुविधाजनक बना रही है। रोबोटिक्स विज्ञान की वह शाखा है जिसमें ऐसे यंत्रों का डिज़ाइन, निर्माण और संचालन किया जाता है जो मनुष्यों की तरह कार्य कर सकें या उनके कार्यों में सहायता कर सकें। एक समय था जब रोबोट केवल फ़िल्मों और विज्ञान कथाओं में दिखाई देते थे। आज वे कारखानों, अस्पतालों, खेतों, स्कूलों और यहाँ तक कि हमारे घरों में भी अपनी जगह बना चुके हैं।

रोबोटिक्स के प्रमुख उपयोग

उद्योग में- कारखानों में रोबोट वेल्डिंग, पेंटिंग, पैकिंग और असेंबली जैसे कार्य अत्यधिक तेज़ी और सटीकता के साथ करते हैं। वे बिना थके लगातार काम कर सकते हैं, जिससे उत्पादन बढ़ता है और समय तथा लागत दोनों की बचत होती है। ख़तरनाक रसायनों या अधिक तापमान वाली जगहों पर भी रोबोट मनुष्यों की जान जोखिम में डाले बिना काम करते हैं।

अस्पतालों में- चिकित्सा क्षेत्र में रोबोटिक तकनीक वरदान साबित हो रही है। रोबोटिक सर्जरी में छोटे चीरे लगाकर जटिल ऑपरेशन किए जाते हैं, जिससे मरीज़ को कम दर्द होता है और वह जल्दी स्वस्थ होता है। इसके अलावा रोबोट दवाइयाँ पहुँचाने, मरीज़ों की देखभाल और कृत्रिम अंग बनाने में भी सहायक हैं।



कृषि में- आधुनिक कृषि रोबोट फ़सलों की निगरानी, बीज बोने, सिंचाई, कीटनाशक छिड़कने और कटाई जैसे कार्यों में किसानों की मदद कर रहे हैं। ड्रोन की सहायता से खेतों की स्थिति का सटीक अनुमान लगाया जाता है, जिससे पैदावार बढ़ती है और पानी तथा खाद की बर्बादी घटती है।

शिक्षा में- स्कूलों और कॉलेजों में रोबोटिक्स की शिक्षा देकर विद्यार्थियों को विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित के प्रति आकर्षित किया जा रहा है। इससे उनकी रचनात्मकता, तार्किक सोच, समस्या-समाधान क्षमता और टीमवर्क का विकास होता है। आने वाले समय में रोबोटिक्स से जुड़े रोज़गारों की संख्या तेज़ी से बढ़ने की संभावना है।

अंतरिक्ष अनुसंधान में

कई ग्रह और स्थान ऐसे हैं जहाँ मनुष्यों का पहुँचना कठिन या जोखिमपूर्ण है। वहाँ रोबोटिक यंत्र और रोवर कठिन परिस्थितियों में भी लगातार कार्य करके महत्वपूर्ण जानकारी भेजते हैं। मंगल और चंद्रमा के अभियानों में इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

रक्षा और आपदा प्रबंधन में

सेना में बम निरोधक रोबोट, निगरानी ड्रोन और सीमा सुरक्षा यंत्र जवानों की जान बचाते हैं। भूकंप, बाढ़ या इमारत गिरने जैसी आपदाओं में मलबे के नीचे दबे लोगों को खोजने के लिए भी रोबोट उपयोगी हैं।

चुनौतियाँ

रोबोटिक्स के अनेक लाभ हैं, लेकिन कुछ चुनौतियाँ भी हैं। अत्यधिक स्वचालन के कारण कुछ पारंपरिक नौकरियों पर असर पड़ सकता है। रोबोटों के निर्माण और रखरखाव की लागत भी काफ़ी अधिक होती है। इसके अलावा तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता, डेटा की सुरक्षा और नैतिक प्रश्न भी चिंता के विषय हैं। इसलिए ज़रूरी है कि तकनीकी विकास के साथ-साथ मानव कौशल के विकास पर भी ध्यान दिया जाए, ताकि लोग नई तकनीकों के अनुरूप स्वयं को ढाल सकें।

भविष्य की संभावनाएँ

आने वाले वर्षों में रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का मेल और भी उन्नत मशीनें तैयार करेगा। स्वचालित वाहन, बुज़ुर्गों की देखभाल करने वाले रोबोट, स्मार्ट शहर और अधिक सटीक चिकित्सा प्रणालियाँ इसके उदाहरण होंगे। ऐसे में आज के विद्यार्थियों के लिए इस क्षेत्र की मूल बातें सीखना बहुत लाभकारी सिद्ध होगा।



रमिता सिंह

टीचर
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, डुमना रोड, जबलपुर।

प्रौद्योगिकी, आधुनिक समाज की प्रगति का आधार

प्रौद्योगिकी आधुनिक युग की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। यह हमारे जीवन के लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित करती है। शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, संचार, परिवहन और मनोरंजन जैसे क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी ने क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं। आज का युग डिजिटल युग कहलाता है, क्योंकि अधिकांश कार्य तकनीक की सहायता से किए जा रहे हैं। प्रौद्योगिकी ने न केवल जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाया है, बल्कि समाज और अर्थव्यवस्था के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी की भूमिका

1 संचार के क्षेत्र में- पहले संदेश भेजने में कई दिन लग जाते थे, लेकिन आज मोबाइल फ़ोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया की सहायता से कुछ ही सेकंड में दुनिया के किसी भी कोने में संपर्क किया जा सकता है। इससे लोगों के बीच दूरी कम हुई है और वैश्विक स्तर पर जुड़ाव बढ़ा है।

2 शिक्षा के क्षेत्र में- ऑनलाइन कक्षाएँ, डिजिटल पुस्तकें, शैक्षणिक ऐप्स और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म ने सीखने की प्रक्रिया को



आसान और प्रभावी बना दिया है। विद्यार्थी घर बैठे विश्वस्तरीय शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। इससे शिक्षा अधिक सुलभ और समावेशी बनी है।

3 व्यापार और वाणिज्य में- ई-कॉमर्स वेबसाइटों और डिजिटल भुगतान प्रणालियों ने खरीद-बिक्री को सरल बना दिया है। ग्राहक ऑनलाइन सामान खरीद सकते हैं और व्यवसायी अपने उत्पादों को वैश्विक बाज़ार तक पहुँचा सकते हैं। इससे समय और लागत दोनों की बचत होती है।

4 स्वास्थ्य सेवाओं में- आधुनिक चिकित्सा उपकरण, ऑनलाइन परामर्श, डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निदान प्रणालियाँ रोगों की पहचान और उपचार को अधिक प्रभावी बना रही हैं। इससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव

प्रौद्योगिकी के दीर्घकालिक प्रभावों में सबसे पहला प्रभाव आर्थिक विकास को गति देना है। नई तकनीकों से उत्पादन क्षमता बढ़ती है, उद्योगों का विकास होता है और रोज़गार के नए अवसर पैदा होते हैं। तकनीकी नवाचार समाज को अधिक उन्नत और प्रतिस्पर्धी बनाते हैं। दूसरा महत्वपूर्ण प्रभाव जीवन स्तर में सुधार है। तकनीक के कारण लोगों को बेहतर सुविधाएँ, तेज़ सेवाएँ और अधिक जानकारी उपलब्ध होती है। स्मार्ट उपकरणों और स्वचालन ने दैनिक कार्यों को आसान बना दिया है, जिससे समय और श्रम की बचत होती है।

दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभाव

प्रौद्योगिकी के कुछ नकारात्मक प्रभाव भी हैं। स्वचालन के बढ़ते उपयोग से कुछ पारंपरिक नौकरियाँ समाप्त हो सकती हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया पर अत्यधिक निर्भरता मानसिक स्वास्थ्य, गोपनीयता और सामाजिक संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। साइबर अपराध और डेटा चोरी जैसी समस्याएँ भी तकनीक के साथ बढ़ी हैं।

पर्यावरण पर प्रभाव

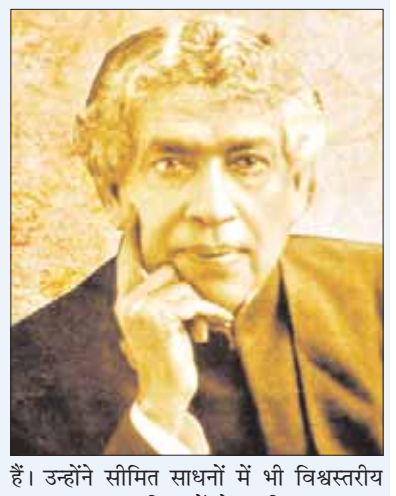
प्रौद्योगिकी का पर्यावरण पर मिश्रित प्रभाव पड़ता है। एक ओर हरित तकनीक प्रदूषण कम करने में मदद करती है, वहीं दूसरी ओर इलेक्ट्रॉनिक कचरे की बढ़ती मात्रा पर्यावरण के लिए चुनौती बन रही है। इसलिए तकनीक का ज़िम्मेदारीपूर्वक उपयोग आवश्यक है।



सुरभि सिंह फौजदार

टीचर
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, गोविंदगंज, दमोहनाका, जबलपुर।

जगदीश चंद्र बोस, पौधों में जीवन खोजने वाले वैज्ञानिक



भारत की धरती ने अनेक महान वैज्ञानिकों को जन्म दिया है, जिनमें जगदीश चंद्र बोस का नाम सम्मान से लिया जाता है। वे भौतिकी, जीव विज्ञान और वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में अपने मौलिक शोध के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने सीमित साधनों में भी विश्वस्तरीय अनुसंधान करके भारत का नाम दुनिया में रोशन किया।

जीवन परिचय

जगदीश चंद्र बोस का जन्म 30 नवंबर 1858 को मैमनसिंह (अब बांग्लादेश) में हुआ था। उनके पिता भगवान चंद्र बोस एक सरकारी अधिकारी थे और बच्चों में अपनी भाषा और संस्कृति के प्रति प्रेम जगाना चाहते थे। प्रारंभिक शिक्षा के बाद बोस ने कलकत्ता (कोलकाता) से पढ़ाई की और फिर इंग्लैंड जाकर कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय तथा लंदन विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की। भारत लौटकर वे कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज में भौतिकी के प्राध्यापक बने।

प्रमुख योगदान

रेडियो और सूक्ष्म तरंगों पर शोध- बोस ने विद्युत चुंबकीय तरंगों पर महत्वपूर्ण कार्य किया। 1895 के आसपास कलकत्ता में उन्होंने बिना तार के संकेत भेजने का सार्वजनिक प्रदर्शन किया। उन्होंने सूक्ष्म तरंगों (माइक्रोवेव) को उत्पन्न और ग्रहण करने वाले यंत्र बनाए। इन कार्यों को आधुनिक संचार तकनीक की नींव से जोड़ा जाता है।

पौधों में जीवन और संवेदना

बोस ने प्रयोगों से सिद्ध किया कि पौधे भी बाहरी उद्दीपनों (प्रकाश, ताप, स्पर्श आदि) पर प्रतिक्रिया करते हैं। उन्होंने बताया कि पौधों और जंतुओं की प्रतिक्रियाओं में समानता है।

क्रेस्कोग्राफ़का आविष्कार

उन्होंने क्रेस्कोग्राफ नामक यंत्र बनाया, जो पौधों की वृद्धि और उनकी सूक्ष्म गतिविधियों को बहुत अधिक आवर्धन के साथ मापता है।

बोस इंस्टीट्यूट

1917 में उन्होंने कलकत्ता में बोस इंस्टीट्यूट की स्थापना की, जो एशिया के पहले बहुविषयक अनुसंधान संस्थानों में गिना जाता है। यह आज भी वैज्ञानिक शोध का महत्वपूर्ण केंद्र है।

सम्मान और व्यक्तित्व

बोस को 1917 में नाइट् की उपाधि मिली और 1920 में वे रॉयल सोसाइटी (लंदन) के फ़े लो चुने गए। उन्होंने अपने आविष्कारों का व्यक्तिगत लाभ के लिए पेटेंट कराने में अधिक रुचि नहीं ली और ज्ञान को सबके लिए उपयोगी माना। उन्होंने बांग्ला भाषा में विज्ञान कथाएँ भी लिखीं। 23 नवंबर 1937 को उनका निधन हुआ।

जगदीश चंद्र बोस का जीवन हमें सिखाता है कि लगन, जिज्ञासा और परिश्रम से बड़ी से बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। वे आज भी विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों के लिए प्रेरणा-स्रोत हैं।

हार नहीं मानते वैज्ञानिक, आशावादी सोच की प्रेरणा

अपनी असफलताओं, विपत्तियों और तकलीफों के लिए लोग अक्सर भाग्य को कोसते रहते हैं। गरीबी में फंसा व्यक्ति इसे भाग्य का फ़ैसला मानता है। प्रतियोगी परीक्षा में असफल होने वाला विद्यार्थी भी भाग्य को दोष देता है। व्यापार में घाटा हो तो भी भाग्य को ज़िम्मेदार ठहराया जाता है। लेकिन गहराई से देखें तो भाग्य एक काल्पनिक पात्र है, जिस पर सारे दोष मढ़कर लोग अपनी ज़िम्मेदारी से बच जाते हैं।

आत्म-निरीक्षण की आवश्यकता

जब भी हमें कोई हानि हो, सबसे पहले अपने भीतर झाँककर देखना चाहिए कि कहीं हममें ही कोई कमी तो नहीं। स्वयं को बदकिस्मत कहकर या दूसरों पर दोष लगाकर संतुष्ट हो जाना समाधान नहीं है। सच्चाई का सामना करने से ही हम अपनी त्रुटियाँ सुधारना सीखते हैं।

परीक्षा और आशावादी दृष्टिकोण

परीक्षा के समय आशावादी सोच विद्यार्थी की सबसे बड़ी शक्ति होती है। जो विद्यार्थी सोचता है कि ष्मैं कर सकता हूँष्, वह नियमित अध्ययन, पुनरावृत्ति और अभ्यास से तैयारी करता है। यदि किसी परीक्षा में कम अंक आएँ, तो निराश होने के बजाय उसे अपनी कमज़ोरियाँ पहचानने का अवसर मानना चाहिए। परिश्रम, योजना और आत्मविश्वास ही सफलता की असली कुंजी हैं।

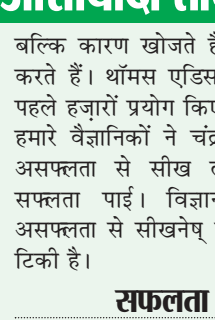
विज्ञान से सीख

विज्ञान हमें आशावादी और प्रयोगधर्मी बनना सिखाता है। वैज्ञानिक किसी प्रयोग के असफल होने पर भाग्य को दोष नहीं देते, बल्कि कारण खोजते हैं और दोबारा प्रयास करते हैं। थॉमस एडिसन ने बल्ब बनाने से पहले हज़ारों प्रयोग किए, पर हार नहीं मानी। हमारे वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-2 की आंशिक असफलता से सीख लेकर चंद्रयान-3 में सफलता पाई। विज्ञान की पूरी प्रगति असफलता से सीखनेष् के इसी दृष्टिकोण पर टिकी है।

सफलता के तत्व

विजय का संकल्प, पराजय न स्वीकारने का निश्चय और आत्मविश्वास से भरा साहस, यही वे तत्व हैं जिनसे सफलता जन्म लेती है। इन्हीं गुणों से निर्भीकता और तेजस्विता आती है, जो बड़ी से बड़ी विपत्ति को भी पराजित कर देती है। मनुष्य केवल सपने नहीं देखता, उन्हें साकार करना भी जानता है।

आशावादी दृष्टिकोण अपनाने से किसी भी कष्ट का सामना करना सहज हो जाता है। आशावादी व्यक्ति अंधेरे में भी प्रकाश की किरणें देख लेता है। इसलिए भाग्य के भरोसे बैठने के बजाय परिश्रम, विज्ञान-सम्मत सोच और सकारात्मक दृष्टि अपनाइए, सफ लता अवश्य मिलेगी।



ज्योति डोलानी

टीचर
हितकारिणी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, बीटी तिराहा, गढ़ा, जबलपुर।

क्या विश्वास बन जाएगा इलाज? प्लेसीबो इफेक्ट का रहस्य

स्वास्थ्य और बीमारी को हम अक्सर दवाइयों और चिकित्सकीय उपचार से जोड़कर देखते हैं। लेकिन क्या केवल यह विश्वास कि हमें कोई प्रभावी उपचार मिल रहा है, हमारी तबीयत पर असर डाल सकता है? चिकित्सा विज्ञान में इस दिलचस्प घटना को प्लेसीबो इफ़ेक्ट कहा जाता है। यह मन और शरीर के बीच मौजूद जटिल संबंध को समझने का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।



प्लेसीबो क्या है?

प्लेसीबो ऐसी दवा, उपचार या प्रक्रिया को कहा जाता है जिसमें बीमारी का इलाज करने वाला कोई सक्रिय औषधीय तत्व नहीं होता। उदाहरण के लिए, किसी चिकित्सकीय शोध में मरीज़ों के एक समूह को वास्तविक दवा और दूसरे समूह को वैसी ही दिखने वाली निष्क्रिय गोली दी जा सकती है। यदि निष्क्रिय गोली लेने वाले व्यक्ति को भी अपने कुछ लक्षणों में सुधार महसूस होता है, तो इसे प्लेसीबो इफ़ेक्ट कहते हैं।

विश्वास और उम्मीद की भूमिका

इस प्रभाव में व्यक्ति की उम्मीद, विश्वास और उपचार को लेकर सकारात्मक धारणा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब किसी को भरोसा होता है कि मिलने वाला उपचार लाभकारी है, तो उसका मस्तिष्क उस अपेक्षा के अनुसार शरीर में कुछ प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न कर सकता है। विशेष रूप से दर्द, तनाव, थकान और कुछ अन्य लक्षणों की अनुभूति में बदलाव देखा जा सकता है। हालाँकि इसका अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति बीमारी का नाटक कर रहा है। उसे महसूस होने वाला सुधार वास्तविक हो सकता है, भले ही उसके पीछे कोई सक्रिय दवा न हो।

मस्तिष्क की भूमिका

प्लेसीबो इफेक्ट को समझने में मस्तिष्क की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। हमारी उम्मीदें शरीर के अनुभव को प्रभावित कर सकती हैं। यदि किसी व्यक्ति को विश्वास हो कि कोई उपचार उसके दर्द को कम करेगा, तो दर्द की उसकी अनुभूति बदल सकती है। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया है कि उम्मीद और संदर्भ से जुड़ी प्रक्रियाएँ शरीर में दर्द और तनाव से संबंधित क्रियाओं को प्रभावित कर सकती हैं।

चिकित्सा अनुसंधान में महत्व

चिकित्सा अनुसंधान में प्लेसीबो का विशेष महत्व है। नई दवाओं की प्रभावशीलता जाँचने के लिए नैदानिक परीक्षणों में कई बार वास्तविक दवा की तुलना प्लेसीबो से की जाती है। इससे वैज्ञानिक यह पता लगाते हैं कि किसी दवा से मिलने वाला लाभ वास्तव में उसके सक्रिय घटकों के कारण है या उसमें अन्य कारकों की भी भूमिका है। इस तरह प्लेसीबो वैज्ञानिक शोध को अधिक विश्वसनीय बनाने में मदद करता है।

सीमाएँ

प्लेसीबो इफेक्ट की कुछ सीमाएँ भी हैं। यह हर बीमारी या हर व्यक्ति पर समान रूप से काम नहीं करता। किसी गंभीर संक्रमण, कैंसर या अन्य गंभीर बीमारी का इलाज केवल विश्वास या प्लेसीबो के भरोसे छोड़ना उचित नहीं है। ऐसी परिस्थितियों में प्रमाणित चिकित्सकीय उपचार और डॉक्टर की सलाह आवश्यक है।

डॉक्टर और मरीज़ का संबंध

मरीज़ और डॉक्टर के बीच विश्वास और सम्मानपूर्ण व्यवहार भी उपचार के अनुभव को प्रभावित कर सकता है। यदि मरीज़ को अपनी बीमारी, उपचार और संभावित परामर्श की सही जानकारी दी जाए और उसके साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए, तो वह उपचार की प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझ और स्वीकार कर सकता है।



संगीता पवार

टीचर
केसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, जोंसगंज, जबलपुर।

धागे वाला फोन, ध्वनि का ठोस माध्यम में संचरण

विज्ञान के प्रयोग



इस प्रयोग का उद्देश्य यह प्रदर्शित करना है कि ध्वनि को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने के लिए माध्यम की आवश्यकता होती है। धागे से जुड़े दो डिब्बों की सहायता से हम देखेंगे कि ध्वनि कंपन के रूप में ठोस माध्यम (धागे) में होकर यात्रा करती है और दूर बैठे व्यक्ति तक स्पष्ट सुनाई देती है।

आवश्यक सामग्री

- दो खाली डिब्बे या प्लास्टिक/कागज़ के गिलास।
- लगभग 5 से 10 मीटर लंबा मज़बूत धागा या पतली डोरी।
- कील या सुई (डिब्बे के तल में छेद करने के लिए)।
- दो माचिस की तीलियाँ या छोटे बटन (गांठ रोकने के लिए)।

विधि

दोनों डिब्बों के तल के बीचोंबीच कील से एक छोटा छेद कीजिए। यह काम बड़ों की सहायता से कीजिए। अब धागे का एक सिरा एक डिब्बे के छेद से अंदर डालिए और तीली या बटन में गाँठ बाँध दीजिए, ताकि धागा बाहर न निकले। इसी प्रकार दूसरे सिरे को दूसरे डिब्बे में बाँधिए। दो छात्र डिब्बे लेकर इतनी दूर खड़े हों कि धागा पूरी तरह तना रहे। एक छात्र डिब्बे में धीरे बोले और दूसरा अपने डिब्बे को कान से लगाकर सुने।

सिद्धांत

बोलने पर डिब्बे का तल कंपन करता है। ये कंपन तने हुए धागे के ज़रिए दूसरे डिब्बे तक पहुँचते हैं और उसके तल को कंपित कर देते हैं, जिससे हमें ध्वनि सुनाई देती है। ध्वनि को चलने के लिए माध्यम चाहिए। ठोस पदार्थों में ध्वनि द्रव और गैस की तुलना में तेज़ चलती है।

सावधानियाँ

- धागा हमेशा तना हुआ रखें।
- धागे को किसी वस्तु से टकराने या छूने न दें।
- कील से छेद करते समय हाथ का ध्यान रखें।
- मज़बूत और पतला धागा चुनें।
- तेज़ चिल्लाने के बजाय सामान्य स्वर में बोलें।

शब्द पहेली - 9025

1		■	2	■	3	■	4	5
	■	6		■	7	8	■	
9	10		■	11	■	12	13	
■		■	14		15	■		■
16				■	17			
■		■	18	19		■		■
20		21	■		■	22		23
	■	24	25	■	26		■	
27		■		■		■	28	

बाएँ से दाएँ

1. निशा, रात (उर्दू-2)
4. ताला (अंग्रेजी-2)
6. दुलारा, लाडला-2
7. बढ़ावा, समर्थन-2
9. निवास, घर, नीड़-3
12. कमी-3
14. पनाह, आश्रय-3
16. अंगूठे से तीसरी अंगुली, सावित्री-4
17. सज्जनता, सभ्यता-4
18. गिरवी रखी वस्तु-3
20. एक राशि-3
22. दबाव (अंग्रेजी-3)
24. कुल, मुनाफा-2
26. उम्मीद, आशा-2
27. मादा का विलोम-2
28. आगमन-2

ऊपर से नीचे

1. मदिरा, मय-3
2. ऐश्वर्या व अक्षय खन्ना की फिल्म-2
3. सम्मान, प्रसिद्धि-2
5. डोली उठाने वाले-3
6. वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम के कप्तान-2
8. अधिकार-2
10. सेनापति, कप्तान-2,3
11. पति की मां-2
13. आत्मबलिदानी -5
14. कद काठी-3
15. रसद, किराणा-3
19. प्रत्येक-2
20. मैला, अस्वच्छ-3
21. मिट्टी, धूल-2
22. छापाखाना-2
23. जिव्हा, जीभ-3
25. सम्मान-2
26. फलों का राजा-2

शब्द पहेली -9024 का हल

■	ल	गा	म	■	प	ता	का	■
द	क्ष	■	ही	■	ह	■	ल	ता
रो	■	■	न	का	र	ना	■	क
गा	य	ब	■	न	■	ला	न	त
■	■	ल	ब	■	रा	य	■	■
आ	स	रा	■	ना	■	क	या	स
ई	■	म	हा	व	र	■	■	ह
ना	क	■	जि	■	सी	■	रा	ज
■	ल	की	र	■	ला	ग	त	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

निरीक्षण के दौरान मेडलेपार एमएलसी एवं एचआईएमएस रिपोर्टिंग में मिली लापरवाही

लापरवाही बरतने वाले डॉक्टरों का तीन दिवस का वेतन काटने के दिए निर्देश

नरसिंहपुर,स्वतंत्रमत।



मेडलेपार पोर्टल पर एमएलसी प्रकरणों की प्रविष्टि एवं एचआईएमएस रिपोर्टिंग में लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा ने संबंधित डॉक्टरों के तीन दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। भ्रमण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिश्रा एवं थाना प्रभारी गाडरवारा द्वारा संबंधित चिकित्सकीय टीम को संयुक्त रूप से मेडलेपार पोर्टल पर एमएलसी प्रकरणों की ऑनलाइन प्रविष्टि एवं रिपोर्टिंग के संबंध में पुन: प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान पोर्टल पर सही एवं समयबद्ध जानकारी दर्ज करने, रिपोर्टिंग की प्रक्रिया तथा आने वाली तकनीकी समस्याओं के निराकरण को लेकर आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर मेडलेपार एमएलसी रिपोर्टिंग के लिए एक आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जा रहा है। इसके माध्यम से संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि पोर्टल पर प्रविष्टि अथवा रिपोर्टिंग के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या आने पर तत्काल आधिकारिक ग्रुप में जानकारी साझा करें, ताकि समस्या का त्वरित निराकरण किया जा सके और रिपोर्टिंग का कार्य प्रभावित न हो। थाना प्रभारी गाडरवारा ने बताया कि एमएलसी के प्रकरणों का सीसीटीएनएस नंबर के माध्यम से सत्यापन किया जाएगा तथा डुप्लीकेट प्रकरणों को चिन्हित कर हटाने की कार्रवाई की जाएगी, जिससे पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग के रिकॉर्ड में एकरूपता और शुद्धता बनी रहे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिश्रा ने निर्देश देते हुए कहा कि प्रशिक्षण एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के बाद भी यदि मेडलेपार एमएलसी एवं एचआईएमएस रिपोर्टिंग में लापरवाही या अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासकीय कार्यों में समयबद्धता, जवाबदेही एवं सही रिपोर्टिंग सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने कलेक्ट्रेट (नरसिंह भवन) परिसर को शांत क्षेत्र घोषित किया

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने कार्यालय कलेक्टर नरसिंहपुर (नरसिंह भवन) के संपूर्ण परिसर को शांत क्षेत्र घोषित करने का आदेश जारी किया है। साथ ही जनसामान्य के हित/ जानमाल की सुरक्षा एवं लोक शांति बनाए रखने के लिए नरसिंहपुर जिले की राजस्व सीमा में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के प्रावधानों के तहत जारी किया है। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 एवं अन्य युक्तियुक्त प्रावधानों के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। जारी आदेश के मुताबिक कोई भी व्यक्ति, राजनैतिक दल, संस्था आदि किसी भी प्रकार का धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली एवं कार्यक्रम के आयोजन के पूर्व उसकी लिखित सूचना संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी को अनिवार्य रुप से देकर लिखित अनुमति प्राप्त करनी होगी। सूचना में धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली, कार्यक्रम का रुट, स्थल एवं उसमें सम्मिलित होने वाले व्यक्तियों/ वाहनों की अनुमानित संख्या का उल्लेख अनिवार्य रुप से किया जाएगा, ताकि तदनुसार आवश्यक पुलिस व्यवस्था की जा सके। अनुविभागीय दण्डाधिकारी द्वारा जारी अनुमति में उपरोक्त तथ्यों का स्पष्ट रुप से समावेश किया जाएगा। धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली, ज्ञापन एवं कार्यक्रम के दौरान डीजे जैसे तेज ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग नहीं किया जाएगा। केवल लाउड स्पीकर का उपयोग किया जा सकेगा। यदि कोई संगठन किसी मुद्दे पर ज्ञाप प्रस्तुत करना चाहता है, तो इसकी पूर्व अनुमति के उपरांत ही संगठन के 5 व्यक्ति कलेक्ट्रेट परिसर गेट नंबर 2 (राम मंदिर के सामने) निर्धारित स्थान पर प्रवेश कर अधिकारी को ज्ञापन सौपेगें। ज्ञापन प्राप्त करने वाले अधिकारी के कार्यालय परिसर या उससे आसपास नारेबाजी नहीं की जाएगी एवं लाउड स्पीकर का उपयोग भी प्रतिबंधित रहेगा। धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली एवं कार्यक्रम के आयोजन के दौरान यदि किसी प्रकार की हिंसात्मक घटनाएं या कानून व्यवस्था भंग होने की घटना होती है, उसके लिए संबंधित व्यक्ति/ व्यक्तियों के साथ आयोजनकर्त्ता भी जिम्मेदार होगा। उल्लेखनीय है कि जिले के विभिन्न संगठनों द्वारा बिना सूचना के ज्ञापन देने के लिए जुलूस के साथ कार्यालय परिसर में उपस्थित होने का कृत्य किया जाता है। साथ ही यह भी देखा गया है कि कुछ व्यक्ति व समूह अनाधिकृत रुप से कार्यालय में प्रवेश करते हैं, जिससे शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न व शांति भंग होने की संभावना बनी रहती है। साथ ही कुछ धरना, प्रदर्शन, जुलूस रैली एवं कार्यक्रम राजनैतिक पार्टी/ संगठनों द्वारा अनुमति लिये बिना आयोजित किए जाते है, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है एवं कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित होने की संभावना रहती है। जिला प्रशासन को ऐसे आयोजन की जानकारी न होने के कारण अनेक बार गंभीर स्थितियां निर्मित हो जाती हैं। जिला प्रशासन को कानून व्यवस्था बनाए रखने में कठिनाई होती है, निकट भविष्य में महत्वपूर्ण त्यौहार हैं।



दीपावली पर्व पर प्रशासन की तैयारियां हुई तेज

शनि मंदिर के पास लगेगा फटाका बाजार

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। दीपावली पर्व को लेकर प्रशासन की तैयारियां तेज हो गई हैं। इस वर्ष विवेकानंद वार्ड स्थित शनि मंदिर मार्ग पर एनटीपीसी ऑडिटोरियम के सामने प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थान पर भव्य फटाका बाजार लगने जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस वर्ष फटाका बाजार में लगभग 120 फटाका दुकानें लगाई जाएंगी। सभी फटाका दुकानदारों ने आपसी सामंजस्य बनाते हुए टोकन प्रणाली के माध्यम से दुकानों का आवंटन किया है, जिससे किसी प्रकार का विवाद न हो।

प्रशासन द्वारा फटाका बाजार के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। जल्द ही प्रशासनिक मापदंडों के अनुसार क्रमबद्ध तरीके से फटाका बाजार सजा हुआ नजर आएगा । फटाका बाजार में किसी भी प्रकार की अनहोनी से बचने के लिए प्रशासन ने सुरक्षा के विशेष निर्देश दिए हैं। प्रत्येक दुकान में अग्निशमन यंत्र एवं रेत से भरी बाल्टियां रखना अनिवार्य होगा, दुकानों के बीच पर्याप्त दूरी रखी जाएगी। फटाका बाजार परिसर में बीड़ी-सिगरेट एवं किसी भी प्रकार के ज्वलनशील पदार्थ का उपयोग पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा, विद्युत विभाग द्वारा अस्थाई कनेक्शन सुरक्षित तरीके से दिए जाएंगे, बाजार में सुरक्षा के लिए पुलिस बल एवं नगर पालिका कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। इसके साथ ही आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वाहन पार्किंग के लिए भी बेहतर इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि बाजार में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

माफियाराज के खिलाफ कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

भाजपा नेताओं के संरक्षण में फल-फूल रहे अवैध कारोबार, कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

नरसिंहपुर,स्वतंत्रमत।



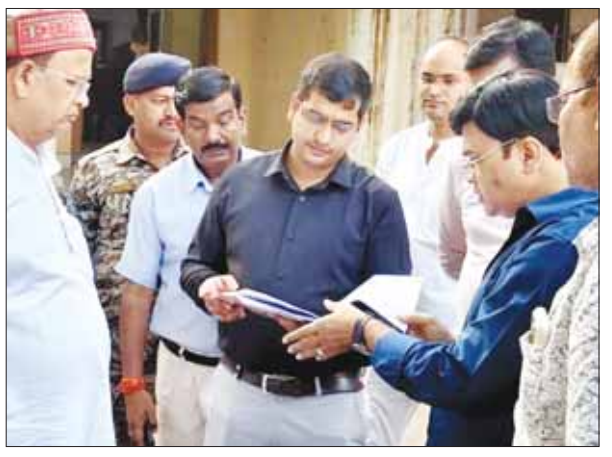
मध्यप्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था और माफियाराज के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में भाजपा नेताओं के संरक्षण में अवैध कारोबार संचालित हो रहे हैं और माफिया सरकार को नियंत्रित कर रहे हैं। इस दौरान कांग्रेसजनों ने मानव श्रृंखला बनाकर प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की तथा खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी गोस्वामी की हत्या के आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की।विरोध प्रदर्शन के अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने कहा कि नरसिंहपुर जिले सहित पूरे मध्यप्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ रही है भाजपा नेताओं के संरक्षण में अवैध गतिविधियां संचालित हो रही हैं और माफिया सरकार पर हावी होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में हुई अनेक घटनाओं के साथ हाल ही में खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी गोस्वामी की शराब माफिया द्वारा ट्रक से कुचलकर की गई निर्मम हत्या प्रदेश में बढ़ते माफियाराज और बदहाल कानून व्यवस्था का प्रमाण है। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष पंडित मैथिलीशरण तिवारी ने कहा कि अपराधियों ने शासन-प्रशासन पर कब्जा कर रखा है। यही कारण है कि अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों को कानून का कोई भय नहीं रह गया है। पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष लाखन सिंह पटेल ने आरोप लगाया कि पूरे प्रदेश के साथ नरसिंहपुर जिले में भी भाजपा नेताओं और मंत्रियों के संरक्षण में अवैध कारोबार फल-फूल रहे हैं। रेत माफिया अपनी मनमर्जी चला रहा है। डॉ. संजीव चांदोकर एवं वरिष्ठ नेता विभाष जैन सहित अन्य नेताओं ने भी प्रदेश में भ्रष्टाचार के बोलबाले और पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की। इस अवसर पर पूर्व विधायक सुनील जायसवाल, प्रदेश पदाधिकारी मनीष राय, शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनीष साहू, ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष धनीराम पटेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष रूद्रेश तिवारी ने किया।

मानव श्रृंखला बनाकर जताया विरोध....

प्रदेश में माफियाराज के खिलाफ कांग्रेसजनों ने सुभाष पार्क गेट से इंदिरा चौक तक मानव श्रृंखला बनाई। इंदिरा चौक पर एकत्रित होकर प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। इस दौरान खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी गोस्वामी की हत्या के आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की गई तथा दिवंगत थाना प्रभारी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

स्वर्णकार समाज ने स्वर्ण बोर्ड के गठन और 27 आरक्षण समेत 7 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सतना स्वतंत्रमत।



स्वजातीय स्वर्णकार समाज समिति नागौद जिला सतना के बैनर तले समाज के उत्थान और विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु एक महत्वपूर्ण ज्ञापन मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन ; के नाम अनुविभागीय दण्डाधिकारी ;एसडीएम नागौद को सौंपा गया। विगत 26 अक्टूबर को सार्थक पैलेस नागौद में आराध्य आदिदेव महाराज अजमीढ़ जयंती एवं स्वर्णकार गूंज समारोह का भव्य आयोजन किया गया था जिसमें समाज के हजारों सदस्यों ने हिस्सा लिया था। इसी सम्मेलन में सर्वसम्मति से निर्णय लेकर समाज की प्रमुख समस्याओं और मांगों का यह ज्ञापन तैयार किया गया।

समाज की प्रमुख मांगें- स्वर्ण बोर्ड का गठन मध्य प्रदेश में श्स्वर्ण बोर्डश् का गठन किया जाए जिसमें कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त एक अध्यक्ष और प्रत्येक विभाग में एक.एक सदस्य की नियुक्ति हो ताकि समाज के हितों का संरक्षण हो सके। 27: आरक्षण लागू करनारू केंद्र के समान मध्य प्रदेश में भी अन्य पिछड़ा वर्ग ;ओ.बी.सी. को 27: आरक्षण लागू किया जाए।

क्रीमीलेयर से बाहर रखनारू प्रधानमंत्री द्वारा सोना न खरीदने की अपील से प्रभावित हुए ज्वेलरी व्यापार को देखते हुए स्वर्णकार समाज को अनुसूचित जाति व जनजाति की तरह क्रीमीलेयर से बाहर रखा जाए ताकि विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और शासकीय सेवाओं में आरक्षण का लाभ मिल सके। पुलिस कार्रवाई में सुरक्षा भारतीय न्याय संहिता की धारा 411 ;वर्तमान 317के तहत केवल बात करने मात्र से व्यापारियों के साथ अपराधी जैसा बर्ताव न किया जाए तथा पुलिस व्यापारियों के सम्मान को ध्यान में रखकर कार्रवाई करे। एकसमान मेकिंग चार्ज पूरे प्रदेश में सोने.चांदी की हॉलमार्क ज्वेलरी पर मेकिंग चार्ज हर जगह एक समान निर्धारित करने हेतु आदेश प्रसारित किए जाएं। लाइसेंस प्रक्रिया का सरलीकरण ज्वेलरी व्यापारियों को गहन साहूकारी रखने का लाइसेंस व जान.माल की सुरक्षा हेतु गन लाइसेंस की प्रक्रिया को सरलीकृत किया जाए।

राजनीतिक भागीदारीरू स्वर्णकार समाज के लोगों को भी राजनीतिक भागीदारी व नेतृत्व के पर्याप्त अवसर प्रदान किए जाएं। इस अवसर पर स्वजातीय स्वर्णकार समाज समिति नागौद के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाज के बंधु उपस्थित रहे।

श्री शिवधाम डमरू घाटी न्यास की दान पेटी की हुई गणना

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री शिवधाम डमरू घाटी न्यास की दान पेटी न्यास के पदाधिकारियों की विशेष उपस्थिति में खोली गई। मंदिर परिसर में विधिवत रूप से दान पेटी खोलकर राशि की गणना की गई। गणना के दौरान दान पेटी से कुल 1 लाख 40 हजार 899 रुपये की राशि निकली। इस अवसर पर न्यास के अध्यक्ष हंसराज मालपानी, कोषाध्यक्ष जिनेश जैन, गोपाल मालपानी, कन्हैया यादव, श्याम राठी सहित अन्य सहयोगी सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सभी सदस्यों की उपस्थिति में पूरी राशि की पारदर्शिता के साथ गिनती की गई। गणना कार्य में



सभी ने अपना सहयोग प्रदान किया।

न्यास के पदाधिकारियों ने बताया कि भक्तों द्वारा दान की गई यह राशि मंदिर के विकास कार्यों, धार्मिक आयोजनों एवं व्यवस्थाओं के सुधार में उपयोग की जाएगी। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भक्तों की आस्था और सहयोग से ही श्री शिवधाम डमरू घाटी का निरंतर विकास हो रहा है।

सतना में बिना नंबर के दौड़ रहे दर्जनों वाहन, हादसे और अपराध का बढ़ता खतरा

सतना स्वतंत्रमत।









सतना शहर की सड़कों पर इन दिनों बिना नंबर प्लेट के दर्जनों वाहन बेखौफ दौड़ रहे हैं। दोपहिया से लेकर चारपहिया तक कई वाहनों पर आगे.पीछे कहीं भी नंबर नहीं लिखा है। कुछ वाहनों पर सिर्फ जातिसूचक शब्द नेताओं के नाम या फिर फैंसी नंबर की जगह दबंगई भरे स्टीकर लगे हुए हैं। स्थिति यह है कि ट्रैफिक पुलिस के सामने से भी ऐसे वाहन निकल जाते हैं लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती। इससे जहां सड़क हादसों के बाद वाहन की पहचान करना मुश्किल हो जाता है वहीं अपराधियों के लिए भी यह एक सुरक्षित कवच बन गया है।शहर के व्यस्त इलाकों जैसे सिविल लाइन सेमरिया चौक बस स्टैंड स्टेशन रोड धवारी कोलगवां और बिरला रोड पर सुबह.शाम बिना नंबर के वाहन आसानी से देखे जा सकते हैं। युवा वर्ग में बिना नंबर की बाइक चलाना जैसे स्टेटस सिंबल बन गया है। कई बाइक चालक नंबर प्लेट की जगह स्टंट राइडर, बदमाश ठाकुर, पंडित, जैसे शब्द लिखवाकर घूमते हैं। कई चारपहिया वाहनों के शीशों पर भी काली फिल्म लगी है और नंबर प्लेट गायब है।

हादसे के बाद पहचान मुश्किल

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार पिछले 2 महीनों में शहर में 40 से अधिक सड़क हादसे हुए, जिनमें से 12 हादसों में वाहन चालक मौके से फरार हो गए। इनमें से अधिकतर वाहनों के नंबर का पता नहीं चल पाया क्योंकि उन पर नंबर प्लेट ही नहीं थी। पीड़ित परिवारों को न तो मुआवजा मिला और न ही न्याय। ट्रैफिक नियमों के अनुसार हर वाहन पर आगे और पीछे स्पष्ट रूप से नंबर प्लेट होना अनिवार्य है। बिना नंबर के वाहन चलाना मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 50 के तहत दंडनीय अपराध है जिसमें 5000 रुपये तक का जुर्माना और वाहन जब्त करने का प्रावधान है। लेकिन सतना में यह नियम सिर्फ कागजों में ही सिमट कर रह गया है।

अपराधियों के लिए आसान रास्ता

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों का मानना है कि बिना नंबर के वाहन अपराधियों के लिए सबसे आसान हथियार हैं। चेन स्नैचिंग चोरी लूट और महिलाओं से छेड़छाड़ जैसी घटनाओं में अक्सर बिना नंबर की बाइकों का ही इस्तेमाल होता है। सीसीटीवी फुटेज में भी ऐसे वाहनों की पहचान नहीं हो पाती, जिससे पुलिस की जांच अटक जाती है।

शहर के नागरिकों का कहना है कि पुलिस की चेकिंग सिर्फ हेलमेट और कागजों तक सीमित रह गई है। कभी.कभी चौराहों पर 10.15 मिनट की चेकिंग दिखाकर फोटो खिंचवा ली जाती है लेकिन उसके बाद फिर वही लापरवाही।

क्या कहती है जनता

बस स्टैंड के पास दुकान चलाने वाले सुरेश गुप्ता ने बताया कि रोजाना दर्जनों बिना नंबर की बाइक उनकी दुकान के सामने से तेज रफ्तार में गुजरती हैं। कई बार हादसा होते.होते बचा है। स्कूल जाने वाले बच्चों के अभिभावकों में भी इसको लेकर डर है। एक अभिभावक ने कहा कि बिना नंबर के वाहन चलाने वालों में अधिकतर नाबालिग लड़के हैं जो बिना लाइसेंस के भी बाइक चला रहे हैं।

पुलिस को क्या करना चाहिए

जनता की मांग है कि पुलिस को बिना नंबर वाले वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाना चाहिए। शहर के सभी प्रमुख चौराहों पर नियमित चेकिंग हो बिना नंबर के वाहनों को तत्काल जब्त किया जाए और चालकों पर भारी जुर्माना लगाया जाए। साथ ही शोरूम से वाहन खरीदते समय ही नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य किया जाए और डीलरों की भी जवाबदेही तय हो। यदि पुलिस ने समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की तो बिना नंबर के वाहनों की संख्या और बढ़ेगी, जिससे हादसे और अपराध दोनों में इजाफा होगा। अब देखना यह है कि पुलिस विभाग इस गंभीर समस्या को लेकर कब जागता है और कब शहर की सड़कों को बिना नंबर वाले बेखौफ वाहनों से मुक्त कराता है।

अवैध शराब पर प्रकरण दर्ज

मण्डला (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी सतीश कश्यप के मार्गदर्शन में 3 नवंबर को आबकारी विभाग द्वारा शहर सहित कटरा बर्राटोला नैनपुर एवं बिछिया क्षेत्र में अवैध मदिरा निर्माण एवं विक्रय के विरुद्ध कार्यवाही की गई कार्यवाही के दौरान शहर के रामबाग स्थित नर्मदा कछार के किनारे अवैध मदिरा निर्माण के अड्डों पर दबिश दी गई। वहीं कटरा एवं बर्राटोला सहित नैनपुर एवं बिछिया क्षेत्र में अवैध मदिरा विक्रय के मामलों में कार्यवाही करते हुए कुल 8 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए।

जेल का किया निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष कमल जोशी ने जिला जेल का निरीक्षण किया। इस दौरान विधिक जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। निरीक्षण के दौरान श्री जोशी ने जेल मैनुअल के प्रावधानों के अनुरूप बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली।

महाकाली मंदिर का निर्माण

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। ब्लॉक मोहगांव में मां महाकाली के मंदिर निर्माण के लिए विधिवत भूमिपूजन एवं पूजन-अर्चन किया गया। पूजन के पश्चात मां महाकाली के भव्य मंदिर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, जिला पंचायत सदस्य शिव पूषाम, भाजपा मंडल मोहगांव महामंत्री अवधेश दुबे, संकुल प्राचार्य दीपक कछवाहा सहित मोहगांव क्षेत्र के अनेक माता भक्त एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विधिक जागरूकता कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार सुरक्षित बचपन अभियान के अंतर्गत बाल यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) 2012 के संबंध में विद्यालय आधारित विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष कमल जोशी के निर्देशन तथा जिला न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के सचिव हेमराज सनोडिया के मार्गदर्शन में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मंडला, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 एवं शासकीय रानी अवंती बाई विद्यालय में जागरूकता शिविर आयोजित किए गए।

जनविश्वास शिविर स्थगित

मण्डला(स्वतंत्र मत)। 6 नवंबर को नैनपुर में आयोजित किया जाने वाला जनविश्वास शिविर अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है। शिविर की आगामी तिथि के संबंध में पृथक से सूचना जारी की जाएगी।

कर चोरी की सूचना देने की अपील

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश शासन के राज्य कर विभाग द्वारा कर चोरी एवं वित्तीय अनियमितताओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से नागरिकों से सहयोग अपील की गई है। विभाग ने आम जनता व्यापारिक संगठनों और कर सलाहकारों को कर संबंधी गड़बड़ियों की जानकारी सीधे विभाग तक पहुंचाने के लिए एक विशेष डिजिटल मॉड्यूल शुरू किया है। कार्यालय सहायक आयुक्त राज्य कर वृत्त मंडला से प्राप्त जानकारी के अनुसार विभाग की वेबसाइट पर टैब सक्रिय किया गया है।

चुटका में विस्थापन को लेकर बवाल: तहसीलदार पर धमकाने का आरोप, टिकरिया थाने में ग्रामीणों ने दिया ज्ञापन

मण्डला (स्वतंत्रमत)





चुटका परमाणु परियोजना से प्रभावित आदिवासी परिवारों के विस्थापन का मामला अब टकराव की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। अपनी मांगों और अधिकारों को लेकर संघर्ष कर रहे ग्रामीणों ने तहसीलदार नारायणगंज, पटवारी और कुंडा ग्राम पंचायत के सरपंच मोतीलाल मार्को पर रात के समय घर-घर पहुंचकर धमकाने के आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों ने इस मामले में टिकरिया थाने में ज्ञापन सौंपकर संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध जांच और दंडात्मक कार्यवाही मांग की है। ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि चुटका परमाणु परियोजना से प्रभावित परिवार अपनी मांगों का निराकरण होने तक गांव छोड़कर नहीं जाएंगे। उनका आरोप है कि एक ओर ग्राम सभाओं द्वारा परियोजना को 26 बिंदुओं पर सशर्त मंजूरी दिए जाने की बात कही जा रही है वहीं दूसरी ओर उन शर्तों के पालन और समस्याओं के समाधान के बिना परिवारों पर पुनर्वास स्थल गोंझी जाने का दबाव बनाया जा रहा है। सवाल यह है कि जब प्रभावित परिवार अपनी लंबित मांगों के समाधान की मांग कर रहे हैं तो बातचीत और सहमति का रास्ता अपनाने के बजाय कथित धमकियों की नौबत क्यों आ रही है चुटका के ग्रामीणों द्वारा टिकरिया थाना प्रभारी को सौंपे गए ज्ञापन के अनुसार बीते 2 नवंबर की रात करीब नौ बजे तहसीलदार नारायणगंज पटवारी और कुंडा ग्राम पंचायत के सरपंच मोती लाल मार्को गांव में घर-घर पहुंचे। ग्रामीणों का आरोप है कि इस दौरान प्रभावित परिवारों से कहा गया कि अगले दिन किसी भी कीमत पर गांव खाली करके गोंझी पुनर्वास स्थल जाना होगा। कथित तौर पर यह भी कहा गया कि यदि ग्रामीण स्वयं गांव खाली नहीं करेंगे तो पुलिस बल पहुंचकर गांव खाली कराएगा। ज्ञापन में ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि धमकी देते समय महिलाओं और परिवारों के सम्मान को लेकर भी आपत्तिजनक बातें कही गईं। ऐसे में मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करना प्रशासन और पुलिस के लिए जरूरी है ग्रामीणों ने ज्ञापन में कहा है कि त्योहार के आसपास रात के समय घरों में पहुंचकर लोगों को कथित रूप से धमकाना और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना अशोभनीय है। उनका कहना है कि विस्थापन जैसी संवेदनशील प्रक्रिया में प्रशासन को संयम, संवेदनशीलता और कानूनी प्रक्रिया का पालन करना चाहिए। परिवारों को भयभीत करके पुनर्वास स्थल जाने के लिए बाध्य करने के आरोपों ने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है समिति का आरोप है कि इन शर्तों का आज तक समुचित पालन नहीं किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जब परियोजना को लेकर ग्राम सभाओं के स्तर पर शर्तें रखी गई थीं तो उनके पालन की स्थिति स्पष्ट किए बिना विस्थापन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर सवाल उठना स्वाभाविक है प्रभावित ग्रामीण शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से सरकार के सामने अपनी बात रख रहे हैं। इसके बावजूद उनकी समस्याओं का ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। संघर्ष समिति के अध्यक्ष ने कहा कि प्रभावित क्षेत्र अनुसूचित क्षेत्र के अंतर्गत आता है जहां पेसा कानून और उसके नियम लागू हैं। ऐसे में ग्रामीणों के साथ प्रशासनिक व्यवहार और ग्राम सभा से जुड़े अधिकारों के पालन पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किस शासकीय अधिकारी या वरिष्ठ स्तर के निर्देश पर रात के समय गांव पहुंचकर इस तरह की कार्यवाही की गई समिति ने मांग की है कि पूरे घटनाक्रम की जांच कराई जाए।

बता दें मंडला जिले में इस परियोजना को वर्ष 2009-2010 में सैद्धांतिक और संयुक्त रूप से मंजूरी दी गई थी। इसके बाद अप्रैल 2023 में केंद्र सरकार ने इसके निर्माण और परमाणु रिएक्टर स्थापित करने के लिए अंतिम वित्तीय व प्रशासनिक स्वीकृति दी। यह मध्य प्रदेश का पहला परमाणु बिजली संयंत्र है। यह परियोजना मध्य प्रदेश के मंडला जिले के चुटका गांव में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान और नर्मदा नदी (बरगी बांध के जलाशय) के किनारे प्रस्तावित है। इसकी कुल क्षमता 1,400 मेगावाट है जिसमें 700-700 मेगावाट के दो प्रेशराइज्ड हैवी वॉटर रिएक्टर शामिल हैं। भविष्य में इसे बढ़ाकर 2,800 मेगावाट करने का भी प्रस्ताव है। इसका निर्माण केंद्र सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा किया जा रहा है। इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 17,000 करोड़ से 21,000 करोड़ के बीच है। केंद्र और राज्य सरकार के समझौते के तहत इस प्लांट से बनने वाली कुल बिजली का 50 प्रतिशत हिस्सा सीधे मध्य प्रदेश को मिलेगा और शेष 50 प्रतिशत केंद्रीय पूल में जाएगा। परियोजना के लिए कुल 708 हेक्टेयर से अधिक भूमि (जिसमें निजी, सरकारी और वन भूमि शामिल है) को चिन्हित कर अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों के बाद वर्ष 2031 तक इस रिएक्टर को पूरी तरह स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

दीपोत्सव जड़ों की ओर अभियान



मण्डला (स्वतंत्रमत)। दीपावली के अवसर पर शक्तिनगर स्थित द ऑर्किड फन स्कूल द्वारा भारतीय संस्कृति और पारंपरिक त्योहारों के संरक्षण के उद्देश्य से दीपोत्सव जड़ों की ओर जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत विद्यालय के विद्यार्थियों ने भारतीय स्टेट बैंक पहुंचे और अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पारंपरिक तरीके से दीपावली मनाने का संदेश दिया अभियान के दौरान बच्चों ने मिट्टी के दीयों के महत्व को समझाते हुए लोगों से इस दीपावली पर पारंपरिक दीयों का उपयोग करने अपील की। उन्होंने स्थानीय कुम्हारों और मिट्टी के दीये बनाने वाले कारीगरों को प्रोत्साहित करने तथा अनावश्यक कृत्रिम सजावटी रोशनी का उपयोग कम करने का संदेश भी दिया। विद्यार्थी अपने हाथों में जागरूकता संबंधी पर्चे लेकर पहुंचे और लोगों को भारतीय परंपराओं के महत्व से अवगत कराया। मिट्टी के दीये जलाने से जहां हमारी सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा मिलता है वहीं स्थानीय कारीगरों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होते हैं विद्यालय के संचालक सौरभ तिवारी ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों को किताबी शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति सामाजिक जिम्मेदारी और अपनी जड़ों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवनशैली के बीच कहीं न कहीं हम अपनी पारंपरिक पहचान से दूर होते जा रहे हैं। ऐसे में बच्चों के माध्यम से समाज तक अपनी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने का संदेश पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

12 से होगी श्रीमद् भागवत कथा

मण्डला/पिंडरई (स्वतंत्रमत)। ग्राम पिंडरई में 12 से 18 नवंबर तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। आयोजन में शामिल होने के लिए ग्राम पंचायत पिंडरई के उपसरपंच जितेंद्र सिंह राजपूत एवं सर्वधर्म स्थाई प्रबंधन समिति के सदस्यों ने मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल तथा संत शिरोमणि पूज्य गुरुदेव विपिन बिहारी महाराज से भेंट कर आमंत्रित किया गोटेगांव श्रीधाम में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दौरान पिंडरई से पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने कथा श्रवण कर पूज्य गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मंत्री श्री पटेल एवं गुरुदेव को पिंडरई में आयोजित होने वाली कथा में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया प्रतिनिधिमंडल के अनुसार मंत्री श्री पटेल ने आमंत्रण स्वीकार करते हुए आयोजन में शामिल होने का आश्वासन दिया इस दौरान उपसरपंच जितेंद्र सिंह राजपूत ने मंत्री श्री पटेल से ग्राम पंचायतों के विकास, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत बनाने के संबंध में भी चर्चा की।

नरवाई जलाने के बजाय किसान कमाएं अतिरिक्त आय, मंडला में लगा सीबीजी प्लांट

मण्डला (स्वतंत्रमत)



फसल कटाई के बाद खेतों में बचने वाली नरवाई और पराली अब किसानों के लिए कचरा नहीं बल्कि अतिरिक्त आय का साधन बन सकती है। जिले के कोरगांव स्थित कंप्रेस्ड बायोगैस सीबीजी प्लांट में धान गेहूं और मक्का की नरवाई 1.5 से 2 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीदी जा रही है। किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करने और फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन की जानकारी देने के उद्देश्य से 3 नवंबर को ग्राम कोरगांव स्थित सीबीजी प्लांट में नरवाई प्रबंधन कार्यशाला सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अमित बायोग्रीन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के तत्वावधान में कृषि अभियांत्रिकी एवं कृषि विभाग के सहयोग से किया गया। इसमें जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। कार्यशाला में किसानों को सीबीजी प्लांट का भ्रमण कराया गया तथा वहां नरवाई सहित अन्य जैविक सामग्री के उपयोग और प्लांट की कार्य प्रणाली की जानकारी दी गई। इसके साथ ही नरवाई का संग्रहण करने वाली बेलर और हे-रैक मशीन की उपयोगिता एवं कार्यशैली समझाई गई। किसानों के सामने बेलर मशीन का जीवंत प्रदर्शन भी किया गया ताकि वे फसल अवशेषों को व्यवस्थित तरीके से एकत्रित कर उनका व्यावसायिक उपयोग कर सकें सीबीजी प्लांट में धान गेहूं और मक्का की नरवाई के गोल एवं चौकोर बेल बनाकर खरीदे जा रहे हैं। कंबाइन हार्वेस्टर संचालकों और मालिकों से भी अपील की गई कि वे हार्वेस्टर में स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम एसएमएस का अनिवार्य रूप से उपयोग सुनिश्चित करें। इससे कटाई के बाद खेत में बचे फसल अवशेषों के प्रबंधन में मदद मिलती है और नरवाई जलाने की आवश्यकता कम की जा सकती है। वहीं जिला प्रशासन के निर्देशों के अनुसार नरवाई जलाने की घटनाओं पर ग्राम पंचायत स्तरीय निगरानी समितियों के माध्यम से नजर रखी जाएगी। जारी निर्देशों में खेतों में नरवाई जलाने और एसएमएस के बिना हार्वेस्टर के उपयोग से संबंधित मामलों में जांच, पंचनामा और फोटोग्राफ सहित प्रतिवेदन के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई का प्रावधान बताया गया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी के आदेशानुसार नरवाई जलाने की घटना पर भूमि के रकबे के आधार पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति अर्थदंड निर्धारित किया गया है। इसके तहत दो एकड़ से कम भूमि वाले किसानों पर 2,500 रुपये, दो एकड़ से अधिक और पांच एकड़ से कम भूमि वाले किसानों पर 5,000 रुपये तथा पांच एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों पर 15,000 रुपये प्रति घटना अर्थदंड लगाया जा सकता है। संबंधित मामलों में प्रशासनिक प्रक्रिया और लागू आदेशों के अनुसार कार्यवाही की जाएगी। कार्यशाला में उप संचालक कृषि अश्विनी झरिया, सहायक कृषि यंत्री शोभित ठवरे और उपयंत्री श्रीमती भावना मरावी उपस्थित रहे।

मुख्य महाप्रबंधक ने किया परियोजना भ्रमण

मण्डला (स्वतंत्रमत)। नाबार्ड एवं प्रदान संस्था द्वारा निवास विकासखंड के थानमगांव एवं पायलीबहुर में संचालित वाटरशेड परियोजनाओं के भ्रमण कार्यक्रम में नाबार्ड की मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती सी. सरस्वती के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक सुरेश परस्ते, उप क्षेत्रीय प्रबंधक जितेंद्र ठाकुर एवं निवास शाखा प्रबंधक प्रदीप कुमार मरकाम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने जल संरक्षण पौधरोपण मल्टीलेयर खेती एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से संबंधित कार्यों का अवलोकन किया। ग्रामीणों एवं महिला किसानों द्वारा पारंपरिक आदिवासी संस्कृति और लोकगीतों के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक द्वारा किसानों एवं स्वयं सहायता समूह के हितग्राहियों को राशि रुपये 1.21 करोड़ का ऋण वितरित किया गया। नाबार्ड एवं प्रधान संस्था द्वारा किसानों को हाइड्रोजेल एवं स्प्रिंकलर सेटअप भी प्रदान किए गए। मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती सी. सरस्वती ने वाटरशेड विकास समिति एवं ग्रामीण समुदाय से संवाद कर क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों एवं सामुदायिक सहभागिता की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक सुरेश परस्ते द्वारा बैंक की विभिन्न जमा, विभिन्न बीमा योजनाएं एवं ऋण योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।



दीपावली नजदीक आते ही बाजारों में बढ़ी रौनक

दुकानों पर सजने लगा त्योहार का सामान, खरीदारी को लेकर लोगों में उत्साह

नैनपुर

दीपावली का पर्व नजदीक आते ही नगर के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। दुकानदारों ने त्योहार को देखते हुए अपनी दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाना शुरू कर दिया है। बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ रही है। व्यापारियों को दीपावली पर अच्छे कारोबार की उम्मीद है। रंग-बिरंगी लाइटिंग और फूल-फुलवारी से आकर्षित हो रहे ग्राहक, दीपावली की तैयारियों के चलते बाजार में विद्युत झालर, रंग-बिरंगी लाइटें, फूल-फुलवारी और सजावटी सामान की दुकानें सज गई हैं। दुकानों पर आकर्षक डिजाइन की लाइटिंग और दीपावली सजावट के सामान उपलब्ध हैं। घरों को रोशनी और सुंदरता से सजाने के लिए लोग खरीदारी की तैयारी में जुट गए हैं।

दीपावली पर नए कपड़ों और रंगोली की दुकानों पर बढ़ी हलचल

दीपावली के त्योहार को लेकर कपड़ों और रंगोली की दुकानों पर रौनक दिखाई देने लगी है। बाजार में नए परिधान, रंगोली के रंग, आकर्षक डिजाइन और सजावट की सामग्री उपलब्ध है। त्योहार को लेकर परिवारों में खरीदारी का उत्साह नजर आने लगा है। दीपावली नजदीक आते हीघरों की साफ-सफाई और रंगाई-पुताई का काम तेज हो गया है। दीपावली से पहले काम का बढ़ा दबाव, पेंटर और मजदूरों की बढ़ी मांग मजदूरों और पेंटरों की कमी लोगों के लिए परेशानी बन रही है। कई परिवार पहले से मजदूरों की तलाश में जुटे हैं, वहीं काम का दबाव बढ़ने से पेंटरों को भी समय देना मुश्किल हो रहा है। त्योहार से पहले घरों को नया रूप देने की तैयारी में लोगों को इंतजार करना पड़ रहा है।

आवासीय भूमि का मालिकाना हक



मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश शासन की भू-स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि पर वर्षों से निवास कर रहे पात्र परिवारों को उनकी आवासीय भूमि का मालिकाना हक दिलाने की प्रक्रिया जारी है। इसी कड़ी में तहसील नारायणगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकोसी में शिविर आयोजित कर पात्र हितग्राहियों की भूमि संबंधी दस्तावेजी कार्यवाही की गई। शिविर में पटवारी एवं स्थानीय सर्वेयर द्वारा हितग्राहियों की आबादी भूमि का नाप-जोख किया गया।

समर्थ ने जीता कांस्य पदक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कोच पूर्णिमा रजक ने बताया कि तमिलनाडु के चेन्नई में आयोजित 25वीं जूनियर राष्ट्रीय वूशु बालक एवं बालिका चैंपियनशिप में जिले के होनहार खिलाड़ी समर्थ विश्वकर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। इस उपलब्धि के साथ समर्थ ने जिले सहित पूरे मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया है 28 अक्टूबर से 3 नवंबर तक जेप्पियार यूनिवर्सिटी, सेम्मनचेरी चेन्नई में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में समर्थ विश्वकर्मा एवं शिवी श्रीवास्तव ने मध्यप्रदेश वूशु सचिव मनोज गुप्ता के नेतृत्व में मध्यप्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व किया। दोनों खिलाड़ियों ने भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय वूशु प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया था समर्थ ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा मेहनत और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया।



तीन माह से पार्षद विहीन वार्ड क्रमांक 1, मतदाता परेशान

नैनपुर। नगर के नैनपुर वार्ड क्रमांक 1 पिछले तीन माह से पार्षद विहीन है। पार्षद श्रीमति निशा चन्दौल शिक्षा विभाग में शासकीय सेवा में नियुक्ति होने के चलते करीब तीन माह पूर्व अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद से वार्ड में पार्षद का पद रिक्त पड़ा हुआ है।पार्षद नहीं होने के कारण वार्ड के मतदाताओं और रहवासियों को अपनी समस्याएं रखने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड की साफ-सफाई, नाली, सड़क, पेयजल सहित अन्य मूलभूत समस्याओं को लेकर रहवासियों को जनप्रतिनिधि के अभाव में अपनी बात पहुंचाने में दिक्कत हो रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि वार्ड में पार्षद का पद रिक्त होने के बावजूद अब तक शासन ने कोई नई व्यवस्था नहीं की गई है। ऐसे में सवाल उठता है कि वार्ड के नागरिक अपनी समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए किसके पास जाएं? अब वार्डवासियों को इंतजार है कि रिक्त पार्षद पद को लेकर कब तक चुनाव या नियमानुसार अन्य व्यवस्था की जाएगी, ताकि वार्ड को पुन: अपना जनप्रतिनिधि मिल सके।

खेतों से मोटर पंप चोरी, कबाड़ियों की चांदी! चोरी का सामान खरीदने वालों पर कार्रवाई कब?

नैनपुर। क्षेत्र में खेतों से मोटर पंप चोरी होने की घटनाओं से किसान परेशान हैं, वहीं चोरी के सामान की खरीद-फरोख्त करने वाले कबाड़ियों की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। किसानों का आरोप है कि चोर खेतों से मोटर पंप और अन्य कृषि उपकरण चोरी कर रहे हैं तथा चोरी का सामान कबाड़ियों तक पहुंच रहा है। यदि चोरी के सामान की खरीद-फरोख्त पर सख्ती से निगरानी की जाए तो ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित मण्डला
जेएसके बैंक मंडला
प्रधान कार्यालय-26 सिविल लाईन, मण्डला (म.प्र.) पिन-481661
दूरभाष नं. (07642) 252558, 251224, 252462
ई-मेल-cbsmandla.mp@ gmail.com, dccbmdl@rediffmail.com

क्रमांक/निविदा/2738 मण्डला, दिनांक 28.10.2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना
(प्रथम आंमत्रण)

बैंक मुख्यालय एवं मण्डला डिण्डौरी जिले की समस्त 17 शाखाओं के लिये डेस्कटॉप कम्प्यूटर (70 नग) एवं SMF बैटरी (64 नग) की प्रदायगी, स्थापना तथा पुरानी स्क्रेप बैटरियों (64नग) के बाय-बैंक (क्रय) कार्य हेतु प्रतिष्ठित निर्माताओं/अधिकृत विक्रेताओं फर्मों से म.प्र. शासन के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन निविदाएं आंमत्रित की जाती है-

क्रमांक	डेस्कटॉप कम्प्यूटर की स्थापना एवं आपूर्ती	अनुमानित मात्रा	धरोधर राशि (EMD)	निविदा अनुमानित लागत
1	2	3	4	5
1	डेस्कटॉप कम्प्यूटर की स्थापना एवं आपूर्ति	70 नग	130000	(दोनो की मिलाकर 65.00 लाख रूपये)
2	12V 18Ah SMF बैटरी आपूर्ति (बाय-बैंक-सहित)	64 नग	संयुक्त	

1. निविदा प्रपत्र डाउनलोड/ऑनलाईन जमा करने की प्रारंभिक तिथि दिनांक 04.11.2026 2. निविदा ऑनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 25.11 2026 समय दोपहर 4:00 बजे तक 3. तकनीकि बिड खोलने की तिथि दिनांक 26.11.2026 समय दोपहर 4:00 बजे के पश्चात । 4. वित्तीय बिड खोलने की तिथि दिनांक 30.11.2026 समय दोपहर 4:00 बजे के पश्चात ।

विशेष शर्ते-1. विस्तृत नियम, तकनीकि शर्ते, BOQ एवं निविदा दस्तावेज म.प्र. शासन के अधिकारिक ई-टेण्डरिंग पोर्टल https://mptenders.gov.in पर देखे एवं डाउन लोड किये जा सकते है। 2. निविदा की केवल ऑनलाईन निविदा ही मान्य होगी। भौतिक बिड स्वीकार नहीं की जावेगी। 3. बैंक के पास बिना कोई कारण बतलाये किसी एक या सभी निविदाओं को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। 4. आगामी समस्त संसोधन / शुद्धि पत्रक केवल उपरोक्त बेवसाइट पर ही जारी किये जायेगें, समाचार पत्र में प्रथक से प्रकाशन नही किया जावेगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी

संपादकीय

ट्रंप को क्यों लगा झटका?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए 2026 के मिडटर्म चुनाव किसी बड़े राजनीतिक झटके से कम नहीं रहे। जिस रिपब्लिकन पार्टी के दम पर ट्रंप अपनी नीतियों और राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ा रहे थे, उसे इस बार मतदाताओं ने बड़ा झटका दिया है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों यानी सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में बहुमत हासिल कर लिया। इस जीत के साथ डेमोक्रेट्स ने न केवल अमेरिकी राजनीति का समीकरण बदल दिया, बल्कि ट्रंप के बचे हुए कार्यकाल के लिए भी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। महंगाई, ईरान युद्ध, बढ़ती कीमतें और सरकार के कामकाज को लेकर नाराजगी इस चुनाव में प्रमुख मुद्दे रहे। ट्रंप ने रिपब्लिकन उम्मीदवारों के समर्थन में कई रैलियां कीं और अपने समर्थकों से उन्हें ऐसे वोट देने की अपील की जैसे ट्रंप खुद चुनाव लड़ रहे हों। इसके बावजूद पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। सवाल है कि आखिर ट्रंप की राजनीति में ऐसा क्या हुआ कि रिपब्लिकन पार्टी को दोनों सदनों में हार का सामना करना पड़ा?

ट्रंप की चुनावी मुश्किलों की सबसे बड़ी वजहों में ईरान युद्ध को माना जा रहा है। अमेरिकी मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग इस सैन्य कार्रवाई और उसके लंबे खिंचने को लेकर नाराज दिखाई दिया। ट्रंप प्रशासन से उम्मीद की जा रही थी कि वह अमेरिका की विदेश नीति में स्थिरता लाएगा, लेकिन ईरान के साथ बढ़ते संघर्ष ने अमेरिकी राजनीति और अर्थव्यवस्था दोनों पर दबाव बढ़ा दिया। यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट के अगस्त 2026 के सर्वेक्षण में 68 प्रतिशत लोगों ने ईरान युद्ध को संभालने के ट्रंप के तरीके पर असहमति जताई। वहीं 54 प्रतिशत लोगों ने ईरान में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का विरोध किया। इस मुद्दे का असर केवल विदेश नीति तक सीमित नहीं रहा। युद्ध के कारण ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बढ़ी और आम अमेरिकी नागरिकों को भी इसका आर्थिक असर महसूस हुआ। डेमोक्रेट्स ने चुनाव प्रचार में इस मुद्दे को उठाते हुए ट्रंप प्रशासन की नीतियों पर सवाल खड़े किए। इस तरह ईरान युद्ध रिपब्लिकन पार्टी के लिए राजनीतिक बोझ बन गया। ईरान युद्ध का दूसरा बड़ा असर तेल और गैस की कीमतों पर पड़ा। अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें आम नागरिकों के लिए हमेशा से अहम चुनावी मुद्दा रही हैं। वहां बड़ी संख्या में लोग रोजाना कार से काम पर जाते हैं। ऐसे में पेट्रोल महंगा होने का सीधा असर उनके मासिक बजट पर पड़ता है। ईरान से जुड़े संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में पैदा हुई अनिश्चितता ने अंतरराष्ट्रीय तेल आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ाईं। इसका असर अमेरिकी बाजार में भी देखने को मिला। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप ने महंगाई कम करने और अमेरिकी परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने का बड़ा वादा किया था। उनकी जीत के पीछे आम लोगों की आर्थिक परेशानियां भी एक अहम वजह थीं। लेकिन 2026 के मिडटर्म चुनाव तक महंगाई और जीवनयापन की लागत मतदाताओं की बड़ी चिंता बनी रही। अमेरिका में केवल पेट्रोल ही नहीं, बल्कि किराने का सामान, बिजली, आवास और स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च भी परिवारों पर दबाव डाल रहा था। करीब 90 प्रतिशत मतदाताओं ने जीवनयापन की लागत को अपने वोट के लिए महत्वपूर्ण मुद्दा माना। लगभग दो-तिहाई मतदाताओं ने ऊंची कीमतों के लिए ट्रंप को जिम्मेदार ठहराया। जेफ्री एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों का विवाद भी 2026 के चुनाव में डेमोक्रेट्स के लिए एक महत्वपूर्ण प्रचार हथियार बना। चुनाव में केवल जनता की नाराजगी ही मायने नहीं रखती, बल्कि यह भी जरूरी होता है कि किसी पार्टी के समर्थक कितनी बड़ी संख्या में मतदान करने पहुंचते हैं। 2026 के मिडटर्म चुनाव में डेमोक्रेट्स के पक्ष में एक बड़ा अंतर उनकी चुनावी सक्रियता और ट्रंप विरोधी मतदाताओं के उत्साह का रहा।

लोकतंत्र में विपक्ष का मजबूत होना जरूरी

विपक्षी एकता के केन्द्रीय भूमिका में राहुल गांधी



राज कुमार सिन्हा
बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ

दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को आयोजित विपक्षी इंडिया गठबंधन की रैली भारतीय राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। यह रैली केवल चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उठाए गए सवालों तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसने विपक्षी राजनीति में नेतृत्व, एकजुटता और भविष्य की रणनीति से जुड़े कई सवालों को भी सामने रखा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेता इसे केवल राजनीतिक लड़ाई नहीं, बल्कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने की सीधी जंग बताया है।कांग्रेस का मानना है कि इस मुद्दे का जुड़ाव सीधे आम जनता के भविष्य और अधिकारों से है। रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, तेजस्वी यादव, फारूक अब्दुल्ला और वामपंथी दलों के नेताओं की मौजूदगी ने विपक्षी एकजुटता का संदेश दिया है।इस आयोजन का एक महत्वपूर्ण राजनीतिक पहलू यह रहा कि विभिन्न विचारधाराओं, क्षेत्रीय हितों और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं वाले दल एक साझा मंच पर दिखाई दिए। राहुल गांधी इस आयोजन के प्रमुख चेहरों में शामिल रहे। इससे यह बहस तेज हुई है कि क्या राहुल गांधी अब विपक्ष के सर्वमान्य नेता के रूप में उभर रहे हैं? राहुल गांधी की राजनीतिक भूमिका को समझने के लिए पिछले कुछ वर्षों के घटनाक्रम पर नजर डालना जरूरी है। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की पराजय के बाद उनके नेतृत्व को लेकर पार्टी के भीतर और बाहर सवाल उठे थे। लेकिन भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में जनता के बीच पहुंचने की कोशिश की थी। इन यात्राओं ने उन्हें केवल कांग्रेस के नेता के बजाय राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श में एक सक्रिय विपक्षी चेहरे के रूप में स्थापित करने में भूमिका निभाई। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद उनकी राजनीतिक स्थिति में एक और महत्वपूर्ण बदलाव आया जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद मिलने से उन्हें संवैधानिक और संसदीय स्तर पर विपक्ष की आवाज उठाने की औपचारिक जिम्मेदारी मिली। संसद में उन्होंने बेरोजगारी, महंगाई, किसानों, सामाजिक न्याय, जातिगत जनगणना और संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता जैसे मुद्दों को लगातार उठाया है।



दिल्ली की रैली में उनकी भूमिका इसी राजनीतिक यात्रा की अगली कड़ी के रूप में देखी जा सकती है। रैली में विपक्ष के कई बड़े नेताओं की उपस्थिति के बावजूद राहुल गांधी प्रमुख वक्ता और आंदोलन के केंद्रीय चेहरों में शामिल रहे। अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने भी इस प्रदर्शन को राहुल गांधी के नेतृत्व में आयोजित विपक्षी मार्च के रूप में रिपोर्ट किया है। भारतीय राजनीति में विपक्षी एकता की सबसे बड़ी चुनौती हमेशा नेतृत्व और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का टकराव रही है। कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है, लेकिन कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों का अपना मजबूत जनाधार और राजनीतिक प्रभाव है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव, बिहार में तेजस्वी यादव और तमिलनाडु में डीएमके जैसे दलों की अपनी राजनीतिक प्राथमिकताएं हैं। ऐसे में इन नेताओं का एक मंच पर आना महत्वपूर्ण है। यह संकेत देता है कि फिलहाल कई विपक्षी दल अपने अलग-अलग राजनीतिक मतभेदों के बावजूद कुछ साझा मुद्दों पर एक साथ संघर्ष करने की आवश्यकता महसूस कर रहे हैं। राहुल गांधी को इस एकजुटता का प्रमुख चेहरा माना जा सकता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि सभी क्षेत्रीय दलों ने उन्हें औपचारिक रूप से अपना सर्वोच्च नेता घोषित कर दिया है। ममता बनर्जी और अखिलेश यादव जैसे नेताओं की अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान और संगठनात्मक ताकत है। इसलिए विपक्षी नेतृत्व का सवाल अभी भी गठबंधन के भीतर राजनीतिक सहमति और व्यवहारिक तालमेल से जुड़ा हुआ है।यहां एक महत्वपूर्ण बात समझना जरूरी है कि मतदाता सूची में इतनी बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने की प्रक्रिया में पारदर्शिता, प्रभावित मतदाताओं को सुनवाई का अवसर और शिकायतों के त्वरित समाधान की व्यवस्था होना लोकतंत्र के लिए अनिवार्य है। राहुल गांधी ने इस मुद्दे को विपक्षी राजनीति के केंद्र में लाकर चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता और नागरिकों के मताधिकार को एक बड़े राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाया है। विपक्ष के लिए यह केवल सत्ता पक्ष का विरोध करने का मुद्दा नहीं, बल्कि संवैधानिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग भी है।कांग्रेस में राहुल गांधी की केंद्रीय राजनीतिक भूमिका स्पष्ट है। इंडिया गठबंधन के कई बड़े नेता उनके साथ साझा मंचों पर दिखाई दे रहे हैं। वहीं, देशभर में यात्राओं, संसदीय बहसों और सार्वजनिक अभियानों के माध्यम से उन्होंने अपनी राजनीतिक उपस्थिति बढ़ाई है। लेकिन विपक्ष का सर्वमान्य नेता बनने के रास्ते में कुछ चुनौतियां भी हैं। कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के बीच सीटों के बंटवारे, राज्यों में आपसी प्रतिस्पर्धा, नेतृत्व की भूमिका और चुनावी रणनीति को लेकर मतभेद सामने आते रहे हैं। इसके अलावा गठबंधन के भीतर ममता बनर्जी और अन्य क्षेत्रीय नेताओं की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इसलिए राहुल गांधी की बढ़ती केंद्रीय भूमिका को विपक्षी नेतृत्व के प्रश्न का महत्वपूर्ण घटनाक्रम तो माना जा सकता है, लेकिन भविष्य में सभी दलों को लेकर चलना महत्वपूर्ण कसौटी होगा।भारतीय लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष की भूमिका केवल सरकार की आलोचना करना नहीं है। विपक्ष को जनता के सामने वैकल्पिक नीतियां, कार्यक्रम और शासन का स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत करना भी जरूरी है। आज देश के सामने बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की आर्थिक स्थिति, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, बढ़ती आर्थिक असमानता, पर्यावरण संकट और सामाजिक तनाव जैसी अनेक चुनौतियां हैं। विपक्ष यदि इन मुद्दों पर साझा कार्यक्रम तैयार करता है, तो उसकी राजनीतिक प्रासंगिकता केवल चुनावी विरोध तक सीमित नहीं रहेगी। राहुल गांधी के सामने भी यही सबसे बड़ी चुनौती है। उन्हें यह स्पष्ट करना होगा कि विपक्ष सत्ता में आने की स्थिति में रोजगार, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, संघीय ढांचे और सामाजिक न्याय के सवालों पर क्या वैकल्पिक नीतियां अपनाएगा। इसके साथ ही कांग्रेस को भी अपने संगठन को मजबूत करना होगा। केवल राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व की मौजूदगी से राज्यों में राजनीतिक सफलता नहीं मिलती। विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों के साथ सम्मानजनक संबंध, सीटों के बंटवारे में व्यावहारिक समझौते और साझा कार्यक्रम की प्रतिबद्धता जरूरी होगी।दिल्ली के रामलीला मैदान की रैली ने विपक्षी राजनीति में राहुल गांधी की केंद्रीय भूमिका को एक बार फिर रेखांकित किया है। यह आयोजन इस बात का संकेत है कि विपक्ष के कई प्रमुख दल लोकतांत्रिक संस्थाओं और मताधिकार से जुड़े मुद्दों पर राहुल गांधी के साथ खड़े होने को तैयार हैं। राहुल गांधी के लिए यह अवसर भी है और चुनौती भी। यदि वे विपक्षी दलों के बीच भरोसा कायम करने, क्षेत्रीय नेतृत्व को साथ लेकर चलने और जनता के सामने एक विश्वसनीय वैकल्पिक राजनीतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने में सफल होते हैं, तो उनकी नेतृत्वकारी भूमिका और मजबूत हो सकती है।

लोकतंत्र में विपक्ष का मजबूत होना उतना ही जरूरी है जितना सत्ता पक्ष का जवाबदेह होना। इसलिए दिल्ली की रैली का वास्तविक महत्व किसी एक नेता की राजनीतिक प्रतिष्ठा से आगे बढ़कर इस सवाल में निहित है कि क्या भारत का विपक्ष अपनी विविधताओं के बावजूद एक साझा लोकतांत्रिक और राजनीतिक विकल्प तैयार कर पाएगा?

देशभक्ति पर तकरार क्यों? राहुल गांधी का बढ़ता आत्मविश्वास क्या कोई राजनीतिक संदेश है?

सौरभ वार्ष्णेय

देशभक्ति किसी राजनीतिक दल या विचारधारा की बपौती नहीं है। यह संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्र के प्रति नागरिकों की निष्ठा से जुड़ी भावना है। फिर आखिर देशभक्ति को लेकर राजनीतिक तकरार क्यों ? क्या राष्ट्रप्रेम का प्रमाण एक-दूसरे पर आरोप लगाकर और बहस की चुनौती देकर दिया जाएगा? भारतीय राजनीति में इन दिनों जिस तरह बयानबाजी और कटाक्ष का दौर तेज हुआ है, उसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बदला हुआ राजनीतिक तेवर विशेष चर्चा का विषय बन गया है।

देश में कथित वोट चोरी और मतदाता सूची की पारदर्शिता को लेकर विपक्षी आंदोलन शुरू होने के बाद राहुल गांधी लगातार केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमलावर हैं। अब उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री को सीधे बहस की चुनौती देकर राजनीतिक सरगर्मी और बढ़ा दी है। राजनीति में एक-दूसरे पर कटाक्ष करना और सवाल उठाना नई बात नहीं है, लेकिन आंदोलन के बीच राहुल गांधी का इस तरह आत्मविश्वास के साथ सामने आना कई राजनीतिक संकेत दे रहा है। सवाल है कि क्या यह केवल उनकी व्यक्तिगत राजनीतिक शैली में बदलाव है या विपक्ष की बदलती रणनीति का हिस्सा?

दरअसल, राहुल गांधी लंबे समय से अपनी राजनीतिक स्वीकार्यता और नेतृत्व क्षमता को लेकर उठते सवालों का सामना करते रहे हैं। लेकिन अब उनका आक्रामक अंदाज, सरकार से सीधे सवाल और चुनावी प्रक्रिया को लेकर लगातार हमले यह संकेत दे रहे हैं कि वह विपक्ष की राजनीति में अपनी भूमिका को नए सिरे से स्थापित करना चाहते हैं। वोट चोरी का मुद्दा उनके लिए केवल चुनावी आरोप नहीं, बल्कि लोकतंत्र और मतदाता के अधिकारों से जुड़ा ऐसा विषय बन गया है, जिसके सहारे कांग्रेस विपक्षी दलों को एक साझा मंच पर लाने की कोशिश कर रही है।

राहुल गांधी के बढ़ते आत्मविश्वास के पीछे बदलता राजनीतिक माहौल भी एक कारण हो सकता है। जिस तरह उनके समर्थन में विपक्षी दलों और कार्यकर्ताओं की सक्रियता दिखाई दे रही है, उससे कांग्रेस को उम्मीद बंधी है कि वह इस मुद्दे को व्यापक जनआंदोलन का रूप दे सकती है। हालांकि, किसी नेता के पक्ष में बनता राजनीतिक माहौल स्थायी जनसमर्थन का प्रमाण नहीं होता। उसे चुनावी परिणामों और जनता के वास्तविक विश्वास की कसौटी पर ही परखा जा सकता है। फिर भी इतना स्पष्ट है कि राहुल गांधी अब केवल सरकार की आलोचना करने वाले नेता की भूमिका तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि विपक्ष के प्रमुख चेहरे के रूप में अपनी दावेदारी मजबूत कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री को बहस की चुनौती देना भी इसी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है। लेकिन सवाल यह है कि बहस किस मुद्दे पर होगी? क्या देश को केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की बहस चाहिए या चुनाव सुधार, बेरोजगारी, महंगाई, अर्थव्यवस्था, शिक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे विषयों पर गंभीर संवाद की आवश्यकता है? लोकतंत्र में प्रधानमंत्री और विपक्ष के बीच नीतिगत बहस निश्चित रूप से स्वस्थ परंपरा हो सकती है, लेकिन इसके लिए दोनों पक्षों को तथ्यों और तर्कों के साथ सामने आना होगा। केवल चुनौती देना और उसे राजनीतिक सुर्खियों में बदल देना जनता की अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता।

यहां देशभक्ति का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। सरकार की आलोचना करना देश का विरोध करना नहीं है और सरकार का समर्थन करना ही राष्ट्रभक्ति का प्रमाण नहीं हो सकता। सत्ता पक्ष को विपक्ष के सवालों का जवाब देना चाहिए, वहीं विपक्ष की भी जिम्मेदारी है कि वह अपने आरोपों को प्रमाणों के साथ जनता के सामने रखे। यदि चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी की आशंका है तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि आरोप गलत हैं तो तथ्यों के आधार पर उनका खंडन किया जाना चाहिए। चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता किसी एक दल का नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र का विषय है।

वास्तव में राहुल गांधी के इस बदले तेवर के पीछे एक बड़ा राजनीतिक संदेश छिपा हो सकता है। कांग्रेस यह समझ रही है कि केवल चुनावी हार-जीत पर प्रतिक्रिया देने से विपक्ष मजबूत नहीं होगा। उसे ऐसे मुद्दे उठाने होंगे, जो आम मतदाता के अधिकारों और लोकतांत्रिक व्यवस्था से सीधे जुड़े हों। दूसरी ओर, राहुल गांधी के लिए भी यह अवसर किसी राजनीतिक परीक्षा से कम नहीं है। उन्हें यह साबित करना होगा कि उनका आत्मविश्वास केवल भाषणों और चुनौतियों तक सीमित नहीं, बल्कि उसमें जनसमस्याओं को समझने और उनका ठोस विकल्प प्रस्तुत करने की क्षमता भी है। देशभक्ति पर तकरार करने के बजाय लोकतंत्र को मजबूत करने की जरूरत है। राहुल गांधी का बढ़ता आत्मविश्वास विपक्ष को नई दिशा दे सकता है, लेकिन उसकी वास्तविक परीक्षा जनता के बीच होगी। प्रधानमंत्री और सत्तापक्ष को भी यह समझना होगा कि सवाल पूछने वाला विपक्ष लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी अनिवार्य शक्ति है। देश को राजनीतिक कटाक्षों और राष्ट्रभक्ति के प्रमाणपत्रों की नहीं, बल्कि जवाबदेही, पारदर्शिता और सार्थक संवाद की आवश्यकता है। देशभक्ति का असली अर्थ एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करना नहीं, बल्कि संविधान और जनता के हितों की रक्षा करना है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

जिंदगी में कोई शॉर्टकट नहीं होता, मेहनत करते रहें

ज्योति भास्कर

लोग अक्सर मुझसे पूछते हैं कि महानता तक पहुंचने का गुप्त मंत्र क्या है, मानो यह कोई जादुई रहस्य हो, जिसे एक रात में हासिल किया जा सकता है। हकीकत यह है कि जिंदगी में कोई शॉर्टकट नहीं होता। जो कुछ भी है, वह हर दिन की उबाऊ, अनवरत और बारीक मेहनत में छिपा है। मेरे लिए बास्केटबॉल सिर्फ एक खेल नहीं था, बल्कि खुद को हर कोण से परखने की प्रयोगशाला थी। मैंने कभी भी सुबह के चार बजे उठकर अभ्यास करने को कोई त्याग नहीं माना। दरअसल, जब आप किसी काम से गहरा प्रेम करते हैं, तो उसकी तैयारी का दर्द बोझ नहीं लगता, बल्कि वह आपकी दिनचर्या का सबसे स्वाभाविक हिस्सा बन जाता है। यदि आप बाकी दुनिया के जागने से पहले ही कोर्ट पर पसीना बहा चुके हैं, तो आप समय के आगे चल रहे होते हैं, और यही निरंतरता वर्षों में ऐसा फासला बना देती है, जिसे कोई दूसरा आसानी से पाट नहीं सकता।



अधिकतर लोग असफलता को अंत मान लेते हैं, लेकिन मेरे दिमाग में असफलता जैसी कोई चीज कभी थी ही नहीं। एक मुकाबला हार जाना केवल एक डाटा प्वाइंट है-एक ऐसा संकेत, जो आपको यह बताता है कि अभी आपकी तैयारी में क्या अधूरा रह गया था। जब आप अपनी कमजोरियों को छिपाने के बजाय उनके सामने सीधे खड़े होकर उन्हें सुधारने की जिद ठान लेते हैं, तब भय अपने आप खत्म हो जाता है। खेल के उच्च स्तर पर शारीरिक क्षमताएं लगभग सबकी एक जैसी होती हैं, असली अंतर सोच व तैयारी की गहराई से पैदा होता है। मैंने हमेशा अपने विरोधियों से कहीं अधिक उनके खेल के वीडियो देखे, हर खिलाड़ी के पैरों की हरकत, उनकी आदतों व दबाव में लिए जाने वाले फैसलों का अध्ययन किया। जब आप किसी चीज को इतने सूक्ष्म स्तर पर समझ लेते हैं, तो कोर्ट पर घटित होने वाली हर घटना आपको धीमी गति में दिखने लगती है। इसे ही मैं माम्बा मेंटालिटी कहता हूं- यह केवल गेंद को बास्केट में डालना नहीं है, बल्कि अपनी अंतरात्मा को इस कदर अनुशासित करना है कि कोई भी बाहरी व्याकुलता आपके ध्यान को भटका न सके। यह मानसिकता आपको सिखाती है कि आप जो भी करें, उसमें अपना संपूर्ण अस्तित्व झोंक दें। यह यात्रा अंततः ट्रॉफियों को बटोरने की नहीं थी, बल्कि इस बात की थी कि उस प्रक्रिया ने मुझे एक इन्सान के रूप में क्या बनाया। सबसे बड़ा संतोष इस बात में नहीं मिलता कि आपने दुनिया को हरा दिया, बल्कि इस एहसास में मिलता है कि आपने अपनी क्षमता का एक कतरा भी अप्रयुक्त नहीं छोड़ा। जब आप पूरी ईमानदारी, अटूट एकाग्रता और बिना किसी बहाने के काम करते हैं, तो आपकी मेहनत केवल आपका परिणाम नहीं बदलती, बल्कि आपके आसपास के लोगों को भी अपने भीतर की आग तलाशने के लिए प्रेरित करती है। असफलता को अंत नहीं, बल्कि अपनी कमजोरियों को पहचानने का अवसर समझना चाहिए। जब इन्सान दूसरों से आगे निकलने के बजाय हर दिन खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करता है और बिना किसी बहाने के अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखता है, तो उसकी मेहनत एक दिन उसे महानता तक पहुंचा देती है।

क्या ज्ञानेश कुमार को हटा पायेगा इण्डिया गठबंधन का शक्ति प्रदर्शन

निर्मल रानी

गत 1 नवंबर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में इण्डिया गठबंधन द्वारा आयोजित ऐतिहासिक वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली में विपक्षी दलों की भारी एकजुटता देखने को मिली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के ख़िलाफ़ बुलाई गई इस रैली में देश के कई प्रमुख दलों के शीर्ष नेतृत्व ने हिस्सा लिया। इस रैली में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के सबसे प्रमुख नेताओं में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा शामिल हुए। इसके अलावा वरिष्ठ नेता के.सी. वेणुगोपाल, डी.के. शिवकुमार और अभिषेक मनु सिंघवी भी मंच पर मौजूद रहे। जबकि समाजवादी पार्टी की ओर से उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस रैली में अपनी पार्टी का नेतृत्व किया। तृणमूल कांग्रेस की तरफ़ से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी विपक्ष की इस महारैली में विशेष रूप से शामिल हुईं। तथा राष्ट्रीय जनता दल की ओर से बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और युवा नेता तेजस्वी यादव ने मंच से रैली को संबोधित किया। इसी तरह पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ़्ती राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार गुट से सुप्रिया सुले नेशनल कॉन्फ्रेंस से जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री व पार्टी प्रमुख फ़ारूक़ अब्दुल्ला,आम आदमी पार्टी की ओर से पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान व अन्य कई विपक्षी दलों के अनेक वरिष्ठ नेता इस विशाल रैली को संबोधित करते या सम्मिलत होते दिखाई दिए।

इस रैली में कॉकरोच जनता पार्टी की भी बाहरी तौर पर एक बड़े रैली समर्थक संगठन की सक्रिय भूमिका नज़र आई। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने रैली से ठीक पहले सोशल मीडिया पर आधिकारिक घोषणा करते हुए इस रैली को अपना पूर्ण समर्थन दिया था। सीजेपी का मुख्य एजेंडा भी देश में चुनावी शुचिता और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाना रहा है। इस महारैली में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन आईसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रमुख छात्र नेता नेहा बोरा और उनके संगठन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और आक्रामक रही। इस रैली के ज़रिए नेहा बोरा मुख्यधारा की राजनीति के बड़े विपक्षी नेताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर एक बड़े युवा चेहरे के रूप में उभरी हैं। नेहा बोहरा ने तो अपने संक्षिप्त परन्तु तीखा भाषण देते हुये सीधे तौर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निष्पक्ष होने के बजाय सत्ता पक्ष का इलेक्शन मैनेजर क़रार दिया। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि लोकतंत्र से खिलवाड़ करने वाले अधिकारियों पर न केवल महाभियोग चलना चाहिए, बल्कि



उन्हें जेल भी भेजा जाना चाहिए।

परन्तु सवाल यह है कि क्या इंडिया गठबंधन का यह विशाल शक्ति प्रदर्शन सरकार पर इतना दबाव डाल सकेगा कि सरकार ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटा दे? निश्चित रूप से इण्डिया गठबंधन के पास पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का ताज़ातरीन उदाहरण है जिन्हें गत 25 जुलाई 2026 को भारी सार्वजनिक और राजनीतिक दबाव के चलते त्यागपत्र देना पड़ा था। उस समय अभूतपूर्व जन-आक्रोश और देशव्यापी दबाव को देखते हुए ही धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिक ज़िम्मेदारी लेते हुए इस्तीफ़ा दे दिया था। यह नरेंद्र मोदी सरकार के इतिहास में जनता के सीधे दबाव में किसी बड़े कैबिनेट मंत्री के इस्तीफ़े का एक विरल उदाहरण माना जाता है।

नि:संदेह धर्मेंद्र प्रधान के त्यागपत्र के बाद गत 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी इण्डिया गठबंधन की वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली भी भारतीय राजनीति के लिहाज़ से एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। इस रैली के ज़रिए विपक्ष ने ईवीएम के साथ-साथ सीधे मतदाता सूचियों में कथित हेरफेर और लगभग 13.2 करोड़ वोटर्स के नाम हटाए जाने के मुद्दे को देश के राजनीतिक केंद्र में ला दिया है। इससे भविष्य के चुनावों विशेषकर 2027 के उत्तर प्रदेश, पंजाब और अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों में चुनावी शुचिता पर बड़ी बहस छिड़ गयी है। इस रैली से ठीक पहले 31 अक्टूबर को विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार के विरुद्ध एक प्रतीकात्मक जनता द्वारा महाभियोग प्रस्ताव भी पारित किया। विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग एक स्वायत्त संस्था के बजाय सत्ता पक्ष के इशारे पर काम कर रहा है।

तो क्या इतने सुबूतों व इतने दबाव के बाद ज्ञानेश कुमार जल्द हटाए जा सकते हैं? वास्तव में सरकार व ज्ञानेश कुमार पर अभूतपूर्व दबाव होने के बावजूद संवैधानिक प्रावधानों और वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य के आधार पर ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटाना बेहद जटिल नज़र आता है। भारतीय संविधान के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के जज के समान ही बेहद कठिन है। इसके लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई विशेष बहुमत से महाभियोग प्रस्ताव पास होना ज़रूरी है। वर्तमान में संसद के समीकरणों को देखते हुए विपक्ष के पास अकेले इस तरह का बहुमत भी नहीं है। हाँ अगर न्यायालय इस प्रक्रिया में कोई गंभीर ख़ामी पाता है, तो ज्ञानेश कुमार के पद पर बने रहने पर नैतिक संकट खड़ा हो सकता है। परन्तु सुप्रीम कोर्ट 17 नवंबर 2026 को मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग के कामकाज को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करने वाला है। इस बीच %ढ्ढह्लष्ठढ्ढ% गठबंधन ने साफ़ किया है कि इस रैली की गूंज संसद में दिखाई देगी और वे ज्ञानेश कुमार के ख़िलाफ़ औपचारिक महाभियोग का प्रस्ताव लाएंगे।

केंद्र सरकार,भारतीय जनता पार्टी और ख़ुद चुनाव आयोग ने एसआईआर की प्रक्रिया को पूरी तरह से वैध और पारदर्शी बताया है। जबकि विपक्ष का कहना है कि चुनाव आयोग के अंदर ही अन्य दो चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में एसआईआर से जुड़े फ़ैसलों पर 14 बार औपचारिक आपत्तियां दर्ज कराई थीं। परन्तु विपक्ष के इन आरोपों व सत्ता के बचाव की दलीलों के बीच ऐसा प्रतीत होता है कि जब तक या तो सरकार स्वयं बैकफुट पर नहीं आती या फिर सुप्रीम कोर्ट की ओर से कोई सख़्त निर्णय अथवा टिप्पणी नहीं आती तब तक केवल विपक्ष के दबाव में किसी संवैधानिक प्रमुख को हटाना संभव नहीं लगता। क्योंकि ज्ञानेश कुमार के हटने के फ़ौरन बाद ही केंद्र सहित विभिन्न राज्यों के चुनाव नतीजों की वैधता पर भी सवाल उठने वाला है। इन सब के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या 1 नवंबर का इण्डिया गठबंधन का शक्ति प्रदर्शन ज्ञानेश कुमार को यथा शीघ्र हटा पायेगा?

अमेरिका में क्या है राष्ट्रपति का वीटो पावर, कैसे कर सकते हैं इस्तेमाल

रिपब्लिकन की हार के बाद ट्रंप का नया प्लान

वाशिंगटन

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव 2026 में डेमोक्रेटिक पार्टी ने हाउस और सीनेट दोनों पर नियंत्रण हासिल करने के बाद अमेरिकी राजनीति में वीटो शब्द सबसे ज्यादा चर्चा में आ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर 'वीटो' लिखी हुई एक लाल टोपी की तस्वीर पोस्ट की। फॉक्स न्यूज के अनुसार, उन्होंने साफ किया कि संसद से पास होने वाले कानूनों को रोकने के लिए उनके पास राष्ट्रपति की वीटो शक्ति मौजूद है।



वे बेतुके कानून भेजेंगे और मैं वीटो करूंगा: ट्रंप

सत्ता के इस नए बंटवारे पर बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि जैसा कि आप जानते हैं, ऐसा पहले भी कई बार हो चुका है। यह वीटो की ताकत है और यह किसी राष्ट्रपति के पास मौजूद सबसे बड़ी शक्तियों में से एक है। वे संसद से बेहद बेतुकी चीजें पास करके भेजेंगे और मैं उन पर वीटो लगा दूंगा।

डेमोक्रेट्स ने ट्रंप की कम लोकप्रियता का फायदा उठाते हुए बड़ी जीत दर्ज की है। इस जीत के बाद अब डेमोक्रेटिक पार्टी के पास ट्रंप के कार्यकाल के बाकी बचे दो वर्षों में उनके प्रशासन की नीतियों और फैसलों पर कड़ा नियंत्रण रखने का अधिकार आ गया है।

चुनावी हार के बावजूद ट्रंप का अड़िग रुख

पार्टी को मिले झटके के बावजूद ट्रंप पीछे हटने के मूड में नहीं दिखे और उन्होंने संसद में डेमोक्रेट्स से कड़ा मुकाबला करने के संकेत दिए। चुनाव नतीजों पर चुटकी लेते हुए ट्रंप ने कहा कि उम्मीदवारों की जीत और हार की वजहों पर अब मैं खुद एक पॉलिटिकल पंडित बनने जा रहा हूं, अच्छी और बुरी दोनों तरह की बातें रखूंगा। वहीं दूसरी ओर, ट्रंप ने द न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में यह भी कहा कि वे मध्यावधि चुनाव के नतीजों को स्वीकार करने और डेमोक्रेट्स के साथ काम करने के लिए तैयार हैं।उन्होंने कहा कि मैं इन नतीजों को स्वीकार करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं। हम डेमोक्रेट्स के साथ काम करेंगे और उनके साथ आगे बढ़ने की उम्मीद करते हैं। हम संभवत: कोई न कोई रास्ता निकाल लेंगे।हालांकि, इससे पहले शुरुआती रुझानों में जब डेमोक्रेट्स हाउस और सीनेट में भारी बढ़त बना रहे थे, तब ट्रंप ने खुद को पार्टी की इस हार से अलग दिखाने की कोशिश की थी।

क्या है अमेरिकी राष्ट्रपति का वीटो पावर?

अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में डोनल्ड ट्रंप की वीटो पावर अमेरिकी संविधान के अनुच्छेद 1 और 2 के तहत मिलने वाली एक प्रमुख संवैधानिक शक्ति है, जिसके जरिए वे संसद द्वारा पारित किसी भी विधेयक को कानून बनने से रोक सकते हैं। ट्रंप ने अपने पिछले राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान रक्षा बजट, ईरान सैन्य शक्तियों के प्रस्ताव और सीमा आपातकाल जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर कई बार नियमित वीटो का इस्तेमाल कर विधेयकों को खारिज किया।

हालांकि, अमेरिकी विधायी व्यवस्था के अनुसार राष्ट्रपति का वीटो पूर्ण रूप से अंतिम नहीं होता, यदि अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट दोबारा दो-तिहाई बहुमत से उस विधेयक को पारित कर देते हैं, तो राष्ट्रपति का वीटो निष्प्रभावी हो जाता है और विधेयक राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बिना भी कानून बन जाता है, जैसा कि ट्रंप के कार्यकाल में भी रक्षा विधेयक के मामले में देखा गया था।

ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव को चुनाव लड़ने की चुनौती दी, बोले

नेता क्या जो चुनाव से भागे

लखनऊ, (वार्ता)

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने अखिलेश यादव के आगामी विधानसभा चुनाव में किसी सीट से चुनाव नहीं लड़ने की चर्चाओं पर तंज कसते हुए उन्हें चुनाव मैदान में उतरने की चुनौती दी। राजभर ने सोशल मीडिया एक्स पर अखिलेश यादव को संबोधित करते हुए कहा, सुना है कि आप अगले साल यूपी विधानसभा चुनाव में किसी सीट से नहीं लड़ेंगे। नेता क्या जो चुनाव से भागे? आइये हो जाए दो-दो हाथ। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव को चुनावी मैदान में हार का डर सता रहा है, इसलिए वह चुनाव से दूरी बनाने की तैयारी कर रहे हैं। सुभासपा अध्यक्ष ने अखिलेश पर निशाना साधते हुए कहा कि बिना चुनाव लड़े



मुख्यमंत्री बनना कोई टोना-टोटका नहीं था, बल्कि उन्हें तैयार राजनीतिक विरासत और पार्टी का नेतृत्व मिलने के कारण मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिला था।

उन्होंने तंज किया कि अब जब चुनाव लड़ने की चुनौती सामने है तो मैदान छोड़ने की बात की जा रही है। राजभर ने अपने बयान में नोएडा, आगरा, अयोध्या और मथुरा का जिक्र करते हुए पूर्ववर्ती समाजवादी सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने दस साल पहले ही ऐसी सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया था, जो टोना-टोटका और अंधविश्वास में विश्वास करती थी। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि अब सभी टोना-टोटका और भूत-प्रेत झाड़ दिए गए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि अखिलेश यादव एक बार मुख्यमंत्री बन पाए हैं और भविष्य में उनके दोबारा मुख्यमंत्री बनने की संभावना नहीं है। राजभर ने कहा कि कम से कम उन्हें हिम्मत दिखाते हुए किसी एक विधानसभा सीट से चुनाव लड़ना चाहिए था, लेकिन चुनौती मिलने पर वह पीछे हटते नजर आ रहे हैं।

राजभर ने अखिलेश यादव के वाराणसी दौरे को लेकर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि अखिलेश के पास चौराहे पर रुककर मिठाई खाने का समय था, लेकिन बाबा विश्वनाथ के दरबार में शीश झुकाने का समय नहीं मिला। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश को पास ही स्थित काल भैरव मंदिर में भी दर्शन करने जाना चाहिए था। राजभर ने अपने संदेश का समापन जय भारत, जय श्रीराम, जय परशुराम, जय श्रीकृष्ण और जय महाराजा सुहेलदेव के उद्घोष के साथ किया।

चुनावों में हार के नए रिकॉर्ड बना रही कांग्रेस और इंडी गठबंधन की हताशा अब अराजकता की राजनीति में बदल गई है: मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ,(वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कांग्रेस व इंडी गठबंधन पर करारा प्रहार किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि इनके नेतृत्वकर्ताओं में क्लैरिटी, कैपेसिटी और क्रेडिबिलिटी का पूरा अभाव है। जनादेश का अनादर इसी सोच का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनावों में हार के नए रिकॉर्ड बना रही कांग्रेस और इंडी गठबंधन की हताशा अब अराजकता की राजनीति में बदल गई है। इनके नेतृत्वकर्ताओं में क्लैरिटी, कैपेसिटी और क्रेडिबिलिटी का पूरा अभाव है। जनादेश का अनादर इसी सोच का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस अराजकता के विरुद्ध जनजागरण और लोकतंत्र की गरिमा की रक्षा का संकल्प लेकर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन जी के साथ गोरखपुर में आयोजित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा में सहभागिता करूंगा। मुख्यमंत्री ने एक तरफ कांग्रेस व इंडी गठबंधन की अराजकता पर सवालिया निशान उठाया तो दूसरी तरफ देशवासियों को आश्वस्त किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में हम भारत के महान लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।



उत्तराखंड में सरकारी जमीन की बंदरबांट, कार्रवाई नहीं होने पर अपनाएंगे कानूनी रास्ता : कांग्रेस

नयी दिल्ली, (वार्ता)

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि उत्तराखंड में सरकारी जमीन औने-पौने दाम पर निजी हाथों को सौंपकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है जिसे लेकर पार्टी राज्यपाल को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग करेगी और कार्रवाई नहीं होने पर कानूनी रास्ता अपनाया जाएगा। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता तथा उत्तराखंड की प्रभारी कुमारी सैलजा ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पूरे उत्तराखंड में करीब 40 स्थानों पर सरकारी जमीनों, हेरिटेज संपत्तियों और विभिन्न परियोजनाओं से जुड़ी जमीनों को बाजार मूल्य से बहुत कम कीमत पर निजी लोगों को सौंपा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जमीनों के मामले में सारी शक्तियां अपने हाथ में केंद्रित कर ली हैं और अनुशंसा समिति में भी वह अकेले सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि ऋषिकेश में आईडीपीएल की 633 एकड़ जमीन, मसूरी की 142 एकड़ जमीन तथा धनोल्टी, नैनीताल और रामगढ़ में वन भूमि से जुड़े मामले भी गंभीर हैं। इसी तरह का मामला डाकपत्थर में 190 एकड़ और रानीबाग में 53 एकड़ जमीन का भी हैं। इन जमीनों को किस आधार पर और किसे सौंपा जा रहा है, इसका कोई स्पष्ट जवाब नहीं है।उन्होंने कहा कि एक बार जमीन निजी हाथों में चली गई तो फिर उसे वापस लेना मुश्किल हो जाएगा।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि धामी सरकार लोगों की जमीनों पर कब्जा कर रही है और उन्हें धोखा दे रही है। मुख्यमंत्री पर अपने प्रचार प्रसार के लिए 11 हजार करोड़ रुपये खर्च करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि यदि वास्तव में विकास कार्य हुए होते तो यह पैसा खर्च करने की ज़रूरत नही होती और राज्य की यह स्थिति भी नहीं होती।

उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर कांग्रेस नेता और आम लोग जमीनों की कथित बंदरबांट तथा भ्रष्टाचार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना था कि इन मामलों में कांग्रेस ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत तथ्य जुटाए हैं और इन दस्तावेजों और सबूतों के आधार पर राज्यपाल को ज्ञापन दिया जाएगा। यदि इसके बाद भी कार्रवाई नहीं हुई तो पार्टी कानूनी विकल्प अपनाएगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर इन सभी मामलों का खुलासा किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दो साइन से विभिन्न विभागों की 1,080 एकड़ जमीन उत्तराखंड निवेश और ढांचागत विकास बोर्ड (यूआईआईडीबी) को सौंप दी गई है। इस मामले में हैरानी की बात ये है कि जमीन किससे लेनी और किसे देनी है- ये दोनों काम खुद श्री धामी ही तय करेंगे। उन्होंने कहा कि अब निजी हाथों को जमीन सौंपने के लिए टेंडर निकाले गए हैं, जिसमें पटवा डांगर की 14 एकड़ जमीन, अलकनंदा होटल शामिल है। उनका कहना था कि राज्य सरकार भूमि बैंक के जरिए लोगों के लिए काम ही नहीं करना चाहती वह बस जमीनों को मार्केट रेट के बजाए औने- पौने दाम पर निजी लोगों को सौंप रही है।

हिरियूर उपचुनाव में राजग उम्मीदवार के तौर पर जद (एस) को लड़ाना चाहिए: कुमारस्वामी

बेंगलुरु, (वार्ता)। केंद्रीय मंत्री एवं जनता दल (सेक्युलर) नेता एचडी कुमारस्वामी ने बुधवार को कहा कि वह चाहते हैं कि आगामी हिरियूर विधानसभा उपचुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार के तौर पर जद (एस) का प्रत्याशी मैदान में उतरे। हिरियूर और चित्रदुर्ग के जद (एस) नेताओं के साथ बैठक के बाद अपनी पसंद स्पष्ट करते हुए श्री कुमारस्वामी ने कहा कि पार्टी के स्थानीय नेताओं ने जद (एस) उम्मीदवार को मैदान में उतारने की ज़ोरदार वकालत की है और आखिरी फ़ैसले से पहले वह इस मांग को भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के सामने उठायेंगे। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि हिरियूर उपचुनाव में राजग उम्मीदवार के तौर पर जद (एस) उम्मीदवार को मैदान में उतारा जाना चाहिए। मैं इस बारे में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से बात करूंगा। दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ रही हैं। हम हिरियूर विधानसभा क्षेत्र में भी बिना किसी संशय के मिलकर काम करेंगे। उपचुनाव आसान नहीं है। मेरा मानना है कि राजग उम्मीदवार के तौर पर जद (एस) के प्रत्याशी को चुनाव लड़ना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आम सहमति वाले राजग उम्मीदवार के सवाल पर कडुगोला समुदाय के नेताओं और केंद्र में भाजपा नेताओं के साथ चर्चा हुई थी, जिससे दोनों गठबंधन सहयोगियों के बीच तालमेल की ज़रूरत पर ज़ोर दिया गया। जद (एस) की मांग इसलिए अहम हो जाती है क्योंकि भाजपा की केंद्रीय नेतृत्व ने अभी तक उम्मीदवार पर आखिरी फ़ैसला नहीं लिया है। श्री कुमारस्वामी ने संकेत दिया कि पार्टी गठबंधन के अंदर किसी भी तरह की उलझन पैदा करने के बजाय सलाह-मशविरे के ज़रिए अपनी दावेदारी पेश करेगी। कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक की वित्तीय स्थिति खराब हो गयी है और दावा किया कि ठेकेदार पूरे हो चुके कामों के लिए लगभग 38,000 करोड़ रुपये का इंतज़ार कर रहे हैं।

गैंगस्टर अबू सलेम से मुलाकात के आरोपों पर प्यारे खान ने 250 करोड़ की मानहानि का केस दर्ज कराया

नागपुर, (वार्ता)

महाराष्ट्र राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष प्यारे खान ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के पांच कार्यकर्ताओं के खिलाफ 250 करोड़ रुपये का मानहानि का मामला दर्ज कराया है। इन कार्यकर्ताओं ने नासिक केंद्रीय कारागार में आधिकारिक दौरे के दौरान गैंगस्टर अबू सलेम से उनकी मुलाकात को लेकर उन पर झूठे और बदनाम करने वाले आरोप लगाए हैं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने श्री खान पर जेल में कुख्यात गैंगस्टर से मिलने का आरोप लगाया और उनके इस्तीफे की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस आंदोलन ने धार्मिक मोड़ तब ले लिया जब दोनों संगठनों के कार्यकर्ताओं ने श्री खान के एक हिंदू धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद शुद्धिकरण की रस्म की। श्री खान के वकील आनंद देशपांडे ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मानहानि का केस नागपुर की सत्र अदालत में अमोल ठाकरे, विलास पाटिल, शुभम अडके, गजेंद्र उर्फ टिकू विजय और लखन कुरियन के खिलाफ दायर किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पांचों कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर बदनाम करने वाले पोस्ट डाले थे और कुछ न्यूज़ चैनलों के ज़रिए बयान दिए थे, जिसमें श्री खान पर अबू सलेम से मिलने का आरोप लगाया गया था। उन्होंने साफ़ किया कि श्री खान का जेल जाना एक आधिकारिक दौरे का हिस्सा था। इस मुकदमे में झूठे आरोपों और सार्वजनिक बयानों से श्री खान की छवि धूमिल करने के लिए, पाँचों प्रतिवादियों में से हर एक से कई संयुक्त ज़िम्मेदारियों के साथ 50 करोड़ रुपये का हर्जाना माँगा गया है।

दिल्ली को नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए प्रयास कर रही सरकार : रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली, (वार्ता)

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि राजधानी की हर छत को सौर ऊर्जा का स्रोत बनाने और दिल्ली को स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। श्रीमती गुप्ता ने बुधवार को यहां भारत मंडपम में आयोजित भारत नवीकरणीय ऊर्जा सम्मेलन एवं एक्सपो के सोलर प्लेनरी सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में अब तक लगभग एक लाख लोगों ने सौर ऊर्जा अपनाने के लिए पंजीकरण कराया है, जो इस दिशा में लोगों के बढ़ते विश्वास और जागरूकता का प्रमाण है।



उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। दिल्ली सरकार भी केंद्र के साथ मिलकर राजधानी को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। दिल्ली सरकार इस योजना को आगे बढ़ाते हुए लोगों को अपने घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगवाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इसके तहत दिल्ली में तीन किलोवाट तक के रूफटॉप सोलर सिस्टम मुफ्त लगाए जा रहे हैं, जबकि इससे अधिक क्षमता वाले सिस्टम पर 1.56 लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि राजधानी के हर घर में सौर ऊर्जा का उपयोग हो, परिवारों को बिजली के बिल में राहत मिले और दिल्ली सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत करे। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा केवल तकनीकी पहल तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे प्रत्येक परिवार की जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा।

उन्होंने कहा कि भारत नवीकरणीय ऊर्जा सम्मेलन जैसे आयोजन स्वच्छ ऊर्जा के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसमें देश-दुनिया के प्रतिनिधियों, विशेषज्ञों और उद्योग जगत के लोगों का एक मंच पर आना इस क्षेत्र में सहयोग और नई संभावनाओं को बढ़ावा देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में मिलकर आगे बढ़ रही है और दिल्ली सरकार भी ऊर्जा आत्मनिर्भरता तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने प्रयास जारी रखेगी।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

रश्मिका मंदाना के लिए खास है धनतेरस का त्योहार, परिवार और परंपराओं से जुड़ाव पर की बात



अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने धनतेरस के त्योहार को परिवार, परंपराओं और नई शुरुआत से जुड़ा खास अवसर बताया है।रश्मिका मंदाना ने कहा कि व्यस्त दिनचर्या के बीच परिवार के साथ समय बिताना और त्योहारों की खुशियां साझा करना उन्हें बेहद पसंद है। रश्मिका ने कहा, सबको एक साथ देखकर हमेशा बहुत खुशी होती है। अपने व्यस्त कार्यक्रम के बीच जब भी मौका मिलता है, मैं परिवार के साथ समय बिताना और इन खास मौकों की खुशियों को महसूस करना पसंद करती हूं। धनतेरस एक खूबसूरत त्योहार है, जो अपने साथ खुशियां और सकारात्मक ऊर्जा लेकर आता है। धनतेरस पर खरीदारी के बारे में उन्होंने कहा कि इस साल उन्होंने कुछ खास नहीं खरीदा है, लेकिन आने वाले नए अनुभवों और अवसरों को लेकर वह उत्साहित हैं। उनके अनुसार, धनतेरस नई शुरुआत का प्रतीक है और जीवन में अछे बदलावों को अपनाने का अवसर देता है। सोने के गहनों के प्रति अपने लगाव का जिक्र करते हुए रश्मिका ने बताया कि उनकी मां के पास सोने के कुछ खूबसूरत सेट हैं। खास अवसरों पर मां के गहने पहनना उन्हें पसंद है। इससे उनके त्योहार के पहनावे में परंपरा का खूबसूरत स्पर्श जुड़ जाता है। रश्मिका को प्रशंसक नेशनल क्रश, क्रशमिका और श्रीवल्ली के नाम से भी जानते हैं। उन्हें गोल्डन गर्ल और अशर्फी गर्ल के नाम से भी पहचान मिली है।



सलमान की आवाज में रिलीज हुआ मातृभूमि का गाना तेरी सेक्सी ब्यूटी, चित्रांगदा सिंह के साथ दिखी शानदार केमिस्ट्री

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की आगामी फिल्म मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस का नया गाना तेरी सेक्सी ब्यूटी रिलीज हो गया है। खास बात यह है कि इस गाने को सलमान खान ने अपनी आवाज दी है। गाने में उनके साथ अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह नजर आ रही हैं। दोनों की शानदार केमिस्ट्री और आकर्षक अंदाज गाने का मुख्य आकर्षण है। गाने में चित्रांगदा सिंह अपने ग्लैमरस अंदाज से दर्शकों का ध्यान खींच रही हैं, वहीं सलमान खान का खास अंदाज और स्क्रीन प्रेजेंस इसे और दिलचस्प बना रहा है। दोनों की जोड़ी पहली बार इस अंदाज में दर्शकों के सामने आई है। तेरी सेक्सी ब्यूटी को साजिद खान ने संगीत देने के साथ इसके बोल भी लिखे हैं, जबकि सीजर गोंजाल्विस ने इसकी कोरियोग्राफी की है। सलमान की आवाज, आकर्षक संगीत और शानदार प्रस्तुति से सजा यह गाना फिल्म के मनोरंजन पक्ष को नया रंग देता है। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस का निर्माण सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। यह फिल्म सैनिकों की कहानी पर आधारित है। फिल्म का फर्स्ट लुक और टीजर जारी होने के बाद से ही इसे लेकर दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है। तेरी सेक्सी ब्यूटी सभी प्रमुख म्यूजिक प्लेटफॉर्म पर रिलीज कर दिया गया है।

हनुमान अंश की सफलता से विशाल चतुर्वेदी सफल डेब्यू निर्देशकों की सूची में शामिल

लेखक-निर्देशक विशाल चतुर्वेदी अपनी पहली फिल्म हनुमान अंश की शानदार बॉक्स ऑफिस सफलता के साथ भारतीय सिनेमा के सफल डेब्यू निर्देशकों में शामिल हो गए हैं। फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 346 करोड़ रुपये से अधिक का नेट कलेक्शन किया है, जबकि दुनियाभर में इसकी कमाई लगभग 460 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। ये आंकड़े ट्रेड अनुमानों पर आधारित हैं।सिनेमाघरों में 88 दिन पूरे कर चुकी हनुमान अंश का प्रदर्शन जारी है। फिल्म की व्यावसायिक सफलता ने विशाल चतुर्वेदी को पहली ही फिल्म से बड़ी पहचान दिलाई है।



जैकी श्रॉफ और शरद केलकर की काली खेती का टीज़र रिलीज़, 20 नवंबर को सिनेमाघरों में आएगी फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ और शरद केलकर की आगामी हॉरर फिल्म काली खेती का टीज़र रिलीज़ हो गया है। हरीस इम्तियाज खान के लेखन और निर्देशन में बनी यह फिल्म ग्रामीण परिवेश, लोककथाओं और रहस्यमयी ताकतों के इर्द-गिर्द बुनी गई है।



फिल्म में खेती और जमीन से जुड़े एक डरावने रहस्य को दिखाया गया है, जो पूरे गांव को अपनी गिरफ्त में लिए हुए है। टीज़र में एक ऐसे गांव की झलक दिखाई गई है, जहां जीवन और रोजी-रोटी का आधार बनी जमीन ही लोगों के डर की वजह बन गई है। खेती यहां महज आजीविका का साधन नहीं, बल्कि एक रहस्यमयी शक्ति के रूप में सामने आती है। मेकर्स ने इस अनजानी ताकत के रहस्य से पर्दा नहीं उठाया है, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। टीज़र में जैकी श्रॉफ अपने दमदार अंदाज में नजर आते हैं, जबकि शरद केलकर की प्रभावशाली मौजूदगी कहानी के रहस्य को और गहरा करती है। दोनों कलाकारों के किरदारों को लेकर फिलहाल यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म की कहानी ग्रामीण भारत की लोककथाओं, स्थानीय मान्यताओं और पीढ़ियों से चले आ रहे रहस्यों को हॉरर के साथ जोड़ती है। इसकी खासियत यह है कि इसमें खेती और जमीन जैसे आम जीवन से जुड़े विषय को डरावनी कहानी का केंद्र बनाया गया है। सना खान द्वारा निर्मित इस फिल्म में जैकी श्रॉफ और शरद केलकर के अलावा नेहा सरगम, वीरेंद्र सक्सेना और शाजी चौधरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। ब्लैककैनवस स्टूडियो के बैनर तले बनी काली खेती 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का टीज़र यूट्यूब पर जारी कर दिया गया है।

सुनवारा में शासकीय जमीनों पर कब्जे का आरोप भाजपा पदाधिकारियों के परिजन भी घेरे में!

मंडल अध्यक्ष सुजीत मिश्रा और युवा मोर्चा मंडल महामंत्री पंकज बघेल के परिवार पर सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण के आरोप, पटवारी ने बनाया पंचनामा, फिर भी कार्रवाई का इंतजार

धनौरा/सुनवारा। सिवनी जिले की धनौरा तहसील अंतर्गत ग्राम सुनवारा में शासकीय भूमि पर कथित अतिक्रमण का मामला अब राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बनता जा रहा है। आरोप है कि भाजपा मंडल अध्यक्ष सुजीत मिश्रा एवं भाजपा युवा मोर्चा मंडल महामंत्री पंकज बघेल के परिजनों द्वारा राजनीतिक रसूख और प्रशासनिक संरक्षण के चलते शासकीय भूमियों पर कब्जा किया गया है।

प्राप्त शिकायत के अनुसार ग्राम सुनवारा में भाजपा मंडल अध्यक्ष सुजीत मिश्रा पर शासकीय उपस्वास्थ्य केंद्र एवं चारागाह की भूमि पर अतिक्रमण करने के आरोप लगाए गए हैं। वहीं, भाजपा युवा मोर्चा मंडल महामंत्री पंकज बघेल के पिता संतोष बघेल एवं चाचा



दिलीप बघेल पर भी शासकीय भूमि पर कब्जा करने के आरोप हैं।

पटवारी ने किया निरीक्षण, पंचनामा बनाकर तहसीलदार को दी जानकारी: मामले में बताया जा रहा है कि संबंधित शासकीय भूमि का पटवारी द्वारा निरीक्षण किया गया तथा मौके पर पंचनामा तैयार कर तहसीलदार को अवगत कराया गया। इसके बावजूद अब तक अतिक्रमण हटाने की प्रभावी कार्रवाई सामने नहीं आई है।

आरोप है कि राजस्व विभाग की कार्रवाई के बाद पंकज बघेल के पिता एवं चाचा द्वारा तहसीलदार के समक्ष कथित रूप से गलत तथ्य प्रस्तुत करते हुए कब्जा नहीं होने का कथन दिया गया। शिकायतकर्ता का सवाल है कि जब पटवारी द्वारा मौके का निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया गया था, तो संबंधित कथन की वास्तविकता की जांच क्यों नहीं कराई गई? यदि आवेदन में गलत जानकारी दी गई है, तो उसकी जांच कर नियमानुसार कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

भाजपा संगठन की चुप्पी पर भी सवाल

इस पूरे मामले में अब भाजपा संगठन की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। क्या भाजपा संगठन शासकीय जमीनों पर कथित अतिक्रमण के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए अपने पदाधिकारियों से जवाब मांगेगा? क्या मंडल अध्यक्ष सुजीत मिश्रा एवं युवा मोर्चा मंडल महामंत्री पंकज बघेल से संगठन स्पष्टीकरण मांगेगा?

एक ओर सरकार शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर पार्टी के पदाधिकारियों और उनके परिजनों पर ही सरकारी जमीनों पर कब्जे के आरोप लगना कई सवाल खड़े करता है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या भाजपा संगठन कथित अतिक्रमण के मामले में निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करेगा या फिर राजनीतिक रसूख के आगे प्रशासन और संगठन दोनों मौन रहेंगे? ग्राम सुनवारा के इस मामले में जिला प्रशासन, तहसीलदार एवं भाजपा जिला संगठन की प्रतिक्रिया का इंतजार है।

सिवनी के गौरव महामहिम डॉ. ढालसिंह बिसेन का 7 नवंबर को प्रथम नगर आगमन

बाहुबली लॉन में होगा नागरिक अभिनंदन

सिवनी। स्वतंत्र मत। मध्यप्रदेश के सिवनी जिले की माटी से निकलकर देवभूमि उत्तराखंड के महामहिम राज्यपाल के संवैधानिक दायित्व तक पहुंचने वाले डॉ. ढालसिंह बिसेन का आगामी 7 नवंबर दिन शनिवार को प्रथम नगर आगमन संभावित है। उनके इस ऐतिहासिक आगमन को यादगार बनाने के लिए सिवनी नगर में भव्य नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित करने की तैयारियां की जा रही हैं। नगर के बाहुबली लॉन में प्रस्तावित इस गरिमामय आयोजन में सामाजिक, साहित्यिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ बड़ी संख्या में जिलेवासी महामहिम राज्यपाल का आत्मीय अभिनंदन करेंगे।

जिले के गौरव और सम्मान का अवसर

आयोजकों का कहना है कि डॉ. ढालसिंह बिसेन का उत्तराखंड के राज्यपाल जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर आसीन होना केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि संपूर्ण सिवनी जिले के लिए गौरव और प्रतिष्ठा का विषय है। उनकी इस उपलब्धि से जिले का मान राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ा है। यही कारण है कि उनके प्रथम नगर आगमन को लेकर नागरिकों में विशेष उत्साह और स्वागत की भावना है।

सार्वजनिक जीवन में योगदान को मिलेगा सम्मान



डॉ. बिसेन ने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में जनसेवा, क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े विषयों पर सक्रिय भूमिका निभाई है। उनके प्रयासों और कार्यों से सिवनी जिले को विभिन्न सौगातें मिली हैं। सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान और अब राज्यपाल के रूप में मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को लेकर नगरवासी स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। यह नागरिक अभिनंदन समारोह किसी एक संस्था अथवा संगठन का आयोजन मात्र नहीं, बल्कि अपनी माटी के गौरव को सम्मान देने के लिए पूरे नगर की सामूहिक भावनाओं की अभिव्यक्ति के रूप में देखा जा रहा है। आयोजकों ने नगर के सभी वर्गों, सामाजिक संगठनों, प्रबुद्धजनों और नागरिकों से इस गरिमामय अवसर पर सहभागिता की अपेक्षा की है।

श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व आज से



सिवनी। स्वतंत्र मत। जिला मुख्यालय के हृदय स्थल स्थित भगवान श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व का भव्य आयोजन दिनांक 05 नवंबर 2026 से प्रारंभ होने जा रहा है। यह पावन पर्व 09 नवंबर 2026 तक श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा।

अध्यक्ष नरेंद्र (गुड्डू) ठाकुर एवं मंदिर समिति द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, दीपोत्सव पर्व के दौरान प्रतिदिन प्रात: 6 से 7.30 बजे तक भगवान श्री लक्ष्मीनारायण का विशेष दिव्य पूजन, तत्पश्चात प्रात: 8 से 10 बजे तक सहस्त्रार्चन (1008 वस्तुओं से पूजन) तथा प्रात: 9.30 बजे आरती एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। सायंकाल 6 बजे दीपदान एवं 7 बजे भगवान श्री लक्ष्मीनारायण की महाआरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया जाएगा।

पांच दिवसीय दीपोत्सव के विशेष कार्यक्रम इस प्रकार रहेंगे

05 नवंबर - एकादशी पूजन एवं दीपोत्सव का शुभारंभ। 06 नवंबर - धनतेरस पूजन। 07 नवंबर - नरक चतुर्दशी पूजन। 08 नवंबर - दीपावली महोत्सव (मुख्य दीपोत्सव एवं दीपदान)। 09 नवंबर - अन्नकूट पूजन, भगवान श्री लक्ष्मीनारायण की विशेष महाआरती एवं विशाल नगर भोज (महाप्रसाद वितरण)। इस पावन दीपोत्सव के सभी धार्मिक अनुष्ठान मंदिर के प्रधान पुजारी पं. हेमंत त्रिवेदी एवं पं. राजेश मिश्र द्वारा संपादित कराए जाएंगे। दीपोत्सव के अंतिम दिवस 09 नवंबर को अन्नकूट पूजन के पावन अवसर पर विशाल नगर भोज का आयोजन किया जाएगा, जिसमें समस्त नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद वितरण होगा। अध्यक्ष नरेंद्र (गुड्डू) ठाकुर एवं मंदिर समिति ने समस्त क्षेत्रवासियों एवं भक्तजनों से विनम्र निवेदन किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस दिव्य एवं भव्य दीपोत्सव में सहभागी बनें तथा भगवान श्री लक्ष्मीनारायण का आशीर्वाद एवं पुण्यलाभ प्राप्त करें।

प्रस्फुटन समितियों का सेक्टर स्तरीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण संपन्न

धनोरा। स्वतंत्र मत। मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद, विकासखंड धनोरा, जिला सिवनी के प्रस्फुटन शक्ति संचय अभियान अंतर्गत सेक्टर सालीवाड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत सालीवाड़ा में नवांकुर संस्था स्व सेठ कामता प्रसाद जैन जी सर्वोदय समिति द्वारा प्रस्फुटन समितियों का सेक्टर स्तरीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं पूजन-अर्चन के साथ हुआ। प्रशिक्षण में मुख्य अतिथि यूनिश खान शिक्षक सहित शिक्षक ,श्याम उइके विकासखंड समन्वयक व ग्रामीण उपस्थित रहे। प्रथम सत्र में विकासखंड समन्वयक श्याम उइके ने मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद के उद्देश्यों, योजनाओं एवं गतिविधियों की जानकारी देते हुए



सामूहिकता, स्वावलंबन, जनभागीदारी, स्वैच्छिकता और सामाजिक संस्थाओं के बीच समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने प्रस्फुटन, नवांकुर, सृजन, दृष्टि, संवाद, विस्तार तथा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की जानकारी दी। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल संरक्षण, कृषि, सुपोषण, महिला सशक्तिकरण एवं शासकीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार जैसे विषयों पर चर्चा की। द्वितीय एवं तृतीय सत्र सयुक्त रूप से श्याम उइके और वीरसिंह वैश्ले ने समितियों के दस्तावेजीकरण, अभिलेख संधारण तथा प्रस्फुटन समितियों को स्वयंसेवी संगठनों के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया समझाई। चतुर्थ सयुक्त सत्र पीतम रजक,रामप्रसाद निर्मलकर मेंटर्स ने संवाद कौशल की आवश्यकता एवं तकनीकों पर प्रकाश डाला। समितियों के प्रमुख दस्तावेजीकरण को संयुक्त सत्र में श्याम उइके विकासखंड समन्वयक व रामप्रसाद निर्मलकर मेंटर्स द्वारा बैठक पंजी,प्रस्ताव पंजी, कार्यक्रम पंजी, सूचना पंजी,आय व्यय पंजी के बारे में विस्तार से लिया गया।

समापन सत्र में प्रतिभागियों से फीडबैक लिया गया तथा अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। प्रशिक्षण में मेंटर्स रामप्रसाद निर्मलकर,पीतम रजक, जितेंद्र डहेरिया, नवांकुर संस्था से खिलावन सेन, कोमलसिंह उइके, वीरसिंह वैश्ले, प्रस्फुटन समिति से ओमकार सिंह परते,सरस्वती पटेल, शिवदीन मरावी , जलेसिंह उइके, विनेश इनवाती, जगजीवन पटेल, कैलाश परते ,रामबती परते, सुकल मरावी, राजकुमारी भलावी, तिजिया टेकाम सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अंत में विकासखंड समन्वयक श्याम उइके ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

5वीं नेशनल कराटे चैंपियनशिप में बालाघाट के खिलाड़ियों ने जीते 29 पदक

12 स्वर्ण, 12 रजत और 5 कांस्य पदक जीतकर मध्य प्रदेश को दिलाया गौरव

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आयोजित 5वीं नेशनल कराटे चैंपियनशिप में बालाघाट जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 29 पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में जिले के 15 खिलाड़ियों ने भाग लेकर 12 स्वर्ण, 12 रजत और 5 कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। वहीं मध्य प्रदेश की टीम ने प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। मध्य प्रदेश कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन एसोसिएशन तथा छत्तीसगढ़ शुतो कान स्पोर्ट्स कराटे-डू इंडिया एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक रायपुर के ग्राम चंदखुरी स्थित कौशल्या भवन में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का संचालन रायपुर जिला



एसोसिएशन के अध्यक्ष शिहान ईशांत महंत के नेतृत्व में किया गया। इसमें झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना सहित विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।बालाघाट जिले के खिलाड़ियों ने मध्य प्रदेश कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी के मार्गदर्शन में तथा मुख्य कराटे प्रशिक्षक संतोष पारधी एवं सहायक प्रशिक्षक शुभम मानेश्वर के नेतृत्व में प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। खिलाड़ियों ने कराटे की दोनों विधाओं काता एवं कुमिते में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक हासिल किए।

इन खिलाड़ियों ने जीते पदक... प्रतियोगिता में डाली माहुरकर ने 1 स्वर्ण और 1 रजत, नेहा झाड़े ने 2 रजत, रिया राकेसिया ने 1 स्वर्ण और 1 रजत, ईशा अग्रवाल ने 1 रजत और 1 कांस्य, चार्वी बोपचे ने 2 स्वर्ण, निमा बैनी बंगड़े ने 1 रजत और 1 कांस्य, तनीषा बांगड़े ने 1 स्वर्ण और 1 रजत, शिवम बावनकर ने 1 रजत, मान्या कटरे ने 2 स्वर्ण, आराध्या धुवारे ने 2 रजत, प्रज्ञा यादव ने 1 स्वर्ण और 1 कांस्य, रिहान गंगभोज ने 2 रजत, काव्य राणा ने 1 स्वर्ण और 1 कांस्य, एंजेल कांवरे ने 1 स्वर्ण और 1 कांस्य तथा अक्षरा पाचे ने 1 स्वर्ण और 1 रजत पदक अर्जित किया।

बालाघाट के खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर संस्था के संरक्षक अनिल धुवारे, अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, उपाध्यक्ष रविंद्र भाटिया, सह सचिव चंद्रकांत पिपलेवार, कोषाध्यक्ष सरिता सोनकर, जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा एवं खेल विभाग के समस्त स्टाफ ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मॉयल के शुद्ध लाभ में 22.5 प्रतिशत की शानदार वृद्धि

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। भारत सरकार की मिनीरत्न सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी मॉयल लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में शानदार वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी के शुद्ध लाभ में पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में 22.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़कर 149.39 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 121.94 करोड़ रुपये था।कंपनी के निदेशक मंडल की 2 नवंबर को हुई बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही के वित्तीय एवं परिचालन परिणामों को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही बोर्ड ने 10 रुपये प्रति इक्विटी शेयर पर 2.20 रुपये का पहला अंतरिम लाभांश घोषित किया है। कंपनी की परिचालन से प्राप्त आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। यह 8.7 प्रतिशत बढ़कर 740.01 करोड़ रुपये पहुंच गई, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 680.80 करोड़ रुपये थी। वहीं, कर पूर्व लाभ में 22.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 188.75 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। कंपनी की कुल आय भी 5.81 प्रतिशत बढ़कर 776.15 करोड़ रुपये हो गई।वित्तीय प्रदर्शन के साथ-



साथ मॉयल ने उत्पादन और बिक्री के क्षेत्र में भी बेहतर परिणाम हासिल किए हैं। पहली छमाही में कंपनी का मैंगनीज अयस्क उत्पादन 1.76 प्रतिशत बढ़कर 9.61 लाख टन पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में उत्पादन 9.44 लाख टन था। वहीं, मैंगनीज अयस्क की बिक्री में 9.67 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी ने इस अवधि में 7.78 लाख टन अयस्क की बिक्री की, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 7.10 लाख टन था।मॉयल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वी. सुरेश ने कंपनी के बेहतर प्रदर्शन का श्रेय रणनीतिक योजना, खनन कार्यों में सुधार और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि कंपनी सतत विकास की दिशा में लगातार प्रयासरत है। इसके लिए वेस्ट टू वेल्थ (कचरे से संपदा) जैसी पहलों के साथ नए व्यावसायिक अवसरों की तलाश और अन्वेषण गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कंपनी का यह प्रदर्शन वित्तीय मजबूती के साथ-साथ उत्पादन क्षमता, बाजार में बिक्री और परिचालन दक्षता में निरंतर सुधार को भी दर्शाता है।

मंडी शुल्क चोरी, मक्का का परिवहन करते ट्रक पकड़ा

मंडी समिति और राजस्व विभाग की संयुक्त कार्रवाई, परिवहनकर्ता से 74,734 रुपये का दांडिक मंडी शुल्क वसूला

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। कृषि उपज के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए मंडी समिति और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए 293 क्विंटल मक्का का अवैध परिवहन कर रहे एक ट्रक को पकड़ा है। बालाघाट-गोंदिया मार्ग पर मर्री टोल प्लाजा के पास की गई इस कार्रवाई में परिवहनकर्ता फर्म से 74 हजार 734 रुपये का दांडिक मंडी शुल्क वसूल किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एसडीएम बालाघाट श्री गोपाल सोनी के निर्देशन में मंडी समिति एवं राजस्व विभाग का संयुक्त दल 3 अक्टूबर 2026 की रात्रि में मंडी क्षेत्र का निरीक्षण कर रहा था। इसी दौरान मर्री टोल प्लाजा पर ट्रक क्रमांक एमएच 40 बीजी 4165 को रोककर जांच की गई। जांच में ट्रक में 293 क्विंटल मक्का लोड पाया गया। यह मक्का सिवनी जिले के कान्हीवाड़ा से राजनांदगांव ले जाया जा रहा था। परिवहन के दौरान ट्रक चालक के पास वैध मंडी अनुज्ञा पत्र नहीं पाया गया। इस पर मध्यप्रदेश कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 की धारा 19(6) के उल्लंघन का प्रकरण तैयार कर परिवहनकर्ता फर्म मेसर्स शंकरलाल साहू, कान्हीवाड़ा से 74,734 रुपये का दांडिक मंडी शुल्क वसूल किया गया। संयुक्त कार्रवाई में मंडी सचिव उत्तम प्रसाद नादोनिया, मंडी निरीक्षक भानेश्वर तुरकर एवं मनोज पटले, राजस्व निरीक्षक हितेंद्र सिंह मर्सकोले तथा उपनिरीक्षक जीवनसिंह कुसरे शामिल रहे।एसडीएम एवं मंडी समिति के भारसाधक अधिकारी गोपाल सोनी ने निर्देश दिए हैं कि मंडी समिति बालाघाट के अंतर्गत बालाघाट, लामता, चांगोटोला, लांजी, किरनापुर एवं रजेगांव मंडी क्षेत्रों में कृषि उपज के अवैध परिवहन और अवैध भंडारण पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रखी जाए।



बकरी पालन योजना में भ्रष्टाचार!

पशुपालन विभाग डॉ.अक्षय साहू के खिलाफ के आरोपों के साथ थाने में शिकायत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। शासन की बकरी पालन योजना का लाभ दिलाने के नाम पर रुपये की मांग और आवेदन को जानबूझकर लटकाने का गंभीर आरोप सामने आया है। तिरोड़ी तहसील के ग्राम धनकोषा निवासी चार हितग्राहियों ने पशु चिकित्सालय कटंगी में पदस्थ डॉ. अक्षय साहू के विरुद्ध बुधवार 04 नवंबर को थाना प्रभारी कटंगी को लिखित शिकायत सौंपकर उचित दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ताओं में इनेन्द्र ठाकरे, टेकचन्द ठाकरे, रविन्द्र ठाकरे और नोमेन्द्र राहंगडाले शामिल हैं। शिकायत के अनुसार, आवेदकों ने लगभग 3 माह पूर्व बकरी पालन के



लिए शासन की 10 प्लस 1 योजना के तहत मय दस्तावेजों सहित पशु चिकित्सालय कटंगी में आवेदन प्रस्तुत किए थे। आवेदन के बाद उन्होंने कई बार योजना की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली, लेकिन उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। परेशान होकर आवेदकों ने 24 अक्टूबर को सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद आवेदकों के आवेदन उपसंचालक कार्यालय में जमा किए गए। लेकिन विलंब से आवेदन जमा होने के कारण संबंधित कार्यालय से जांच उपरांत आवेदकों के आवेदन पत्र निरस्त कर दिए गए। ऐसा आवेदकों का कहना है। शिकायत में आरोप है कि आवेदन निरस्त होने के बाद अनावेदक ने आवेदकों को उक्त योजना का लाभ 15-20 दिन में दिलाने और खाते में राशि ट्रांसफर करने का प्रलोभन देकर शिकायत वापस लेने के लिए कहा। इस पूरे मामले में डॉ अक्षय साहू से भी हमने चर्चा की उन्होंने बताया कि आवेदन प्राप्त होने के बाद विभागीय प्रक्रिया के तहत पूरी कार्रवाई की गई। इस पूरी प्रक्रिया में आवेदकों का आवेदन उपसंचालक कार्यालय से लेकर बैंक तक पहुंचा। इस बीच वह एक सड़क हादसे का शिकार हो गए और उनके स्थान पर तिरोड़ी में पदस्थ चिकित्सक को उनका प्रभार दिया गया। उन्होंने बताया कि इस बीच विभाग को जो लक्ष्य मिला था वह पूरा हो गया। आवेदकों ने जो आरोप लगाए वह पूरे तरह से निराधार है।

आवेदकों का कहना हैं कि विभागीय अधिकारी ने विगत 3 माह से उनके आवेदन पत्र संबंधित उच्च अधिकारियों के कार्यालय में जमा न करते हुए घोर लापरवाही पूर्वक आवेदन पत्र अपने पास ही रखे थे, जिस कारण उन्हें शासन की योजना का लाभ प्राप्त नहीं हो पाया। सबसे गंभीर आरोप यह है कि आवेदन पत्र जमा करते समय भी रुपये की मांग की गई थी। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि उन्होंने रुपये देने से इंकार कर दिया। इसके बाद जिन हितग्राहियों ने आवेदन पत्र के साथ रुपये जमा किए थे, उन्हीं को योजना का लाभ प्रदान किया गया। शिकायतकर्ताओं ने इसे घोर लापरवाही और भ्रष्टाचार बताते हुए कहा है कि रुपये नहीं दिए जाने के कारण उन्हें शासन की योजना के लाभ से वंचित किया गया।

बैंक चेकबुक गुम सूचना

सर्व साधारण सूचित, मैं श्रीमती विनिता खाण्डेकर पति अरविंद खाण्डेकर उम्र 37 वर्ष ग्राम साकड़ी (जिला-बालाघाट) निवासी हूं। मेरा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, शाखा वारासिवनी में जीवीय कांस्ट्रक्शन का करेंट बैंक खाता खाता क्रमांक 5943681912 है। मेरे नाम से बैंक द्वारा जारी चेकबुक के चेक क्रमांक 122851 से 122900 तक जारी हुई थी जो रख-रखाव के दौरान चेकबुक कहीं गुम हो गई है। जिसकी शिकायत थाना रामपायली में आवेदन देकर सेंट्रल बैंक ऑफ शाखा वारासिवनी की चेकबुक गुम होने की सूचना दी है। अतः पुलिस को सूचना देकर आशंका जताई है कि गुम हुई चेकबुक का कोई अज्ञात व्यक्ति दुरुपयोग कर सकता है।

आवेदक
श्रीमती विनिता खाण्डेकर

कार्तिक पूर्णिमा से श्री बजरंग कटाये घाट मेले का होगा भव्य शुभारंभ

महापौर प्रीति संजीव सूरी की अध्यक्षता में मेला आयोजन की बैठक संपन्न सांस्कृतिक, खेलकूद एवं मनोरंजन गतिविधियों को लेकर बनी रूपरेखा



कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर की सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपरा को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले श्री बजरंग कटाये घाट मेले का आयोजन इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा से किया जाएगा। आगामी 24 नवंबर को मधई मंदिर से परंपरानुसार जुलूस निकालकर मेले का शुभारंभ होगा।इस वर्ष मेले को आकर्षक, व्यवस्थित एवं भव्य स्वरूप देने के लिए मंगलवार को महापौर प्रीति संजीव सूरी की अध्यक्षता में मेला आयोजन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने मेले की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा करते हुए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मेले को केवल मनोरंजन का माध्यम न बनाकर बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले नागरिकों के लिए सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आकर्षक मंच बनाया जाएगा। इसके लिए आयोजन के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल प्रतियोगिताएं, विज्ञान प्रदर्शनी, निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता, सुंदरकांड, श्रीकृष्ण रासलीला सहित दीपावली नृत्य, लेजर लाइट एवं अन्य मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मेले में आकर्षक सेल्फी प्वाइंट बनाए जाने हेतु भी चर्चा की गईए जिससे युवा एवं बच्चे विशेष रूप से आकर्षित हो सकें।

व्यवस्थाओं को लेकर महापौर ने दिए आवश्यक निर्देश

महापौर ने अधिकारियों एवं शाला प्राचार्यों से चर्चा करते हुए कहा कि मेले की सफलता के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं। मेला परिसर में साफ-सफाईए आकर्षक सजावट, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्थाए पार्किंग, सुरक्षा, प्राथमिक उपचार, एम्बुलेंस, मोबाइल टॉयलेट तथा पेयजल की समुचित व्यवस्था की जाए। साथ ही विद्यार्थियों के आने-जाने, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने मेले के व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ सभी तैयारियां पूर्व से पूर्ण करने पर जोर दिया।

जनप्रतिनिधियों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

बैठक में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रामचंद्र तिवारी ने मेला परिसर में आकर्षक सजावट एवं प्रकाश व्यवस्था के साथ बच्चों की शैक्षणिक अभिरुचि बढ़ाने वाले कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया।

वहीं श्री चमनलाल आनंद ने ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों के मनोरंजन के लिए विशेष गतिविधियां शामिल करने की बात कही। इसके अतिरिक्त मेला परिसर में सीसीटीवी कैमरे एवं कंट्रोल रूम की स्थापना, सुगम आवागमन, दुकानों का सुव्यवस्थित ले-आउट, खेल प्रतियोगिताओं के लिए उपयुक्त मैदान तथा विद्यार्थियों के लिए भोजन-पानी की व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी सुझाव प्राप्त हुए।

मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम एवं सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष जोर

मेले को अधिक आकर्षक एवं व्यवस्थित बनाने के लिए सभी कार्यक्रमों का मिनट-टू-मिनट शेड्यूल तैयार करने, बच्चों, महिलाओं एवं युवाओं की रुचि के अनुरूप गतिविधियां निर्धारित करने तथा दुकानों को निर्धारित ले-आउट के अनुसार व्यवस्थित रूप से लगाने पर चर्चा की गई। सुरक्षा की दृष्टि से कंट्रोल रूम, निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ प्राथमिक चिकित्सा एवं आपातकालीन सेवाओं को भी सक्रिय रखने की बात कही गई। महापौर प्रीति संजीव सूरी ने कहा कि पिछले वर्ष मेले के आयोजन के दौरान सामने आई समस्याओं एवं इस बैठक में प्राप्त सुझावों को ध्यान में रखते हुए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी, ताकि इस वर्ष का श्री बजरंग कटाये घाट मेला अधिक भव्य, आकर्षक, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित रूप में आयोजित हो सके। बैठक में एमआईसी सदस्य डॉ. रमेश सोनी, सुभाष साहू, सुरेंद्र गुप्ता, उमेद्र अहिरवार, जयनारायण निषाद, तुलसा गुलाब बेन, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रामचंद्र तिवारी, चमनलाल आनंद, उपायुक्त शैलेश गुप्ता एवं प्रियंका झारिया, पार्षद शशिकांत तिवारी, सचिन बहरे, गोविंद चावला, सीमा श्रीवास्तव, सुनीता चौधरी, एल्डरमैन नरेश अग्रवाल, अनुराग त्रिसोलिया, अम्बरीष वर्मा, समाजसेवी अजय सरावगी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा एवं अंशुमान सिंह, राजस्व अधिकारी जागेश्वर प्रसाद पाठक, पूर्व प्राचार्य राजेंद्र कौर लांबा, प्रभारी सहायक यंत्री आदेश जैन, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी निशांत कनौजिया, प्रभारी कार्यालय अधीक्षक नागेंद्र पटेल, रविंद्र राय शाला के प्राचार्य, शिक्षक तथा निगम के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

नगरीय निकायों में लगेंगे क्रेता-विक्रेता शिविर

गृह ऋण पर मिलेगा 1.80 लाख रु. तक का ब्याज अनुदान

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगरीय क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के प्रभावी क्रियान्वयन और अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभांवित करने का अभियान शुरू किया जा रहा है। योजना के ब्याज अनुदान योजना सब्सिडी स्कीम आईएसएस घटक के तहत ईडब्लूएस, एलआईजी एवं एमआईजी वर्ग के पात्र परिवारों को गृह ऋण पर अधिकतम 1.80 लाख रु. तक का ब्याज अनुदान प्रदान किया जाएगा। यह लाभ निर्धारित शर्तों के अधीन 1 सितंबर 2024 को या पश्चात स्वीकृत एवं वितरित पात्र गृह ऋणों पर भी लागू रहेगा।

लगेंगे विशेष क्रेता-विक्रेता शिविर

जिले के प्रत्येक नगरीय निकाय में प्रत्येक शुक्रवार अथवा स्थानीय आवश्यकतानुसार किसी अन्य निर्धारित दिवस पर विशेष क्रेता-विक्रेता शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में बैंकों, हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों तथा शासकीय एवं निजी बिल्डर्स, डेवलपर्स को एक साथ मंच पर आमंत्रित किया जा रहा है। शिविर में आने वाले पात्र हितग्राहियों को गृह ऋण प्राप्त करने तथा आईएसएस घटक के अंतर्गत सब्सिडी का लाभ लेने के लिए ऑन-द-स्पॉट मार्गदर्शन एवं सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान-2026 के अंतर्गत आयोजित होने वाले शिविरों में भी आईएसएस घटक को अनिवार्य रूप से शामिल किया जा रहा है।

नवीन आवेदनों के लक्ष्य

यूनिफाइड वेब पोर्टल पर आई एस एस घटक के नवीन आवेदन प्रस्तुत करने के लिए निकायों की श्रेणी के अनुसार लक्ष्य तय किए गए हैं। नगर पालिक निगम कटनी के लिए 10 हजार आवेदन का लक्ष्य है। इसी प्रकार जिले की समस्त तीन नगर परिषदों क्रमशः कैमोर, विजयराघवगढ और बरही के लिए 100-100 आवेदन का लक्ष्य रखा गया है। इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए 1 सितंबर 2024 के बाद भवन अनुज्ञा प्राप्त करने वाले नागरिकों से संपर्क कर उन्हें योजना से जोड़ा जाएगा।

कलेक्टर करेंगे डीएलबीसी में समीक्षा

योजना के सुचारू संचालन और स्वीकृतियों में प्रगति लाने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय के नगरीय निकायों द्वारा जिला स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक प्रत्येक माह जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में आयोजित की जाएगी। इससे बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर हितग्राहियों के आवेदनों का त्वरित निस्तारण किया जाएगा।

खड़ौला खेरमाई मंदिर पहुंची विशाल दीप यज्ञ यात्रा का समापन



कटनी (स्वतंत्रमत)।

अखिल विश्व गायत्री परिवार जिला कटनी के द्वारा रविवार को आयोजित ग्राम तीर्थ यात्रा विभिन्न 6 गांव से होते हुए खड़ौला खेरमाई मंदिर में पहुंची जहां विशाल दीप यज्ञ के पश्चात यात्रा का समापन विशाल भंडारे (भोजन प्रसाद) से हुआ । सुंगरहा ग्राम से प्रारंभ हुई यह विशाल ग्राम तीर्थ यात्रा जगह.जगह ग्रामीणों को संबोधन हेतु सभा आयोजित करते हुए, अपने गंतव्य स्थान पर पहुंची । अभूतपूर्व आकर्षक साज सज्जा के साथ बैलगाड़ी जैसे मनमोहक ग्रामीण परिवहन को रथ का रूप देकर फूलों एवं केले के पत्तों द्वारा सुसज्जित करके गुरुजी माताजी एवं गायत्री माता को स्थापित किया गया। इसी रथ में राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान एवं गायत्री माता का स्वरूप धारण किए हुए, बाल कलाकार भी लोगों को आध्यात्मिकता का संदेश देते जा रहे थे। 20 स्थानों पर आरती का आयोजन किया गया । लोगों ने रंगोली बनाकर अन्न दान करके भी यात्रा का स्वागत किया। जिन गांवों में यह यात्रा प्रवेश करती थी शोभा यात्रा का पुष्प वर्षा के द्वारा स्वागत ग्रामीणों ने किया तथा यात्रा में शामिल होते चले गए। यात्रा का उद्देश्य वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा जन्म शताब्दी वर्ष में विभिन्न ग्रामीण अंचलों में आयोजित नवरात्रि समूह साधना की ऊर्जा को नियोजित करना एवं गायत्री परिवार के विचारों को पहुंचाने हेतु यह माध्यम चुना गया। संबंधित गांव के 500 परिवारों से विगत एक माह में संपर्क करके इस यात्रा का स्वरूप तैयार किया गया । जो अत्यधिक सफल रहा । परम पूज्य गुरुदेव के सूक्ष्म संरक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम की वृहद सफलता 21वीं सदी उज्जवल भविष्य के प्रति हम सभी जिले वासियों को आश्वस्त करती है ।

माफिया राज और बिगड़ती कानून व्यवस्था के खिलाफ जिला कांग्रेस का प्रदर्शन

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

कटनी (स्वतंत्रमत)।



मध्यप्रदेश में बढ़ते माफिया राज, बिगड़ती कानून व्यवस्था एवं पुलिस अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी कटनी शहर द्वारा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार विरोध प्रदर्शन कर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। जिला कांग्रेस कमेटी कटनी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला ने कहा कि प्रदेश में माफियाओं के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। शराब, रेत एवं खनिज माफियाओं के आतंक के बीच आम नागरिकों के साथ-साथ पुलिस अधिकारी भी सुरक्षित नहीं हैं। हाल ही में शराब माफिया द्वारा खातौंगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी गोस्वामी की ट्रक से कुचलकर की गई निर्मम हत्या प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि जब कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी ही माफियाओं के हमलों का शिकार हो रहे हैं, तो आम जनता की सुरक्षा की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। प्रदेश में अपराधियों के मन से कानून का भय समाप्त होता दिखाई दे रहा है और माफियाओं का आतंक लगातार बढ़ रहा है। एड. अमित शुक्ला ने कहा, मध्यप्रदेश में माफियाओं का आतंक और कानून व्यवस्था की बदहाली अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जब पुलिस के अधिकारी ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन निभाएगा। उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस की स्पष्ट मांग है कि माफियाओं को संरक्षण देने वालों पर भी कठोर कार्रवाई हो और प्रदेश में कानून का राज स्थापित किया जाए। अपराधियों के सामने सरकार की नाकामी को उजागर करने के लिए कांग्रेस सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी। ज्ञापन के माध्यम से थाना प्रभारी दिलीप पुरी गोस्वामी की हत्या के सभी आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई, प्रदेश में सक्रिय माफियाओं के अवैध कारोबार पर तत्काल रोक, माफियाओं को संरक्षण देने वालों की निष्पक्ष जांच तथा पुलिस अधिकारियों एवं आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। साथ ही कटनी जिले में भी अवैध गतिविधियों एवं माफिया तंत्र पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने की मांग की गई। जिला कांग्रेस कमेटी कटनी शहर ने शासन-प्रशासन से मांग की कि उक्त गंभीर विषय पर तत्काल संज्ञान लेकर ठोस एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रदेश में कानून का राज स्थापित हो और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस विरोध प्रदर्शन एवं ज्ञापन सौंपने के कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी कटनी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला प्रेम बत्रा, राजा जगवानी, राजेश जाटव, अजय जैसवानी, श्याम पाहुजा, आफताब अहमद, विजय मंगल चौधरी, अहमद कुरैशी, राहुल होतवानी, नारायण निषाद, राजकुमार विश्वकर्मा, रमेश अहिरवार, कपिल पटेल, अंशु गुप्ता, ऋषभ पटेल, लक्ष्मी यादव, इकलाख अहमद एवं हर्षित मिश्रा सहित जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी एवं कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

रसोईया बहनों के मानदेय भुगतान हेतु संघ ने सौंपा ज्ञापन



कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ जिला शाखा कटनी के जिलाध्यक्ष पूर्णेश उइके एवं मीडिया प्रभारी अनिल पांडेय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि आज दिनांक 4 नवंबर को मध्य प्रदेश शासन के समस्त विभागों में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी दैनिक वेतन भोगी स्थाई कर्मी अंशकालीन कर्मचारियों रसोईया बहनों और आउटसोर्स कर्मचारियों की 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव मध्य प्रदेश शासन भोपाल के नाम का ज्ञापन आशीष चतुर्वेदी तहसीलदार कटनी के माध्यम से सौंपा गया संघ की प्रमुख मांगे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का ग्रेड पे 1800 रुपए किया जाए, केंद्र सरकार के समान मध्य प्रदेश शासन के समस्त कर्मचारी को महंगाई भत्ता 63 प्रतिशत देने, स्थाई कर्मियों को सातवां वेतनमान के लाभ सहित मृत स्थाई कर्मियों के आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान करने, समस्त विभागों में कार्यरत अंशकालीन कर्मचारियों को कम से कम 25000 रुपए वेतन प्रदान करने, रसोईया बहनों और स्व सहायता समूह को तीन महीनों के मानदेय भुगतान दीपावली त्योहार के पूर्व करने हेतु, कर्मचारी स्वास्थ्य बीमा योजना अतिशीघ्र लागू करन, कटनी जिले के अंतर्गत समस्त विभागों में विभागीय परामर्श दात्री बैठक एवं जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री बैठक आयोजित करने हेतु मांगो के उचित समाधान हेतु संघ के पदाधिकारी अजय गौतम उप प्रांताध्यक्ष सौरभ सिंह राकेश जसूजा हरीश बेन नीलेश पौराणिक भागीरथ तिवारी बाबूलाल अहिरवार रामवतार अजीमुद्दीन शाह विश्वकर्मा दीपक चंदवानी बालकदास नरेश राठौर रत्ना ठाकुर जमुना महतो अर्चना सेन खुशबू ललिता चौधरी राकेश पांडेय रामलोचन यादव राघवेंद्र श्रीवास्तव दयाशंकर साकेत बबलू चौधरी ऊषा अर्चना ज्योति साधना गिरिजा बाई दुर्गेस विमला रेनू रजक सुधा रामसखी बबीता इन्द्रा शोभा ममता रजनी रागिनी सपना दुर्गा अन्य उपस्थित रहे हैं।

लूट करने वाले 5 माह से फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

चौकी झिंझरी पुलिस को मिली एक और बड़ी सफलता

कटनी (स्वतंत्रमत)।



पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, नगर पुलिस अधीक्षक अनिमेश द्विवेदी एवं थाना प्रभारी माधवनगर शैलेन्द्र सिंह यादव के मार्गदर्शन में पुलिस चौकी झिंझरी द्वारा चौकी क्षेत्र मे लूट करने बाले 5 माह से फरार आरोपी को कूटनीतिक तरीके से गिरफ्तार कर आरोपी से घटना में प्रयुक्त पिस्टल का जिंदा राउंड जप्त किया जाकर आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाकर जेल दाखिल किया गया। घटना का विवरण- दिनाँक 21.05.2026 को फरियादी चौकी झिंझरी उपस्थित आकर रिपोर्ट लेख कराया कि दिनांक 21.05.2026 की सुबह 5/45 बजे बढई के काम से अपने पिता के साथ अपनी मोटर साइकिल से ग्राम गैतरा से धरमपुरा जा रहा था। धरमपुरा जाने के लिये मै पिपरौंध से जयंतीनगर रास्ते मे करीब 250 मीटर आगे गया ही था कि तभी दो व्यक्ति रास्ते मे दिखे दोनो व्यक्ति अपने हाथ फैला कर रोकने लगे दोनो मे एक व्यक्ति अपने हाथ कट्टा जैसा लिया था जब फरियादी नही रुका व उनके बीच से मोटर साईकिल निकालना चाहा तो दोनो मे से एक व्यक्ति ने फरियादी के पिता का हाथ पकड़ कर खीच दिया जिससे फरियादी के पिता मोटर साईकिल से गिर गये फिर आरोपीगण फरियादी के पास जाकर उसके सिर मे कट्टा लगा कर बोले गाड़ी से उतर फरियादी के गाड़ी से उतरने के उपराँत दोनो मोटर साईकिल मे बैठ जबलपुर कटनी हाईवे की ओर भाग गये।

फरियादी की उक्त रिपोर्ट पर थाना माधवनगर मे अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया जाकर चौकी झिंझरी पुलिस के द्वारा मामले के मुख्य आरोपी मनराज उर्फ मनमोहित सिंह को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है जो वर्तमान में जिला जेल कटनी में निरुद्ध है। मामले में घटना दिनांक से फरार आरोपी गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी पिता सतनाम सिंह उम्र 34 साल निवासी मजीठा थाना मजीठा जिला अमृतसर पंजाब को कूटनीतिक तरीके से दिनांक 2 नवम्बर को गिरफ्तार कर आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिस्टल का 1 जिंदा राउंड जप्त किया जाकर आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जिला जेल कटनी दाखिल किया गया। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी उनि राजेश कुमार दुबे के नेतृत्व में सउनि शशिभूषण सिंह, प्रण्आर. राजेश चौधरी, आर. चंद्रकमल पांडे, आरक्षक संजय यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।



दीपावली पर विद्युत सुरक्षा का रखें ध्यान

ट्रांसफार्मर के नीचे न लगाएं पटाखों की दुकान

बिना स्वीकृति अतिरिक्त भार बढ़ाना और सीधे तार डालकर बिजली का उपयोग करना अवैधानिक

कटनी (स्वतंत्रमत)। दीपावली पर्व पर विद्युत दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए बिजली विभाग ने नागरिकों और व्यापारियों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। विभाग ने पटाखा व्यवसायियों को बिजली लाइनों के नीचे, ट्रांसफार्मर के नीचे अथवा उनसे सटाकर दुकानें नहीं लगाने की हिदायत दी है। साथ ही आतिशबाजी का प्रदर्शन भी बिजली लाइनों के आसपास नहीं करने की अपील की गई है। कार्यपालन यंत्री मुकेश महोबे ने कहा है कि छोटी सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। दीपावली पर घरों और प्रतिष्ठानों में विद्युत साज-सज्जा के लिए उपभोक्ता अपने परिसर में उपलब्ध बिजली कनेक्शन के स्वीकृत भार के अनुसार ही बिजली का उपयोग करें। बिना अनुमति अतिरिक्त भार बढ़ाना अथवा सीधे तार डालकर बिजली का उपयोग करना अवैधानिक है। बिजली अधिनियम 2003 के तहत ऐसे मामलों में जुर्माने का प्रावधान है।

अस्थाई दुकानदार लें वैध बिजली कनेक्शन-विभाग ने मिठाई, मूर्ति, साज-सज्जा, बर्तन, पटाखा सहित दीपावली से जुड़ी अन्य सामग्री की बिक्री के लिए अस्थाई दुकानें लगाने वाले व्यापारियों से अपील की है कि वे प्रकाश व्यवस्था के लिए नियमानुसार अस्थाई विद्युत कनेक्शन प्राप्त करें। बिना अनुमति बिजली का उपयोग करने से बचें और विद्युत सुरक्षा संबंधी सावधानियों का पालन करते हुए सुरक्षित दीपावली मनाएं।

स्वतंत्र मत
जबलपुर

भारत ने न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराया

ऑकलैंड (वार्ता

अर्शदीप सिंह (चार विकेट), गुरनूर बराड़ (तीन विकेट) और अंशुल कम्बोज (दो विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन के बाद विराट कोहली (74) और कप्तान शुभमन गिल (37) बदौलत भारत ने बुधवार को बारिश बाधित पहले एकदिवसीय मुकाबले में न्यूजीलैंड को 56 गेंदें शेष रहते पांच विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।

कोहली को गेम चेंजर ऑफ द मैच चुना गया

कोहली को उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए गेम चेंजर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि कंबोज को उनकी अनुशासित गेंदबाजी 22 रन देकर दो विकेट के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। कंबोज की गेंदबाजी की मदद से ही न्यूजीलैंड की टीम को 185 रनों पर रोका जा सका।

विराट ने कप्तान गिल के साथ पारी को संभाला

186 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को पहले ही ओवर में काइल जेमीसन ने रोहित शर्मा को बिना खाता खोले ही कप्तान मिचेल सेंटनर के हाथों कैच आउट कराकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये स्टार बल्लेबाज विराट कोहली जिन्होंने क्षेत्ररक्षण के दौरान शानदार प्रदर्शन करते हुए दो कैच पकड़े थे, कप्तान गिल के साथ पारी को संभाला। बारिश के कारण 11वें ओवर में पहली बार खेला रोका गया। उस समय भारत ने एक विकेट के नुकसान पर 50 से अधिक रन बना लिया था।



दूसरी बार जब खेल शुरु हुआ तो भारत को 40 ओवरों में 167 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला।

भारत को 143 रनों का नया संशोधित लक्ष्य

इसके बाद एक फिर बारिश शुरु होने पर खेल रोका गया। खेल दोबारा शुरु होन पर भारत को 32 ओवरों में 143 रनों का नया संशोधित लक्ष्य दिया गया। दोनों बल्लेबाजों इसके बाद शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए मैदान के चारों ओर रन बटोरे। इस दौरान विराट कोहली ने 16वें ओवर की पहली गेंद पर चौका लगाकर अपना 80वां अर्धशतक पूरा किया। 19वें ओवर की दूसरी गेंद पर नेथन स्मिथ ने शुभमन गिल को अपना शिकार बना लिया। शुभमन गिल ने 56 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 37 रन बनाये। अगले ही ओवर में जेकब डफी ने विराट कोहली को आउट कर पवेलियन भेज दिया। विराट कोहली 51 गेंदों में 13 चौकों और एक छक्के की मदद से 74 रनों की पारी खेली। इसी ओवर में डफी ने अक्षर पटेल को बिना खाता खोले ही पवेलियन भेजकर भारतीय खेमे में हलचल मचा दी। इसके बाद जब भारत को जीत के लिए मात्र सात रनों की जरूरत थी डफी ने श्रेयस अय्यर (15) को आउट कर भारत का पांचवां झटका दिया। इस दौरान श्रेयस ने 13 गेंदों का सामना किया और एक चौका और एक छक्का जड़ा। 23वें ओवर की चौथी गेंद पर नमन धीर ने चौका लगाकर स्कोर पांच विकेट पर 143 रन कर भारत को पांच विकेट से जीत दिला दी। नमन धीर पांच और केएल राहुल तीन रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से जेकब डफी ने तीन विकेट लिये। नेथन स्मिथ और काइल जेमीसन को एक-एक विकेट मिला।

भारत ने न्यजीलैंड को 185 रनों पर समेटा

आज यहां इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने न्यजीलैंड को185 रनों के स्कोर पर समेट दिया था। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड को पांचवें ओवर में अर्शदीप सिंह ने विल यंग (नौ) को आउट कर पहला झटका दिया। इसके बाद नौवें ओवर में अर्शदीप सिंह ने हेनरी निकल्स (नौ) को आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। 15वें ओवर में गुरनूर बराड़ ने टिम साइफर्ट का शिकार कर लिया। साइफर्ट ने 43 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 38 रनों की पारी खेली। 17वें ओवर में बराड़ ने टॉम लेथम (तीन) को अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर पवेलियन भेज दिया। 27वें ओवर की पहली गेंद पर डैरिल मिशेल (28) रनआउट हुए।

पहली गेंद पर अर्शदीप ने ग्लेन का शिकार किया

बेहतरीन और किफायती गेंदबाजी प्रदर्शन कर रहे अंशुल कम्बोज ने 27वें ओवर में कप्तान मिचेल सेंटनर (चार) को बोल्ड कर भारत को छठी सफलता दिलाई। नेथन स्मिथ (एक) को 29वें ओवर में कम्बोज ने आउट किया। 32वें ओवर की पहली गेंद पर अर्शदीप सिंह ने काइल जेमीसन (एक) को आउट कर न्यूजीलैंड को आठवां झटका दिया। 36ओवर की पहली गेंद पर अर्शदीप सिंह ने ग्लेन फिलिप्स का शिकार कर लिया। ग्लेन फ़िलिप्स ने 51 गेंदों में दो चौके और एक छक्का उड़ाते हुए 30 रन बनाये। जेक डफी और ब्लेयर टिकनर ने आखिरी विकेट के लिए 39 रन जोड़े। 41वें ओवर की दूसरी गेंद पर बराड़ ने ब्लेयर टिकनर को आउट कर न्यूजीलैंड़ की पारी का 185 रन के स्कोर पर अंत कर दिया। ब्लेयर टिकनर ने 23 गेंदों में एक चौका और चार छक्के उड़ाते हुए 34 रनों की महत्वूपर्ण पारी खेली।

ब्रिटेन के डंकन और अमेरिका की एनी ने जीती हिमालयन 100 माइल स्टेज रेस

दार्जिलिंग (वार्ता)

ब्रिटेन के डंकन क्रूटेंडेन और अमेरिका की एनी विलियम्स ने हिमालयन 100 माइल स्टेज रेस में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीते। यहां 29 अक्टूबर से 02 नवम्बर तक आयोजित हिमालयन 100 माइल स्टेज रेस के 35वें संस्करण में अमेरिका, ब्रिटेन, चिली, मेक्सिको, यूक्रेन, भारत सहित अनेक देशों के साहसिक धावकों ने भाग लिया। विश्व के सबसे पुराने एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित साहसिक खेल आयोजनों में से एक हिमालयन रन एंड ट्रेक इंटरनेशनल एनुअल इवेंट्स (हिमालयन 100 माइल स्टेज रेस) का सफलतापूर्वक समापन दार्जिलिंग हिमालय में हुआ। माउंट एवरेस्ट एवं कंचनजंघा की भव्य पर्वतमालाओं की छाया में आयोजित इस प्रतियोगिता का रेस मार्ग दार्जिलिंग हिमालय के मनोहारी पर्वतीय परिदृश्यों, विश्वप्रसिद्ध चाय बागानों, घने वनों, दूरस्थ ग्रामीण बस्तियों तथा दुर्गम हिमालयी क्षेत्रों से होकर गुजरा। प्रतिभागियों को शारीरिक चुनौती, प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। वर्षों से यह प्रतियोगिता विश्व की सबसे सुंदर, चुनौतीपूर्ण, दर्शनीय एवं अभिनव स्टेज रेसों में गिनी जाती है। हिमालयन 100 माइल स्टेज रेस –



पुरुष वर्ग में ब्रिटेन के डंकन क्रूटेंडेन ने 24 घंटे 44 मिनट में प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान जूलियो डोसाल (चिली) ने 28 घंटे 44 मिनट के समय के साथ प्राप्त किया, जबकि तृतीय स्थान कर्नल मनदीप मान (भारत) ने 29 घंटे 10 मिनट के कुल समय के साथ हासिल किया। हिमालयन 100 माइल स्टेज रेस – महिला वर्ग में अमेरिका की एनी विलियम्स ने 32 घंटे 20 मिनट यह रेस जीती। द्वितीय स्थान शारदा कुलकर्णी (भारत) ने 32 घंटे 50 मिनट के समय के साथ प्राप्त किया, जबकि तृतीय स्थान स्नूड फेमफोर्ट (यूके) ने 34 घंटे 58 मिनट के समय के साथ हासिल किया। हिमालयन 100 किलोमीटर स्टेज रेस – पुरुष वर्ग में भारत के रमनजीत ओबेरॉय ने 17 घंटे 33 मिनट के समय के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान क्रिस्टियन सिवेवकिंग (चिली) ने 18 घंटे 40 मिनट के समय के साथ प्राप्त किया, जबकि तृतीय स्थान कर्नल के. थम्मैया उडुपा (भारत) ने 18 घंटे 59 मिनट के समय के साथ हासिल किया। हिमालयन 100 किलोमीटर स्टेज रेस – महिला वर्ग में मेक्सिको की नाहिला हर्नांडेज ने 14 घंटे 48 मिनट के समय के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान मेत्जेटली इटुबे (मेक्सिको) ने 15 घंटे 50 मिनट के समय के साथ प्राप्त किया, जबकि तृतीय स्थान कारोला क्रूज़ (चिली) ने 16 घंटे 36 मिनट के समय के साथ हासिल किया। वरिष्ठ पुरुष प्रतिभागी एवं वरिष्ठ महिला प्रतिभागी की ट्रॉफियाँ क्रमशः क्रिस्टियन सिवेवकिंग और पुष्पा राव को प्रदान की गईं। सबसे कम आयु के प्रतिभागी का पुरस्कार 25 वर्षीय मैत्री मनराल को प्रदान किया गया।

कोरिया ओपन में एचएस प्रणय लगातार तीसरी बार पहले ही राउंड में बाहर

सियोल (वार्ता)

भारत के एचएस प्रणय कोरिया ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले ही राउंड से बाहर हो गए हैं। बुधवार को येओसु के जिन्नम स्टेडियम में उन्हें स्थानीय खिलाड़ी और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता यू ताए-बिन से हार का सामना करना पड़ा। वहीं तन्वी शर्मा और अनमोल खरब ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर महिला वर्ग के अगले दौर में जगह बना ली है। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता और बैडमिंटन रैंकिंग में 38वें स्थान पर मौजूद प्रणय, बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष एकल (राउंड ऑफ 32) मुकाबले में 47 मिनट के खेल के बाद 21-23, 15-21 से हार गए। हाल ही में हाइलो ओपन चैंपियन



बने लक्ष्य सेन के टूर्नामेंट से नाम वापस लेने के बाद, पुरुष एकल बैडमिंटन के मुख्य ड्रॉ में एचएस प्रणय भारत के एकमात्र प्रतिनिधि थे। इस हार के साथ, प्रणय इस साल बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर लगातार तीसरी बार पहले ही राउंड में बाहर हुए हैं। इससे पहले उन्हें हाइलो ओपन और आर्कटिक ओपन में भी इसी तरह के नतीजों का सामना करना पड़ा था। आज हुए मुकाबले में, प्रणय ने पहले गेम में 12-7 से पिछड़ने के बाद वापसी की और 19-16 की बढ़त बना ली। हालांकि, यू ताए-बिन ने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 19-19 से बराबर कर दिया और अंततः गेम 23-21 से अपने नाम कर लिया। दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी ने दूसरे गेम में भी अपनी लय बरकरार रखी और 8-3 की बढ़त बनाने के बाद मैच जीत लिया। वहीं, अनमोल खरब ने कनाडा की राचेल चान को 38 मिनट में 21-19, 21-18 से हराकर महिला एकल के दूसरे राउंड में प्रवेश किया। अनमोल, जो पिछले हफ्ते हिलो ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थीं, गुरुवार को राउंड ऑफ 16 में जापान की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अकाने यामागुची का सामना करेंगी।

विर्दभ ने मध्यप्रदेश को पारी और 20 रनों से हराया

नागपुर (वार्ता)। पार्थ रेखड़े और हर्ष दुबे (पांच-पांच विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत विदर्भ ने बुधवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए मुकाबले के तीसरे दिन मध्यप्रदेश को पारी और 20 रनों से करारी शिकस्त दी। इस मुकाबले में हर्ष दुबे ने कुल 14 विकेट झटके और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। आज यहां मध्यप्रदेश ने कल के एक विकेट पर 19 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में हर्ष ने सक्षम पुरोहित (34) को पगबाधा आउट कर विदर्भ को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद हर्ष ने अथर्व महाजन (18) का शिकार कर लिया। शुभम शर्मा (10), रजत पाटीदारी (शून्य) को भी हर्ष ने आउट किया। पांच बल्लेबाजों को पार्थ रेखड़े ने समेट दिया। इनमें से कोई भी बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका।

31 की उम्र में भी 21 जैसा जोश, वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए तैयार हैं सिंधु

नयी दिल्ली (वार्ता)

स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का मानना है कि उनके पास अभी भी शीर्ष स्तर पर बहुत कुछ देने के लिए बाकी है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने सीजन के आखिरी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है और यह साफ कर दिया है कि 31 साल की उम्र होने से उनके इरादों में कोई कमी नहीं आई है। रविवार को हाइलो ओपन सुपर 500 में इस सीजन का अपना दूसरा खिताब जीतने वाली भारतीय खिलाड़ी, फिलहाल वर्ल्ड टूर क्वालीफिकेशन रैंकिंग में पांचवें स्थान पर हैं। चीन में 9 से 13 दिसंबर तक होने वाले सीजन के फाइनल मुकाबले में शीर्ष आठ खिलाड़ी हिस्सा लेंगी। जर्मनी में मिली इस जीत से पहले, सिंधु ने जुलाई में जापान ओपन जीता था और पिछले महीने फ्रेंच ओपन में वह उपविजेता रही थीं। लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत वह अब विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गई हैं, जिससे वह महिला एकल वर्ग में फिर से प्रमुख दावेदारों में शामिल हो गई हैं। कैरोलिना मारिन, नोजोमी ओकुहारा, रत्चानोक



इंतानोन और ताई त्जु-यिंग जैसी खिलाड़ियों की पीढ़ी का अहम हिस्सा रहीं सिंधु ने सर्किट पर युवा खिलाड़ियों के आने के बावजूद शीर्ष खिलाड़ियों को कड़ी टक्कर देना जारी रखा है। सिंधु ने कहा, मुझे खुशी है कि मैं अब शीर्ष छह में पहुंच गई हूं। मेरा मानना है कि अगर आप लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आप अपने आप जीतने लगते हैं और आपकी रैंकिंग भी बेहतर हो जाती है। अगर आप अच्छा खेलते हैं और टूर्नामेंट जीतते हैं, तो आपको सिर्फ रैंकिंग के बारे में सोचने की जरूरत नहीं है। वह अपने आप बेहतर हो जाएगी। बैडमिंटन खेल लगातार बदल रहा है। कोर्ट पर धैर्य रखना बहुत जरूरी है। अगले साल से हर गेम 15 अंकों का होगा, इसलिए चीजें बदल जाएंगी। हमें उसी के हिसाब से खुद को ढालना होगा। मुझे खुशी है कि मैं उस समय की गोल्डन जनरेशन (सुनहरी पीढ़ी) के साथ-साथ आज की नई पीढ़ी की खिलाड़ियों को भी टक्कर दे पा रही हूं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अपना पुराना दबदबा वापस पा सकती हैं – जिसकी वजह से कभी वह सर्किट की सबसे खतरनाक खिलाड़ियों में गिनी जाती थीं – तो सिंधु ने पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा कि वह फिर से शीर्ष पर वापसी कर सकती हैं। बिल्कुल। क्यों नहीं? अगर आप अपने शरीर का ख्याल रखते हैं, तो ऐसा बिल्कुल मुमकिन है। यह बस इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने शरीर की देखभाल कैसे करते हैं। कई एथलीट 30, 31 और 32 साल की उम्र में भी खेल रहे हैं, और ऐसे कई खिलाड़ी रहे हैं जो उस उम्र में भी टॉप पर थे।

एंजेलवन ने आठ शेयरों में एजीआई इंफ्रा और रत्नावीर प्रिसिजन को शामिल किया

मुंबई। ब्रोकरेज फर्म एंजेल वन ने अपनी वार्षिक दिवाली निवेश सूची में विभिन्न क्षेत्रों के आठ शेयरों को शामिल किया है। इनमें एजीआई इंफ्रा, रत्नवीर प्रिसिजन और अपोलो माइक्रो सिस्टम्स प्रमुख हैं। ब्रोकरेज का कहना है कि भारत की विकास कहानी मजबूत बनी हुई है, हालांकि इसके साथ महंगाई का दबाव भी बढ़ रहा है। एंजेल वन की शगुन के शेयर्स दिवाली पिक्स रिपोर्ट 2026 में एजीआई इंफ्रा, रत्नवीर प्रिसिजन, नॉर्दर्न आर्क कैपिटल, इंजीनियर्स इंडिया, आरती फार्मा लैब्स, शांति गोल्ड, आईसीआईसीआई बैंक और अपोलो माइक्रो सिस्टम्स को शामिल किया गया है। ये शेयर बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं, औद्योगिक क्षेत्र, स्वास्थ्य सेवाओं, उपभोक्ता क्षेत्र, रियल एस्टेट और रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। आईसीआईसीआई बैंक इस सूची का सबसे बड़ा शेयर था, जिसकी कीमत 1,398 रुपये और बाजार पूंजीकरण 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक था। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स 397.15 रुपये, रत्नवीर प्रिसिजन 359 रुपये और आरती फार्मा लैब्स 873 रुपये पर था। शांति गोल्ड, नॉर्दर्न आर्क कैपिटल और इंजीनियर्स इंडिया के शेयर क्रमशः 292.90 रुपये, 251.80 रुपये और 251.80 रुपये पर कारोबार कर रहे थे।

सेंसेक्स आधा फीसदी उछला

मुंबई (वार्ता)

घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को उतार-चढ़ाव के बीच बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स आधा फीसदी की बढ़त में बंद हुआ हालांकि आईटी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली हावी रही। सेंसेक्स करीब 65 अंक गिरकर 76,853 अंक पर खुला, लेकिन तुरंत हरे निशान में आ गया। दोपहर होते-होते कुछ देर के लिए एक बार फिर यह लाल निशान में गया, लेकिन बाद में 383.55 अंक (0.50 प्रतिशत) की मजबूती के साथ 77,301.40 अंक पर बंद हुआ जो 26 अगस्त के बाद का इसका अधिकतम स्तर है। बीच कारोबार में यह ऊपर 77,396.04 अंक और नीचे 76,604.85 अंक तक गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 149.75 अंक यानी 0.63



प्रतिशत ऊपर 23,960.60 अंक पर पहुंच गया। यह गत 01 सितंबर के बाद का इसका उच्चतम स्तर है। वृहत बाजार में भी सभी सूचकांक ऊपर रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.42 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक दो फीसदी की बढ़त में रहा।

सेक्टर आधारित सूचकांकों में निफ्टी मीडिया सबसे अधिक 5.15 प्रतिशत उछल गया। आईटी की 1.50 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर अन्य सभी सूचकांक हरे निशान में रहे। धातु समूह का सूचकांक 2.80 प्रतिशत, रियल्टी 2.85 प्रतिशत और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूह का सूचकांक 2.04 प्रतिशत मजबूत हुआ। एफएमसीजी, ऑटो, तेल एवं गैस, रसायन और सीमेंट सेक्टरों के सूचकांक भी एक से दो प्रतिशत तक चढ़े। एनएसई में जिन 3,704 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,720 के शेयर हरे निशान में और 883 के गिरावट में रहे। अन्य 101 कंपनियों के शेयर अंत में अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 21 के शेयरों में तेजी रही। बीईएल का शेयर सबसे अधिक 4.56 फीसदी और टाइटन का 4.28 फीसदी चढ़ा। इंडिगो में 2.39 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस में 2.38, आईटीसी में 2.32, अडानी पोर्ट्स में 2.30 और बजाज फिनसर्व में 2.09 प्रतिशत की मजबूती रही।

यूपीआई पर शुल्क से छोटे विक्रेताओं के नकदी की ओर लौटने का जोखिमः सर्वेक्षण रिपोर्ट

हैदराबाद, (वार्ता)

यूपीआई के माध्यम से दो हजार रुपये से अधिक के लेनदेन पर प्रस्तावित शुल्क से छोटे विक्रेताओं के वापस नकदी की ओर लौटने का जोखिम है। इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) के एक नए अध्ययन में यह बात सामने आई है। यह अध्ययन 24 सितंबर से 10 अक्टूबर के बीच कराए गए सर्वेक्षण पर आधारित है। सरकार ने व्यापारियों के खातों में दो हजार रुपये से ऊपर के लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने की घोषणा की है। पहले इसे 15 अक्टूबर से ही लागू किया जाना था, लेकिन उससे पहले ही दिवाली तक के लिए टाल



दिया गया। सरकार ने कहा है कि दिवाली के बाद इसे लागू करने के लिए नई तिथि को घोषणा की जाएगी। हालांकि व्यापारियों से इतर आम लोगों के लिए कितनी भी राशि के लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं होगा। साथ ही महीने में एक लाख रुपये तक के कुल लेनदेन को भी इसके दायरे से बाहर रखा गया है। इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस ने बुधवार को जारी रिपोर्ट में कहा है कि सर्वेक्षण में शामिल 67 प्रतिशत सड़क विक्रेता यूपीआई भुगतान स्वीकार करते हैं, लेकिन सिर्फ 52 प्रतिशत को ही प्रस्तावित शुल्क के ढांचे के बारे में जानकारी है। टीयर-1, 2 और 3 के विभिन्न शहरों में कराए गए सर्वेक्षण में 45 प्रतिशत से 53 प्रतिशत विक्रेताओं ने कहा कि यदि शुल्क लागू किए जाते हैं।

देश में निर्मित 50 फीसदी दोपहिया ईवी का हो रहा निर्यात : गडकरी

नयी दिल्ली (वार्ता)

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के बढ़ते बाजार पर खुशी जताते हुए कहा है कि बैटरी चार्जिंग की सुविधा आसान होने से ईवी की मांग तेजी से बढ़ी है और देश में उत्पादित कुल दोपहिया वाहनों का आधा हिस्सा निर्यात किया जा रहा है। श्री गडकरी ने बुधवार को यहां ऑनलाइन फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्विगी के ईवी मोबिलिटी कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए ईवी को उपभोक्ताओं के लिए बहुत अच्छा विकल्प बताया और कहा कि भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के हर देश की आर्थिक वृद्धि स्वच्छ, कुशल और किफायती परिवहन व्यवस्था पर निर्भर करती है। उन्होंने



कहा कि भारत ऑटोमोबाइल क्षेत्र में जापान जैसे प्रमुख देश को पीछे छोड़कर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा वाहन निर्माता देश बन गया है और उन्हें उम्मीद है कि अगले पांच साल में भारत आटोमोबाइल क्षेत्र में दुनिया में पहला स्थान हासिल कर लेगा। उन्होंने कहा कि ईवी से माल ढुलाई और आवाजाही भी सस्ती होगी क्योंकि इनके इस्तेमाल में किसी तरह की दिक्कत नहीं आ रही है। उनका कहना था कि ईवी के इस्तेमाल से डिलीवरी की लागत कम होने के कारण डिलीवरी कंपनियों को फायदा होगा और इससे जुड़े सभी पार्टनरों की आय बढ़ेगी। सबसे बड़ी बात, इससे प्रदूषण घटने के साथ ही देश में स्वच्छ परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। स्विगी के डिलीवरी नेटवर्क में ईवी इस्तेमाल करने वाले डिलीवरी पार्टनरों को नयी अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए उन्होंने कहा कि डिलीवरी को और किफायती बनाने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन अपनाना आवश्यक है, क्योंकि इससे उनकी आय बढ़ेगी, शहरों का पर्यावरण सुधरेगा और देश को लाभ होगा। उन्होंने सरकार और उद्योग जगत से इस दिशा में मिलकर काम करने तथा डिलीवरी पार्टनरों के लिए ईवी अपनाने की प्रक्रिया आसान और किफायती बनाने का आग्रह किया।

वित्तीय बाजार में सुधार के लिए समिति का गठन

मुंबई (वार्ता)। भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रौद्योगिकी तथा अन्य बुनियादी ढांचों में बदलावों के अनुरूप वित्तीय बाजारों में सुधार पर विचार के लिए एक तकनीकी परामर्श समिति का गठन किया है। आरबीआई में वित्तीय बाजार नियामक विभाग के प्रभारी डिप्टी गवर्नर इस समिति की अध्यक्षता करेंगे। इनमें सेबी के पूर्व पूर्णकालिक सदस्य अनंत नारायण, फिक्स्ड इनकम मनी मार्केट एंड डेरिवेटिव्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष शमशेर सिंह और एक्सिस बैंक के कार्यकारी निदेशक नीरज गंभीर शामिल हैं। आईसीआईसीआई बैंक में ट्रेजरी एवं आर्थिक अनुसंधान के प्रमुख शैलेंद्र झिंगन, सिटीबैंक इंडिया के प्रबंध निदेशक आदित्य बागरी, क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक नंद किशोर और मॉर्गन स्टेनली इंडिया के प्रबंध निदेशक रिधम देसाई को भी समिति का सदस्य बनाया गया है। केंद्रीय बैंक ने बुधवार को बताया कि समिति वित्तीय बाजारों की कार्यप्रणाली, दक्षता, तरलता आदि के बारे में मंथन करेगी और वित्तीय बाजारों के विस्तार के उपाय सुझाएगी।

चीनी, गेहूं, चावल में तेजी , दालों और तेलों में उतार-चढ़ाव

नयी दिल्ली (वार्ता)

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चीनी की कीमतों में तेजी जारी रही। चीन के साथ चावल और गेहूं के भाव भी चढ़ गए। दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 16 रुपये बढ़कर 5,553 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गुड़ की कीमत 5,993 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रही। खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 26 पैसे बढ़कर 59.75 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 12 रुपये बढ़कर 4,382 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। गेहूं 13 रुपये महंगा हुआ और 2,938 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। वहीं, आटे का भाव पांच गिर गया। दाल-दलहनों में तुअर दाल की औसत कीमत



18 रुपये प्रति क्विंटल घट गई। मसूर दाल सात रुपये और चना दाल छह रुपये सस्ती हुई। उड़द दाल की कीमत सात रुपये बढ़ गई। मूंग दाल के दाम कमोबेश स्थिर रहे। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में आज पाम ऑयल का जनवरी वायदा 55 रिंगिट टूटकर 4,496 रिंगिट प्रति टन रह गया। दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 1.21 प्रतिशत गिरकर 64.49 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल की औसत कीमत 40 रुपये और सरसों तेल की 20 रुपये प्रति क्विंटल उतर गई। पाम ऑयल 13 रुपये सस्ता हुआ। वनस्पति की कीमत तीन रुपये और सूरजमुखी तेल की दो रुपये गिर गई। वहीं, सोया तेल नौ रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ।

दीपावली पर सभी व्यवस्थाएं रहें चाक-चौबंद : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने कानून व्यवस्था एवं आगामी त्यौहारों की तैयारी के संबंध में सभी कलेक्टर्स एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ की वीडियो कान्फ्रेंसिंग



भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सभी लोग दीपावली हर्ष और आनंद से मनायें, परंतु कहीं भी किसी भी प्रकार का असामाजिक काम न हों। इसके लिए पुलिस और प्रशासन कानून व्यवस्था की सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद कर लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दीपावली और किसानों के लिए महत्वपूर्ण समय है। दीपावली पर्व और किसानों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए प्रदेश का पूरा प्रशासनिक अमला अलर्ट मोड पर रहे। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद-उर्वरक या अन्य किसी प्रकार की कठिनाई आई तो इसके लिए कलेक्टर्स जिम्मेदार माने जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन से प्रदेश के सभी कलेक्टर्स एवं पुलिस अधीक्षकों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे।

छोटे व्यापारियों को तहबाजारी से छूट दें-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी कलेक्टर्स एवं एसपी से कहा कि दीपावली के दौरान अवैध एवं प्रतिबंधित पटाखों का उपयोग न होने पाए। मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक कार्बाइड गन और कार्बाइड लैंप के उपयोग पर भी अंकुश लगाया जाए। उन्होंने कहा कि दीपावली के दौरान बड़े बाजारों में फल, फूल, दिया-बाती, झालर जैसी दुकानें लगाने वाले छोटे दुकानदारों को तहबाजारी से छूट दी जाएं। उन्हें अनावश्यक परेशान न किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले के अधिकारी दीपावली के दिन छोटे-छोटे बच्चों, गरीब बस्तियों, अनाथालय और वृद्धाश्रम में जाकर उनके साथ दीपावली मनायें।

अवैध शराब के विरूद्ध करें कठोर कार्रवाई-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले के अधिकारियों से कहा कि वे अपने जिले में अवैध शराब के उपयोग, निर्माण और परिवहन पर सख्त से सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि जहरीली और नकली शराब बनाने वाले स्थानों को चिन्हित करें और ऐसे लोगों पर कठोरतम वैधानिक कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध शराब विक्रय में एजेन्टी, पैकारी और डायरी व्यवस्था जैसे असामाजिक कार्यों को सख्ती से रोका जाएं। शराब का परिवहन करने वाले वाहनों का फिजिकल वेरिफिकेशन किया जाए। वैध लायसेंसी शराब की तय कीमत से अधिक कीमत न लें, यह सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस और आबकारी विभाग के अधिकारी समय-समय पर मदिरा के नमूने भी लें और यदि उस मदिरा में मानव उपयोग के लिए हानिकारक तत्व पाए जाते हैं तो ऐसे लायसेंसी पर कठोर कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में किसी भी प्रकार की विषम परिस्थिति उत्पन्न न हों, इसके लिए कलेक्टर्स, पुलिस अधीक्षक और आबकारी अधिकारी मिलकर जिले में एक सुव्यवस्था स्थापित करें।

नशे के विरूद्ध अभियान-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को नशामुक्त प्रदेश बनाने के लिए केन्द्र सरकार के मार्गदर्शन में नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए यह बेहद जरूरी है कि मादक पदार्थ जैसे गांजा, अफीम आदि की अवैध खेती पर सख्ती से अंकुश लगाया जाए। नारकोटिक्स कंट्रोल के लिए नारको नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करें। मादक पदार्थ बनाने वाली लैब्स बंद करायें। इसके लिए कॉम्बेट टीम बनाकर इसे सक्रिय करें। अपराधियों पर पीआईटी-एनडीपीएस एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई करें। पुलिस और नारकोटिक्स टीम मिलकर सघन चैकिंग चलायें। नशामुक्ति अभियान के लिए गठित जिला स्तरीय समिति (एन्कोर कमिटी) की लगातार मीटिंग करें।

अपने जिले के स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेन्टर, बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन जैसी जगहों पर विशेष निगरानी रखें और अवैध रूप से मादक पदार्थों का विक्रय करने वालों के पूरे नेटवर्क का सफाया करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी अधिकारी अपने जिले के जनजातीय एवं अन्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए बनाए गए छात्रावासों को गोद ले और विद्यार्थियों को गुटखा, तम्बाकू, खैनी जैसे नशे का उपयोग कतई नही करने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान के तहत प्रदेश के सभी जिलों में नशा मुक्ति सह पुनर्वास केंद्र स्थापित किए जाएं। जिन जिलों में सामाजिक संस्थाओं द्वारा नशामुक्ति केंद्र चलाए जा रहे हैं, उन्हें केंद्र सरकार के सामाजिक अधिकारिता मंत्रालय से अनुदान दिलाएं और जिन जिलों में कोई नशामुक्ति केंद्र नहीं है वहां ऐसे केंद्र की स्थापना के लिए प्रस्ताव दें। जो जिले नशामुक्ति के मामले में अच्छा काम कर रहे हैं उनकी ग्रेडिंग भी की जाए।

9 नवम्बर को मनाएं गोवर्धन पूजा-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 9 नवम्बर को प्रदेश भर में गोवर्धन पूजा के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इसी दिन भोपाल में भी बड़ा आयोजन आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले की सभी गौशालाओं में गौपूजन किया जाए एवं गाय के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक महत्व के आयोजन किए जाएं। गौशालाओं में टीवी स्क्रीन लगाकर भोपाल में होने वाले कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण गौपालकों और किसानों को दिखाएं। उन्होंने कहा कि गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार प्रतियोगिता के वृंदावन ग्राम के विजेता पशुपालकों को निकट की गौशाला में बुलाकर उन्हें शाल, श्रीफल, पगड़ी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाए। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के 6 विजेताओं को पुरस्कार दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवर्धन पूजा के माध्यम से प्रदेश में पशुपालकों को सरकार द्वारा दिए जा रहे प्रोत्साहन, अनुदान एवं तकनीकी सहायता का व्यापक प्रचार-प्रसारकिया जाए।



वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट लंदन के वैश्विक मंच पर मध्यप्रदेश की पर्यटन विरासत का भव्य प्रदर्शन

यूनेस्को विश्व धरोहर, वन्यजीव, आध्यात्मिक एवं ग्रामीण पर्यटन अनुभवों का किया प्रचार

भोपाल (स्वतंत्र मत)। एमपी टूरिज्म बोर्ड द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन बाजार में प्रदेश की पहचान सशक्त बनाने के उद्देश्य से लंदन में वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट 2026 में राज्य की विविध पर्यटन संभावनाओं का प्रदर्शन किया जा रहा है। 3 से 5 नवंबर तक एक्सेल लंदन में आयोजित इस तीन दिवसीय वैश्विक आयोजन में दुनिया भर के पर्यटन विशेषज्ञ, टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल कंपनियां और डेस्टिनेशन प्रतिनिधि सहभागिता कर रहे हैं। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और राज्यसभा सांसद एवं इन्फोसिस फाउंडेशन की संस्थापक सुधा मूर्ति ने मध्यप्रदेश पवेलियन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर एमपी टूरिज्म बोर्ड के अपर प्रबंध संचालक डॉ. अभय अरविन्द बेडेकर सहित अन्य अतिथि एवं पर्यटन क्षेत्र के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। पवेलियन में खजुराहो, सांची और भीमबेटका यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों के साथ कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, पन्ना और सतपुड़ा के वन्यजीव पर्यटन तथा उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर और चित्रकूट के आध्यात्मिक वैभव को प्रदर्शित किया जा रहा है। वहीं, ओरछा, मांडू और चंदेरी के माध्यम से ग्रामीण एवं स्लो टूरिज्म, स्थानीय हस्तशिल्प और समुदाय आधारित पर्यटन अनुभवों को बढ़ावा दिया जा रहा है। अपर प्रबंध संचालक डॉ. बेडेकर के नेतृत्व में प्रदेश का प्रतिनिधिमंडल 10 पर्यटन हितधारकों के साथ सहभागिता कर रहा है। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय टूर ऑपरेटर्स और पर्यटन व्यवसायियों के साथ बी2बी बैठकें कर वैश्विक साझेदारी के लिए व्यावसायिक संवाद किए जा रहे हैं। एमपी टूरिज्म बोर्ड ने फ्रेंड्स ऑफ मध्यप्रदेश के सहयोग से 3 नवंबर को लंदन के ताज, सेंट जेम्स पार्क में 'मध्यप्रदेश क्रॉनिकल्स एन इवनिंग ऑफ अनटोल्ड नैरेटिव्स' का आयोजन किया।

इस विशेष संध्या में कहानीकारों, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, वन्यजीव फोटोग्राफर्स, फिल्म निर्माताओं, कंटेंट क्रिएटर्स और ट्रैवल ट्रेड से जुड़े प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में अपर प्रबंध संचालक डॉ. बेडेकर ने मध्यप्रदेश के वन्यजीव, ऐतिहासिक विरासत, संस्कृति, खानपान, जनजातीय परंपराओं और फिल्म शूटिंग डेस्टिनेशन के रूप में प्रदेश की बढ़ती पहचान पर प्रस्तुति दी। मैहर स्थित आर्ट इचोल की विधि बेरी ने प्रदेश की विशिष्ट कला एवं शिल्प परंपराओं को प्रस्तुत किया, वहीं बीबीसी पुरस्कार से सम्मानित फोटोग्राफर सलील तांबे ने अपने वन्यजीव एवं पर्यटन छायाचित्रों के माध्यम से मध्यप्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता को प्रदर्शित किया। प्रसिद्ध इन्फ्लुएंसर सीमा आनंद की उपस्थिति ने भी आयोजन को विशेष बनाया। श्री रोहित दीक्षित के संचालन में आयोजित संवाद सत्र में मध्यप्रदेश के विविध पर्यटन अनुभवों, संभावनाओं और भावी पहलों पर चर्चा हुई।

वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट लंदन 2026 में सहभागिता के माध्यम से मध्यप्रदेश का उद्देश्य यूरोप सहित वैश्विक पर्यटन बाजारों में अपनी उपस्थिति मजबूत करना, अंतर्राष्ट्रीय टूर ऑपरेटर्स के साथ रणनीतिक साझेदारी विकसित करना और प्रदेश को विरासत, वन्यजीव, आध्यात्मिकता, संस्कृति एवं सतत पर्यटन के प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करना है।



जबेरा में लॉटरी सिस्टम से हुआ पटाखा दुकानों का आवंटन

दमोह (स्वतंत्र मत)। तहसील कार्यालय के सभागार में पटाखा लाइसेंस के लिए आवेदन करने वाले व्यापारियों को पारदर्शी तरीके से दुकानों का आवंटन किया गया। इस अवसर पर जबेरा, सिंग्रामपुर, कलेहरा, बनवार और बम्होरी ग्राम के सभी पटाखा व्यापारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। दुकानों का यह आवंटन एसडीएम सीण्जी गोस्वामी और तहसीलदार आशुतोष गुप्ता की उपस्थिति में संपन्न हुआ। निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए एक छोटी कन्या के हाथों पर्ची निकलवाकर लॉटरी सिस्टम के माध्यम से दुकानों का आवंटन किया गया। आवंटन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी चयनित दुकानदारों को तुरंत आदेश की कॉपी भी सौंप दी गई। इस अवसर पर एसडीएम सीण्जी गोस्वामी ने सभी पटाखा विक्रेताओं को सख्त निर्देश दिए कि वे सुरक्षा और प्रशासन द्वारा तय किए गए सभी नियमों का पूरी ईमानदारी से पालन करें।

नशे में वाहन चलाने वालों के 501 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित

दमोह (स्वतंत्र मत)।

कमिश्नर सागर संभाग श्री दिलीप कुमार की अध्यक्षता में कमिश्नर कार्यालय में परिवहन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभाग के सभी जिलों के जिला परिवहन अधिकारियों से पिछले तीन माह में वाहनों की जांच और उन पर की गई कार्रवाई की जानकारी ली गई। बैठक में जानकारी दी गई कि नशे में वाहन चलाने के मामलों में इस वर्ष अब तक संभाग में कुल 501 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। इनमें सागर जिले में 265, छतरपुर में 121, दमोह में 87, पन्ना



में 21 और टीकमगढ़ में 7 लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि नशे में वाहन चलाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के आधार पर उनके ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। कमिश्नर ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्कूली बसों के साथ अन्य वाहनों की भी नियमित जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने दमोह में हाल ही में हुई घटना को ध्यान में रखते हुए वाहनों की सघन जांच करने तथा 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों के मालिकों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। ऐसे वाहनों को बदलने, परमिट निरस्त करने तथा नियमानुसार कार्रवाई करने के लिए भी कहा।

कमिश्नर ने वाहन जांच के दौरान फिटनेस प्रमाण पत्र, परमिट, प्रदूषण प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की भी जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहन संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।



योग वेदांत सेवा समिति ने विभिन्न मांगों को लेकर सांसद को ज्ञापन सौंपा

दमोह (स्वतंत्र मत)। योग वेदांत सेवा समिति दमोह के साधकों ने सांसद राहुल सिंह लोधी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में निवेदन किया गया कि बापूजी को आरोग्यम् हॉस्पिटल जोधपुर में शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हेतु उपचार की सुविधा मिलती रहे एवं 90 वर्ष की आयु को देखते हुए जेल प्रशासन की ओर से आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। ज्ञापन में बताया गया कि बापूजी गंभीर हृदय रोग, डायबिटीज, स्कारपीनियां सहित कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं। 13.10.2026 को उन्हें गंभीर हृदयाघात हुआ था। साधकों ने न्यायालयों के आदेशों के हवाले से मांग की है कि डॉ. अरुण त्यागी की 28.10.2026 की उपचार योजना के अनुसार आरोग्यम् हॉस्पिटल में भर्ती उपचार की व्यवस्था हो। जब तक स्थानांतरण न हो, जेल में हृदय निगरानी, जांच, दवाएं व 24 घंटे स्टाफ रहे।

नजूल निर्वर्तन समिति की बैठक संपन्न



दमोह (स्वतंत्र मत)। सागर संभाग के कमिश्नर दिलीप कुमार की अध्यक्षता में कमिश्नर कार्यालय में संभागीय नजूल निर्वर्तन समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में शासकीय भूमि और नजूल संपत्तियों के समुचित प्रबंधन, आवंटन और जनहित से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर अहम अनुशंसाएं की गईं। बैठक मे भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत सहायक केन्द्रीय खुफिया अधिकारी एसआईबी के लिए जिला दमोह में कार्यालय सह आवास योजना हेतु भूमि आवंटन संबंधी प्रकरण पर समिति द्वारा विस्तार से विचार विमर्श किया गया। जिला स्तरीय नजूल निर्वर्तन समिति दमोह द्वारा की गई कार्यवाही और सभी वैधानिक प्रक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए समिति ने प्रस्ताव पर अपनी सहमति जताई।

समिति ने अपनी अनुशंसा सहित यह प्रस्ताव अंतिम स्वीकृति के लिए राज्य नजूल निर्वर्तन समिति की ओर प्रेषित किया। बैठक के दौरान समिति ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक विकास योजनाओं के लिए समय पर भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित होने से संभाग के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विकास किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत 13 को दमोह में होगा कार्यक्रम

दमोह। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत कलेक्टर प्रताप नारायण यादव द्वारा जारी आदेश के अनुसार आगामी 13 नवंबर को दमोह विकासखंड के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन मानस भवन दमोह में किया जाएगा। इसमें नगर पालिका दमोह के समस्त 39 वार्डों को सम्मिलित किया गया है। निरीक्षण, जनसंवाद एवं उद्यम संवाद सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

सरदार पटेल उमावि की विज्ञान नाटिका राज्यस्तर हेतु चयनित

दमोह (स्वतंत्र मत)। दमोह जोन स्तरीय विज्ञान नाटिका का आयोजन शासकीय शिक्षा महाविद्यालय छतरपुर में किया गया। इसमें सरदार पटेल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दमोह की टीम ने जोन स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। विज्ञान नाटिका में आठ विद्यार्थियों यथा कल्पना, ऋषिका, सिमरन, पार्वती, रानू, वैष्णवी, अर्पिता एवं शाल्या द्वारा सहभागिता की गई। विज्ञान नाटिका का कथानक विज्ञान और समाज तथा उप कथानक महासागरों की बहाली



एवं भावी जीवन का संरक्षण रहा। नाटिका का शीर्षक रोता समंदर सोता इंसान पर स्क्रिप्ट राइटर सुलक्षणा हजारी, निर्देशक बहादुर सिंह ठाकुर एवं सहयोगी शिक्षक तरन्नुम आरा द्वारा विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। विज्ञान नाटिका में धरती का तापमान बढ़ने, ग्लेशियर के पिघलने, प्लास्टिक के नुकसान एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को समाहित किया गया। जोन स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त सरदार पटेल स्कूल दमोह की टीम राज्य विज्ञान शिक्षण संस्थान जबलपुर में 17 एवं 18 नवंबर को राज्य स्तर पर सहभागिता करेंगी। इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार द्वारा सम्मिलित विद्यार्थियों के लिए बधाई दी गई।

किसान कल्याण के लिए मध्यप्रदेश सरकार प्रतिबद्ध : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने पांढुर्णा में बलराम कृषि महोत्सव को भोपाल से वर्चुअली किया संबोधित

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। किसान, महिला, युवा एवं गरीब सहित समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। किसानों की आय बढ़ाने और समृद्धि के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को पांढुर्णा में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में बलराम कृषि महोत्सव के माध्यम से किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, प्राकृतिक खेती और किसान हितैषी योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। पांढुर्णा जिला गेहूं, मक्का, चना, तुअर और संतरा उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण है। यहां खेती-किसानी के साथ किसानों की आय और दुग्ध उत्पादन में भी निरंतर वृद्धि हो रही है। कम वर्षा की स्थिति को देखते हुए सर्वे कराया जा रहा है।



किसानों को हरसंभव सहायता एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। पांढुर्णा जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अपने वर्चुअल संबोधन में कहा ?कि पांढुर्णा जिला खेती के साथ कृषि आधारित उत्पादों के निर्माण में भी आगे बढ़ रहा है। जिले में स्थापित विभिन्न कृषि आधारित इकाइयों से युवाओं को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने ग्रामीणों को उनकी सम्पत्ति की नि:शुल्क रजिस्ट्री कराने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक के प्रशासक श्री महेंद्र सिंह यादव ने किसानों को आधुनिक एवं उन्नत खेती के नवाचारों से जोड़ने और बलराम जयंती को किसान दिवस घोषित करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार माना। बलराम कृषि महोत्सव में जिले के उन्नतशील कृषकों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से संवाद कर खेती-किसानी में किए जा रहे नवाचारों और अपनी सफलता के अनुभव साझा किए। ग्राम भुम्मा, विकासखंड सौंसर के कृषक श्री मटरूलाल डोंगरे ने बताया कि वे प्राकृतिक खेती से हल्दी, अरहर एवं गेहूं का उत्पादन कर रहे हैं। वे उत्पादों का वैल्यू एडिशन कर प्रतिवर्ष 2 से 2.5 लाख रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित कर रहे हैं। उनके प्राकृतिक उत्पाद जापान और ऑस्ट्रेलिया तक पहुंच रहे हैं। ग्राम तिगांव के कृषक नरेंद्र ठाकरे ने बताया कि 16 एकड़ में संतरे का उत्पादन कर प्रतिवर्ष 15 से 20 लाख रुपये की आय अर्जित कर रहे हैं। इसके साथ ही वे पशुपालन एवं सब्जी उत्पादन भी कर रहे हैं। ग्राम पारडसिंगा की रोशनी नरवरे ने बताया कि 14 गांवों की 350 महिलाओं को जोड़कर देशी कपास से खादी, सीड बॉल एवं सीड ज्वेलरी का निर्माण करवा रही हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से इन उत्पादों की बिक्री कर महिलाएं अच्छी आय अर्जित कर रही हैं।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर
म.प्र. पिन-482003

भवन हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आनंद नगर जबलपुर में भवन क्रमांक MIG-06 श्री ग्यासुद्दीन अहमद सिद्दीकी पिता स्व. श्री इकबाल अहमद सिद्दीकी एवं श्री मोईन अहमद पिता स्व. श्री इकबाल अहमद सिद्दीकी के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 12.09.2003 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री ग्यासुद्दीन अहमद सिद्दीकी पिता स्व. श्री इकबाल अहमद सिद्दीकी एवं श्री मोईन अहमद पिता स्व. श्री इकबाल अहमद सिद्दीकी ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 16.08.2022 के माध्यम से श्री मोहम्मद तारिक खान पिता स्व. श्री अब्दुर रशीद खान को विक्रय किया है। श्री मोहम्मद तारिक खान पिता स्व. श्री अब्दुर रशीद खान द्वारा उक्त भवन अपने नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर
म.प्र. पिन-482003

भवन हस्तांतरण/ नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिवनगर दमोहनाका जबलपुर में स्थित भूखण्ड क्रमांक -686 श्री सुधीर खरे पिता श्री राम कृपाल खरे एवं श्रीमति गायत्री खरे पति श्री सुधीर खरे के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 30.03.2005 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड श्री सुधीर खरे पिता श्री राम कृपाल खरे एवं श्रीमति गायत्री खरे पति श्री सुधीर खरे ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 05.09.2008 के माध्यम से श्री सिंघई चक्रेश कुमार जैन पिता श्री मुलायम चंद जैन एवं श्री मुलायम चंद जैन पिता, स्व.श्री सिंघई मोहन लाल जैन को विक्रय किया है। अतः श्री सिंघई चक्रेश कुमार जैन पिता श्री मुलायम चंद जैन एवं श्री मुलायम चंद जैन पिता स्व.श्री सिंघई मोहन लाल जैन द्वारा उक्त भूखण्ड उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर
म.प्र. पिन-482003

भवन हस्तांतरण/ नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिवनगर दमोहनाका जबलपुर में स्थित भूखण्ड क्रमांक -451 श्री मनीष कुमार जैन पिता स्व.श्री मूलचंद जैन के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 03.02.2023 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड श्री मनीष कुमार जैन पिता स्व.श्री मूलचंद जैन ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 06.12.2023 के माध्यम से श्री राजेश कुमार द्विवेदी पिता श्री सखाराम द्विवेदी को विक्रय किया है। अतः श्री राजेश कुमार द्विवेदी पिता श्री सखाराम द्विवेदी द्वारा उक्त भूखण्ड उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर



मेधावी छात्रों के अनुभव संवाद से गूंजा महापौर निवास

इंदौर यात्रा के रोमांचक पन्नों ने सभी को किया भावविभोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नगर निगम मुख्यालय स्थित शासकीय महापौर निवास पर आयोजित अनुभव संवाद कार्यक्रम का माहौल बेहद उत्साहजनक और भावनात्मक रहा। नगर निगम द्वारा संचालित विद्यालयों के मेधावी छात्र-छात्राएं इंदौर की विशेष हवाई यात्रा से लौटकर अपने अनूठे अनुभवों को साझा करने के लिए एकत्रित हुए थे। इस दौरान बच्चों ने महापौर जगत बहादुर सिंह के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा दिए गए इस सुनहरे अवसर ने उनके जीवन के सबसे खूबसूरत सपनों को सच कर दिखाया है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने एक-एक कर अपने रोमांचक अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि फाइव स्टार होटल में ठहरना, वहां का लजीज खानपान और इंदौर के प्रसिद्ध जू का भ्रमण उनके लिए किसी अद्भुत अनुभव से कम नहीं था।



अवैध निर्माण पर चला कैंट बोर्ड का बुलडोजर

चंसोरिया कंपाउंड का अवैध निर्माण जमींदोज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। छावनी क्षेत्र में अवैध निर्माण के खिलाफ कैंट बोर्ड और रक्षा संपदा विभाग ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई की। सदर इलाके में सुबह-सुबह प्रशासनिक अमले ने बुलडोजर चलाकर चंसोरिया कंपाउंड में किए जा रहे अवैध निर्माण को धराशायी कर दिया। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल के साथ सेना की क्विक रिस्पांस टीम भी तैनात रही। सुरक्षा के व्यापक इंतजामों के बीच हुई इस कार्रवाई से सदर क्षेत्र में हलचल मच गई. अचानक पहुंचे प्रशासनिक अमले और बुलडोजर की कार्रवाई को देखने के लिए आसपास के लोगों की भीड़ भी जुट गई। जानकारी के अनुसार, कैंट बोर्ड और रक्षा संपदा विभाग की संयुक्त टीम ने सदर क्षेत्र में जायसवाल पेट्रोल पंप के पीछे स्थित बंगला नंबर 25 के चंसोरिया कंपाउंड में कार्रवाई की।

यूटीडी को हराकर हितकारिणी बना विजेता

हितकारिणी महिला महाविद्यालय में अंतर-महाविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के दिशा-निर्देशों के तहत, हितकारिणी महिला महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन ओएसडी अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग, हितकारिणी विद्या परिषद के मंत्री जयेश राठौर, डॉ अजय गुप्ता, खेल अधिकारी डॉ रमेश शुक्ला, कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ नीलेश पांडेय, सुदर्शन सिंह ठाकुर, हितकारिणी नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ प्रिन्सी जार्ज की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का संचालन दिनेश सिंह ठाकुर ने किया। खेले गए मैचों में साइंस कॉलेज में ज्ञान गंगा को, हितकारी महिला महाविद्यालय ने बरेला को, महाकौशल ने माता गुजरी को, रांची को सिहोरा ने एपीएन को हराकर अंतिम 8 में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल मैचों में विज्ञान महाविद्यालय ने बरगी को, हितकारीनि महाविद्यालय ने सिहोरा को, मानकुवर बाई कॉलेज ने होम साइंस कॉलेज को, यूटीडी ने महाकौशल को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।



खिताब किया अपने नाम

सेमी फाइनल में यूटीडी ने मानकुंवर को 41-10 से, हितकारिणी महिला ने साइंस कॉलेज को 38-14 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मेच में महिला महाविद्यालय ने यूटीडी को आसानी से 29-11 से हराकर विजेता होने का गौरव हासिल किया। मैचों में निर्णायक की भूमिका शानू यादव, परमू लाल, अंकित यादव, जयलक्ष्मी स्वामी, शिवानी पटेल शोभा परधान, स्नेहा सिंहरहा, संजय पांडे ने निभाई। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालय से आए क्रीड़ा अधिकारी हरीश दुबे,दीपेंद्र यादव,रचना विश्वकर्मा,नेहा तिवारी, प्रदीप शर्मा ,संदीप यादव, प्रगति शुक्ला उपस्थित रहे ।

बीएमडी हितकारिणी में सुरक्षित बचपन अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में दीक्षितपुरा स्थित बाबू मनमोहनदास हितकारिणी हायर सेकेंडरी कन्या शाला में सुरक्षित बचपन अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसका उद्देश्य डिजिटल दौर में छात्राओं को इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग और ऑनलाइन खतरों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सिविल जज दीप्ति चौहान और ऋतंभरा राज ने छात्राओं को संबोधित किया। बताए साइबर सुरक्षा के उपाय - न्यायिक अधिकारियों ने छात्राओं को इंटरनेट और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के व्यावहारिक तरीके विस्तार से बताए। वक्ताओं ने सलाह दी कि छात्राएं व्यक्तिगत जानकारी, बैंक पासवर्ड या ओटीपी किसी से साझा न करें और अनजान लिंक या संदिग्ध वेबसाइट न खोलें। प्राचार्य माधुरी शुक्ला ने कहा कि ऐसे अभियानों से छात्राओं में डिजिटल सतर्कता बढ़ती है और उन्हें सुरक्षित डिजिटल वातावरण मिलता है। इस अवसर पर उपप्राचार्य डॉ. सचिन कुमार पेंडके और प्रधान अध्यापिका नमिता सोनी सहित स्टाफ और स्टुडेंट्स उपस्थित रहे।



पिकअप की टक्कर से पुलिस आरक्षक की मौत

बरेला थाना अंतर्गत हुआ दर्दनाक हादस, आरोपी चालक के विरुद्ध मामला दर्ज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

बरेला थाना अंतर्गत बाईपास रोड पर एक भीषण सड़क हादसे में पुलिस विभाग के आरक्षक की दर्दनाक मौत हो गई है। बरेला रोड स्थित कान्हा ढाबे के समीप एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने आरक्षक की मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में आरक्षक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद से पुलिस महकमे और मृतक के परिजनों में गहरा शोक व्याप्त है। जानकारी अनुसार मृतक अनिल मरावी सिविल लाइन थाने में पुलिस आरक्षक के पद पर पदस्थ थे। वे अपनी मोटरसाइकिल से बरेला की ओर से ड्यूटी ज्वाइन करने के लिए सिविल लाइन थाना आ रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक बरेला रोड स्थित कान्हा ढाबे के पास पहुँची, सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भयानक थी कि आरक्षक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर जा गिरे।

मौके पर ही हो गई मौत

भीषण टक्कर के चलते आरक्षक अनिल मरावी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद राहगीरों और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिन्होंने तत्काल इसकी सूचना बरेला थाना पुलिस को दी। दुर्घटना को अंजाम देने के बाद पिकअप चालक मौके से फरार होने में कामयाब रहा। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल मौके पर पहुँचा। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस अब कान्हा ढाबे और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है ताकि फरार पिकअप वाहन और उसके चालक की पहचान की जा सके। पुलिस ने मामला दर्ज कर चालक की धरपकड़ के लिए तलाश तेज कर दी है।

हितकारिणी डेंटल कॉलेज द्वारा गोविंदगंज स्कूल में परीक्षण शिविर का आयोजन



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग को आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन्स अकादमी, गोविंदगंज में निःशुल्क दंत परीक्षण एवं मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। विद्यालय की प्राचार्य ज्योत्सना मैडम के सहयोग से आयोजित इस शिविर में 200 विद्यार्थियों का दंत परीक्षण किया गया। विद्यार्थियों को दांतों एवं मसूड़ों की उचित देखभाल, सही तरीके से ब्रश करने, मौखिक स्वच्छता बनाए रखने तथा दंत रोगों से बचाव के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं परामर्श प्रदान किया गया। बच्चों को अच्छी मौखिक स्वच्छता की आदतें अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु स्वस्थ एवं स्वच्छ दांतों वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।यह शिविर कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. राजेश धीरवानी एवं डीन डॉ. रोहित मिश्रा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिविर का उद्देश्य बच्चों में कम उम्र से ही स्वस्थ मौखिक आदतों को विकसित करना तथा निवारक दंत चिकित्सा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

जलाशयों के अधिकतम उपयोग से मछली उत्पादन बढ़ाने की संभावनाओं पर जोर



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने आज बरगी जलाशय में स्थापित फ्लोटिंग फिश केज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जलाशय में वैज्ञानिक पद्धति से किए जा रहे पंगेसियस मछली पालन का अवलोकन किया तथा मछली उत्पादन की वर्तमान स्थिति और उत्पादन बढ़ाने की संभावनाओं की जानकारी ली। इस दौरान सहायक संचालक मत्स्य उद्योग राजा राज तिलक धुर्वे ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा लागू की गई एकीकृत मत्स्य उद्योग नीति-2026 के अंतर्गत मत्स्य पालकों और समूहों को आधुनिक तकनीक, मछली प्रसंस्करण, मार्केटिंग तथा वित्तीय प्रोत्साहन से जोड़ा जा रहा है। ताकि जलाशयों का अधिकतम उपयोग कर मछली उत्पादन को बढ़ावा दिया जासके। उन्होंने जलाशय में केज कल्चर की कार्यप्रणाली, पंगेसियस मछली की वृद्धि दर तथा उत्पादन क्षमता के संबंध में जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान जलाशय प्रभारी दिव्या केरकेट्टा एवं उप संचालक कृषि उमेश कटहरे सहित मत्स्य विभाग और संबंधित विभागों के अधिकारीउपस्थित रहे।

जितेंद्र यादव बने सेवा दल के प्रदेश सचिव



जबलपुर। मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष माननीय अविनाश भार्गव जी के द्वारा मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवा दल की नवनियुक्त बॉडी में जबलपुर के कांग्रेस सेवा दल प्रवक्ता जितेंद्र यादव को पदोन्नति करते हुए प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया। नियुक्ती पर पूर्व विधायक ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव, पूर्व विधायक नेता विनय सक्सेना, अशोक यादव, एडवोकेट मीनाक्षी स्वामी, अरुण पवार, अनिल गुप्ता, श्याम सोलंकी, महेश मिश्रा, उमेश पटेल, विष्णु विनोदिया, सुनील सराठे आदि ने बधाई दी है।

लाईसेंस 260 को लेकिन 400 से ज्यादा दुकानों से हो रहा पटाखों का व्यापार

शिकायत पर कलेक्टर ने जारी किए तत्काल कार्यवाही के आदेश

जबलपुर। सीलबंद वॉक्स में पैक्ड पटाखों की बेचने का नियम है। इन पटाखों के पैकेटों पर क्यूआर कोड भी अंकित होना चाहिए। लेकिन इन नियमों की खुले आम अनदेखी कर पटाखों की खुली बिक्री हो रही है। इस खुली बिक्री से प्रतिबंधित पटाखे तथा ग्रीन पटाखों के नाम पर फर्जी ग्रीन पटाखे धडल्ले से वेचे जा रहे हैं। 2 नवंबर को जारी की गई सूची के अनुसार 260 को ही पटाखे बेचने का लाईसेंस जारी हुआ। लेकिन अभी पटाखे 400 से भी ज्यादा दुकाने से



बेचे जा रहे हैं। जाहिर है कि जबलपुर में वगैर लाईसेंस पटाखे बेचने का कारोबार बिना रोकटोक जारी है। मामले की शिकायत नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा से मुलाकात कर की है। कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि कल ही उन्होंने 6 लोगों पर कार्यवाही की है। पटाखों की खुली बिक्री होना तथा वगैर लाईसेंस वेचे जाने से जनसुरक्षा खतरे में पड सकती है। इसके लिए तत्काल कार्यवाही की जाये, यह आदेश कलेक्टर ने जारी किये हैं। इस अवसर पर मंच के डॉ. पी.जी. नाजपांडे, एड. वेदप्रकाश अधौलिया, एड. प्रभात यादव, डी. आर. लखेरा, अशोक यादव, यशवंत कोष्टा, पी.एस. राजपूत, एड. अमर प्रकाश गुप्ता तथा राम मिलन शर्मा उपस्थित थे।

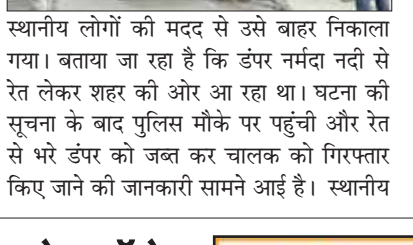
त्यौहारों पर मिलावटखोरों पर खाद्य विभाग की नकेल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने तथा उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार त्यौहारों के मद्देनजर चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत खाद्य सामग्री के विक्रय प्रतिष्ठानों के निरीक्षण की कार्यवाही आज बुधवार को भी जारी रही। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता से प्राप्त जानकारी के अनुसार अभियान के तहत बुधवार गोरखपुर स्थित बीकानेर से मलाई कतली और मावा बर्फी तथा राज स्वीट गोरखपुर एवं हीरा स्वीट मदन महल से मठरी और गुझिया के सैंपल लिए गए।

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार को कुचला

20 मीटर तक घिसटता गया युवक, भेड़ाघाट पुलिस ने दर्ज किया मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भेड़ाघाट चौराहे पर बुधवार सुबह तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक बाइक सहित करीब 20 मीटर तक सड़क पर घिसटता चला गया। हादसे में उसके पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने मशक्कत कर डंपर के नीचे फंसे युवक को बाहर निकाला और तत्काल इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया।जानकारी के मुताबिक, युवक बाइक से जबलपुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने भेड़ाघाट चौराहे पर उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद युवक बाइक समेत डंपर के नीचे फंस गया।



स्थानीय लोगों की मदद से उसे बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि डंपर नर्मदा नदी से रेत लेकर शहर की ओर आ रहा था। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और रेत से भरे डंपर को जब्त कर चालक को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी सामने आई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, वाहन के आगे और पीछे नंबर प्लेट नहीं लगी थी। हालांकि, डंपर के साइड में पीले रंग से कुछ नंबर लिखे हुए थे, लेकिन वे स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहे थे। बिना नंबर प्लेट के भारी वाहन के सड़क पर दौड़ने को लेकर लोगों ने जिम्मेदार विभागों की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सरस्वती घाट क्षेत्र से रातभर बिना नंबर प्लेट वाले हाईवा और बड़े ट्रकों के जरिए अवैध रूप से रेत और पीली मिट्टी का उत्खनन एवं परिवहन किया जाता है। लोगों ने खनिज विभाग और पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रभावी रोक नहीं लगाई जा रही है।

कछपुरा मालगोदाम में प्रदूषण पर एनजीटी सख्त

खाद्यान्न की लोडिंग-अनलोडिंग की अनुमति और हो रहा था सीमेंट-कोयला-आयरन ओर का कारोबार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कछपुरा रेलवे मालगोदाम में खाद्यान्न के अलावा सीमेंट, कोयला, खाद और आयरन ओर की लोडिंग-अनलोडिंग से हो रहे प्रदूषण के मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने सख्त रुख अपनाया है।नागरिक उपभोक्ता मंच की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए एनजीटी ने मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और पश्चिम मध्य रेलवे को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 8 जनवरी 2027 को होगी। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को मालगोदाम की मौजूदा स्थिति और वायु गुणवत्ता सूचकांक की जांच रिपोर्ट भी पेश करनी होगी। दरअसल, कछपुरा मालगोदाम में केवल खाद्यान्न की लोडिंग-अनलोडिंग की अनुमति है, लेकिन यहां लंबे समय से अन्य सामग्री का भी परिवहन किया जा रहा है। इससे उड़ने वाली धूल और



अन्य प्रदूषणकारी तत्वों का असर आसपास की रिहायशी कॉलोनियों पर पड़ रहा है। याचिकाकर्ता का दावा है कि इससे करीब 50 हजार लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है।

शिकायतों के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

नागरिक उपभोक्ता मंच के याचिकाकर्ता डॉ. पीजी नाजपांडे के मुताबिक, कछपुरा रेलवे साइडिंग के आसपास बड़ी-बड़ी कॉलोनियां हैं, जिनमें हजारों लोग रहते हैं। यहां कई वर्षों से लोडिंग-अनलोडिंग के कारण कई किलोमीटर तक धूल उड़ती है। स्थानीय स्तर पर शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई तो मंच ने एनजीटी में याचिका दायर की। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 5 अप्रैल 2023 को कछपुरा मालगोदाम में केवल खाद्यान्न की लोडिंग-अनलोडिंग के लिए कंसेंट आदेश जारी किया था। इसके बावजूद यहां सीमेंट, खाद और आयरन ओर सहित दूसरी सामग्री की लोडिंग-अनलोडिंग जारी रहने का आरोप है।

निर्देशों का पालन नहीं होने का आरोप

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रभात यादव ने बताया कि मालगोदाम में प्रदूषण रोकने के लिए पहले भी एनजीटी ने निर्देश दिए थे। 7 अप्रैल 2025 के आदेश में वाहनों के परिवहन, सामग्री के भंडारण और शेड से लोडिंग-अनलोडिंग की व्यवस्था के साथ पानी का छिड़काव करने जैसे उपायों के पालन को कहा गया था। इसके अलावा स्प्रिंकलर लगाने, हरित पट्टी विकसित करने, बाउंड्री बनाने और शेड निर्माण जैसे उपाय भी जरूरी बताए गए थे। याचिकाकर्ता का आरोप है कि रेलवे और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इन निर्देशों का प्रभावी पालन नहीं कराया। इसी आधार पर 5 मई 2026 को अवमानना याचिका दायर की गई।

अनियंत्रित होकर पलटा ओवरलोड ऑटो

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बिलहरी क्षेत्र में बुधवार दोपहर डीमार्ट के पास सवारियों से भरा एक ऑटो रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में कुछ यात्री ऑटो में फंस गए, जबकि कुछ उसके नीचे बुरी तरह दब गए। इसी दौरान वहां से गुजर रहे कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा की नजर हादसे पर पड़ी। उन्होंने तत्काल गनमैन जैकब क्लेटिन के साथ मिलकर ऑटो को उठाया और उसमें फंसे लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद घायलों



को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया।जानकारी के मुताबिक, कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा बरगी से लौटकर जबलपुर आ रहे थे। जैसे ही उनकी गाड़ी बिलहरी के पास पहुंची, उन्होंने देखा कि आगे चल रहा ऑटो अचानक पलट गया। उसमें महिलाएं और बच्चे भी सवार थे।कलेक्टर ने तत्काल अपनी गाड़ी रुकवाई और गनमैन के साथ मौके पर पहुंचे। दोनों ने मिलकर पलटे हुए ऑटो को सीधा किया और उसमें फंसे यात्रियों को बाहर निकाला।हादसे में घायल यात्रियों को कलेक्टर ने पीछे से आ रहे खनिज विभाग के वाहन से जिला अस्पताल भिजवाया।



हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**